CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

१—भूमध्य रेखा—वह कल्पित रेखा है जो ध्रुवों से बराबर दूरी पर पृथ्वी के आस पास खींची हुई है और पृथ्वी के दो बराबर भाग करती है॥

२—मध्यान्ह रेखा—वह वृत्त हैं जो पृथ्वी के आस पास ध्रुवों पर होते हुए जाते हैं॥

३—आन्हिक वृत—वह छोटे वृत्त हैं जो भूमध्य रेखा के समानान्तर खींचे गये हैं॥

४—मकर और कर्क रेखा—वह छोटे वृत्त हैं जो भूमध्य रेखा से साढ़े तेईस २ अंश के अन्तर पर दक्षिण और उत्तर की ओर हैं॥

५—देशान्तर—किसी नियत मध्यान्ह रेखा के पूर्वी या पश्चिमी दूरी को कहते हैं॥

६—अक्षांश—भूमध्य रेखा से उत्तर या दक्षिण दूरी का नाम है

---

(४) बन्दर से जाते समय जहाज़ का सब से पहले नीचे का भाग दृष्टि से बाहर होजाता है॥

(५) बहुधा जहाज़ी एक ही ओर अथवा पूर्व या पश्चिम बराबर चले तो फिर उसी बन्दरगाह में आगये जहां से चले थे॥

(६) यदि कुछ दूर तक उत्तर या दक्षिण चले तो नये नये सितारे दृष्टि में आते हैं और पिछले सितारे दृष्टि से बाहर होते जाते हैं॥

(७) क्योंकि सब सितारे गोल हैं और पृथ्वी भी एक उपग्रह है॥

(८) ग्रहण के समय पृथ्वी की परछाईं चन्द्रमा पर गोल पड़ती है

(९) नहर खोदते समय पनसाल करने के हेतु से प्रति मील ८ इंच गहराई कम खोदी जाती है॥

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

७—ध्रुव वृत्त—वह छोटे वृत्त हैं जो ध्रुवों से साढ़े तेईस २ अंश की दूरी पर पृथ्वी के आस पास खींचे गये हैं

८—*क्षितिज—वह वृत्त है जो शीर्ष बिन्दु और पदतल बिन्दु से नव्वे अंश दूर है ॥

सूचना—गरमी और सरदी के कारण पृथ्वी पांच भागों में बांटी गई है जिनको कटिबन्ध कहते हैं ॥

(पहिला) उष्ण कटिबन्ध—जो मकर और कर्क रेखाओं के बीच में है ॥

(दूसरा) उत्तरीय मध्यम कटिबन्ध—जो उत्तरीय ध्रुव वृत्त और कर्क रेखा के बीच में हैं ॥

(तीसरा) दक्षिणीय मध्यम कटिबन्ध—जो दक्षिणीय ध्रुव वृत्त और मकर रेखा के बीच में है ॥

(चौथा) उत्तरीय शीत कटिबन्ध—जो उत्तरीय ध्रुव वृत्त में है ॥

(पांचवां) दक्षिणीय शीत कटिबन्ध—जो दक्षिणीय ध्रुव वृत्त में है ॥

सूचना*—शीर्ष बिन्दु उस बिन्दु को कहते हैं जो ठीक सिर की सीध में है और पदतल बिन्दु हमारे पैरों के नीचे और शीर्ष बिन्दु के सामने है ॥

सूचना—नक़्शा पृथ्वी या पृथ्वी के भाग की ऐसी तसवीर को कहते हैं जो धरातल पर खिंची हो, और पिण्डाकार तसवीर को गोला कहते हैं। नक़्शे में उत्तर ऊपर के ओर और दक्षिण नीचे के ओर और पूर्व दाएं हाथ के तरफ़ और पश्चिम बाएं हाथ के तरफ़ होता है ॥

सूचना—वृत्त-वह वृत्त जो किसी गोले के बराबर दो भाग करें बड़े वृत्त, और वह जो दो छोटे बड़े भाग करें छोटे वृत्त कहलाते हैं॥

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

नक्शा

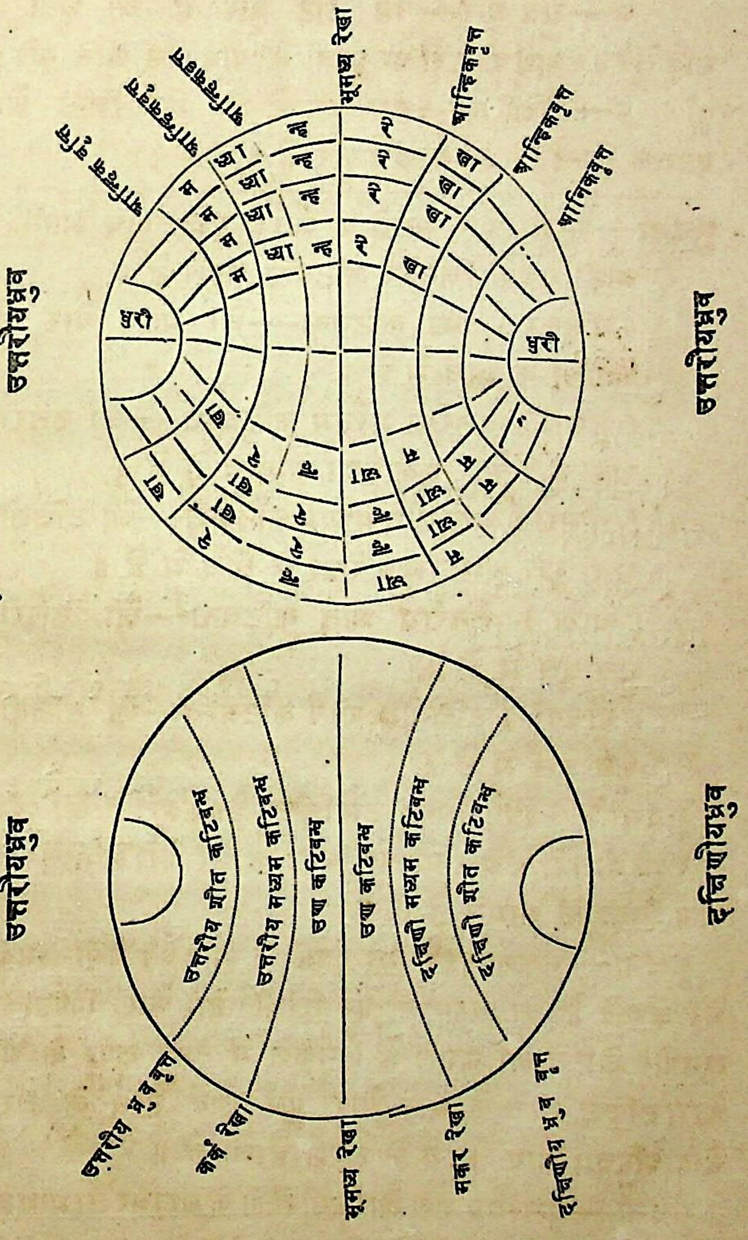

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

३—पृथ्वी के भाग

पृथ्वी के दो बड़े भाग हैं पहिला स्थल दूसरा जल, $\frac{1}{4}$ स्थल व $\frac{3}{4}$ जल है ॥

४—स्थल के भाग

१—महाद्वीप—स्थल का सब से बड़ा भाग है जिस में बहुत से देश हों ॥

२—देश—महाद्वीप के उस बड़े भाग को कहते हैं जिस में एक तरह के आदमी और राज्य हों ॥

३—बादशाहत*—उतने देश को कहते हैं जितना एक बादशाह के आधीन हो ॥

४—प्रजाधिकारी राज्य—उसे कहते हैं जहां बादशाह न हो परंतु चुने हुये लोग राज करते हों ॥

५—सूबा*—उसे कहते हैं जिस में बहुत से ज़िले और क़िस्मत मिले हों ॥

६—क़िस्मत—उतने भाग को कहते हैं जो १ कमिश्नर के आधीन कई ज़िले हों ॥

७—ज़िला—१ शहर और उस से सम्बन्ध रखने वाले गावों को जो १ कलक्टर या डिपुटी कमिश्नर के आधीन हो कहते हैं ॥

८—राजधानी—किसी सूबा या देश के उस प्रधान शहर को कहते हैं जहां मुख्य न्याय सभा (अदालत आलिया) हो ॥

९—व्योपार का नगर या मण्डी—उस शहर को कहते हैं जहां सौदागर रहते हैं और व्योपार बहुत होता है ॥

१०—द्वीप—स्थल के उस भाग को कहते हैं जो चारों ओर पानी से घिरा हो ॥

---

*फ़ारसी शब्द

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

११—प्रायद्वीप—स्थल के उस भाग को कहते हैं जो तीन ओर पानी से घिरा हो और एक ओर स्थल से मिला हो ॥

१२—डमरु मध्य—स्थल के उस भाग को कहते हैं जो स्थल के दो बड़े भागों को मिलावे ॥

१३—पहाड़—स्थल के उस ऊंचे भाग को कहते हैं जो पृथ्वी के तल से दो हज़ार फ़ीट से अधिक ऊंचा हो ॥

१४—पर्वतश्रेणी—उन पहाड़ों को कहते हैं जो एक दूसरे से मिले हुए चले जाते हैं ॥

१५—पहाड़ी—स्थल के ऊंचे भाग को क़हते हैं जिसकी ऊंचाई दो हज़ार फ़ीट से कम होती है ॥

१६—घाटी—स्थल के उस भाग को कहते हैं जो दो पहाड़ों या पहाड़ियों के बीच में हो ॥

१७—* दर्रह या † पास—उस तंग रास्ते को कहते हैं जो दो पहाड़ों या पहाड़ियों के बीच में होता है ॥

१८—ज्वालामुखी—उस पहाड़ को कहते हैं जिस से आग निकलती है ॥

१९—मैदान—स्थल के चौरस भाग को कहते हैं ॥

२०—† प्लेटो—उस चौरस मैदान को कहते हैं जो कुछ ऊंचा हो ॥

सूचना पृथ्वी पर पहाड़ों के होने से सिवाय इसके कि आदमी उनमें से तरह २ के पत्थरों को निकाल कर घर और बहुत सी अपने काम की चीज़ें बनायें और भी बहुत से फ़ायदे हैं। बड़े दुर्लभ २ पेड़ जड़ी बूटी के जो दवा आदि में काम आते हैं और बहुत सी चिड़ियां और जानवर इनके साये में पलते हैं। जो

---

* फ़ारसी † अंगरेज़ी

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

१—*क़िरवाह—अफ्रिका के दक्षिणी मैदानों को कहते हैं ॥

२—†स्टेप्स—रूस और साइबीरिया के मैदनों को जहां पेड़ नहीं होते कहते हैं ॥

३—प्रेरीया † सेवाना—उत्तरीय अमेरिका के बन (चारगाह) जहां लम्बी घास उगी रहती है कहलाते हैं ॥

४—†सिलवा—अमेज़ान नदी के किनारे पर के जंगल को कहते हैं ॥

५—†लिनोज़—ओरेनिको नदी के किनारे के बराबर खेतों को कहते हैं ॥

६—†पम्पाज़—लाप्लाटा नदी के पानी से तर जंगलों को जहां बड़ी घास उपजती है कहते हैं ॥

७—†लैंण्डीज़ दक्षिणी फ्रांस के मरुस्थली को कहते हैं ॥

८—†टंड्राज़—साइबीरिया के दलदल को जिसका नीचान उत्तर सागर के ओर है कहते हैं ॥

पृथ्वी पर पहाड़ न होते तो बहुत से बसे हुए अच्छे अच्छे देश उड़ती हुई रेत से दब कर बिलकुल नष्ट हो जाते या जंगलियों के लूट मार और उपद्रव से उजड़ कर उस उन्नति को न पहुंचते जिस उन्नति की दशा में अब वे हैं। पहाड़ समुद्र की लहरों को रोकते हैं और पानी को कई ढंग से इकट्ठा करके तराई के देशों को सींच कर उपजाऊ करते हैं और आस पास की आबोहवा पर भी उनका बड़ा असर होता है और पहाड़ों की हरयाली और आबोहवा दिल को बहुत अच्छी मालूम होती है ॥

---

*फ़ारसी शब्द †अंगरेज़ी शब्द

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

२१—मरुस्थली—ऐसे बड़े मैदानों को कहते हैं जहां रेत बहुत हो ॥

२२—*ओएसिस या शाद्वलस्थल—उस लहलही जगह को जो मरुस्थली में आ पड़े कहते हैं ॥

२३—अन्तरीप—स्थल की उस नोक को जो पानी के भीतर चली गई हो कहते हैं ॥

५—जल के भाग

१—महासागर—पानी के सब से बड़े भाग को कहते हैं ॥

२—सागर—पानी के उस भाग को कहते हैं जो महासागर से छोटा हो ॥

३—खाड़ी—पानी के उस भाग को कहते हैं जो तीन ओर स्थल से घिरा हो ॥

४—आखात—बहुत चौड़ी खाड़ी को कहते हैं ॥

५—*फ़र्थ या *इस्चूएरी—उस जगह को कहते हैं जहां कोई नदी बहुत चौड़ी होकर समुद्र में गिरती है ॥

६—किनारा या तट—स्थल के उस भाग को कहते हैं जो पानी के किसी भाग से मिला हो ॥

७—बन्दर—वह जगह है जहां जहाज़ लंगर डालते हैं ॥

८—झील—पानी के उस भाग को कहते हैं जो चारों ओर स्थल से घिरा हो ॥

९—जल डमरूमध्य या मुहाना—पानी के उस तंग भाग को कहते हैं जो पानी के दो बड़े भागों को मिलाता है ॥

---

* अंगरेज़ी शब्द

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

१०—सोता—पानी के उस भाग को कहते हैं जो पृथ्वी से निकला हो॥

११—नदी—पानी की उस धारा को कहते हैं जो किसी पहाड़ या झील से निकल कर समुद्र या पानी के किसी और भाग में गिरे॥

१२—सहायक नदी—उस नदी को कहते हैं जो किसी दूसरी नदी में गिरती है॥

१३—नदी की शाखा—उसे कहते हैं जो किसी बड़ी नदी से कोई और नदी निकल कर समुद्र में अलग जाकर गिरे॥

सूचना—नदियों से देश को बड़ा फ़ायदा होता है, इनकी राह से आना जाना और बहुत से बनिज ब्योपार कम ख़र्च में होते हैं आदमी नाव पर चढ़कर एक किनारे से दूसरे को आते जाते हैं इनकी धार सड़ी गली चीज़ों को जिन से रोग फैलते हैं बहा ले जाती है और उनकी दुरगन्ध से हवा बिगड़ने नहीं पाती—आस पास के गांव-वाले अपने खेतों को इनके पानी से सींचते हैं। किनारे के पेड़ और घास पात इनकी तरी से हरे भरे रहते हैं जहाज़ों और नावों के आने जाने में भी सुभीता होता है और पनचक्की का चलना इसकी ताक़त का काम है—जहां नदी नहीं होती उस देश में पेड़ पत्ते और जीव जन्तु नहीं रह सकते हैं और उस देश को मरूस्थल या उजाड़ कहते हैं॥

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

१४—उद्गम—उस जगह को कहते हैं जहां से नदी निकलती है, और मुहाना जहां नदी गिरती है, और संगम जहां एक नदी दूसरी से मिलती है, और दुआबा दो नदियों के बीच के देश को कहते हैं ॥

१५—*डेल्टा—उस जगह को कहते हैं जो किसी नदी की त्रिभुजाकार धारों से घिरा हो ॥

१६—उत्पतनस्थान या झरना—उस जगह का नाम है जहां से किसी नदी का पानी कुछ ऊंचाई से गिरे ॥

१७—*बेसिन—स्थल के उस सब भाग को कहते हैं जो किसी नदी और उसकी शाखा और सहायक नदियों से सींचा जाता हो ॥

१८—*वाटर शेड या नदी जल बिभाजिक—स्थल के उस ऊंचे भाग को कहते हैं जो दो बेसिन को अलग करे ॥

६ प्राकृतिक भूगोल सम्बन्धी परिभाषा ॥

१—वायु मण्डल—हवा के उस चक्र का नाम है जो पृथ्वी को घेरे हुए है ॥

२—*ट्रेडविन्ड या व्योपारी हवा—उस हवा को कहते हैं जो मकर और कर्क रेखा के बीच के समुद्रों में सदा पूर्व से पश्चिम को चला करती है। इसका यह नाम पड़ने का कारण यह है कि इससे व्योपारी जहाज़ों के आने जाने में सुगमता होती है या इस कारण से कि वह सदा एकही ओर से चला करती है ॥

३—*मानसून या मौसमी हवा—वह है जो हिन्दुस्तान के समुद्र में और तमाम हिन्दुस्तान में अप्रैल से अकतूबर

---

* अंगरेज़ी शब्द

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

तक दक्षिण पश्चिम से और अक्तूबर से अप्रैल तक उत्तर पूर्व से चला करती है ॥

४—गरगण्डर या बगूला—हवा के तेज़ चक्कर और ज़ोरदार झोंके को कहते हैं ॥

५—*समूम—उस गरम हवा को कहते हैं जो अरब और उत्तरी अफ़्रीका के रेगिस्तान (मरुस्थलों) में चलती है ॥

६—ज्वारभाटा—समुद्र के घटने और बढ़ने को कहते हैं जो ख़ास वक़्त पर सूर्य्य और चांद के आकर्षण (कशिश) से होता है ॥

७-†आबोहवा—से किसी मुल्क की ऋतु पर्य्याय आदि सूचित होती है—इसका असर उस मुल्क की बनस्पती, और जीवधारियों और नेवासियों के कार बार और स्वभाव पर होता है ॥

१ पृथ्वी के गोले के बड़े भागों का बयान

पृथ्वी के गोले के दो बड़े भाग हैं—पहिला पूर्बी गोलार्द्ध, दूसरा पश्चिमी गोलार्द्ध, जिसको नई दुनिया भी कहते हैं ॥

सूचना—किसी जगह की आबोहवा में नीचे लिखी बातों से अन्तर होता है ॥

(१) उस जगह की भूमध्य रेखा से दूरी ॥
(२) उस जगह का समुद्र से पास या दूर होना ॥
(३) पहाड़ों का होना।
(४) नदी और घाटियों का होना।
(५) तरह २ की हवाओं का चलना।
(६) वर्षा का अधिक या कम होना।

---

* अरबी शब्द † फ़ारसी शब्द

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

सम्पूर्ण जल और स्थल का क्षेत्रफल अनुमान से १९ करोड़ ७० लाख बर्ग मील है और आबादी १ अरब पचास करोड़ है ॥

जल के पांच बड़े भाग ये हैं—पहिला पैसिफ़िक या स्थिर महासागर, दूसरा अटलान्टिक महासागर, तीसरा हिन्द का महासागर, चौथा उत्तर सागर, पांचवां दक्षिण सागर ॥

(१) पैसिफ़िक महासागर एशिया और अमेरिका के बीच में है, उसका क्षेत्रफल अनुमान से सात करोड़ बीस लाख बर्ग मील है ॥

(२) अटलान्टिक महासागर, यूरप और अफ़्रीका और अमेरिका के बीच में है, उसका क्षेत्रफल अनुमान से तीन करोड़ पचास लाख बर्ग मील है ॥

(३) हिन्द महासागर हिन्दुस्तान के दक्षिण में है उसका क्षेत्रफल दो करोड़ पचास लाख बर्ग मील है ॥

(४) उत्तर सागर उत्तर ध्रुव वृत्त के भीतर, क्षेत्रफल उसका अनुमान से पचास लाख बर्ग मील है ॥

(५) दक्षिण सागर दक्षिण ध्रुव वृत्त के भीतर, उसका क्षेत्रफल अनुमान से अस्सी लाख बर्ग मील है ॥

स्थल के पांच बड़े भाग हैं १ एशिया २ यूरप या फ़रंगिस्तान ३ अफ़्रीका ४ उत्तरी व दक्षिणी अमेरिका ५ ओशीनिया ॥

॥ १ एशिया का बयान ॥

एशिया पूर्वी गोलार्द्ध के पूर्वी भाग को कहते हैं जो पृथ्वी के सब महाद्वीपों से बिस्तार और आबादी में बड़ा है इस

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

की आबादी अनुमान से साढ़े बियासी करोड़ और क्षेत्रफल १ करोड़ ७५ लाख वर्ग मील है॥

पैदावारी—एशिया की पैदावारी बहुत और लाभ दायक हैं। लगभग सब तरह के अनाज यहां पैदा होते हैं। छः सौ भांत के जानवर दूध पीनेवाले अर्थात् तमाम पृथ्वी के दूध पीनेवाले जानवरों का एक तिहाई हिस्सा यहां पाये जाते हैं॥

धातु—हीरा और बहुत से अमूल्य पत्थर (बोर्नियो और हिन्दुस्तान में) सोना (बोर्नियो, सैबीरिया, प्रायद्वीप चीन हिन्दी, चीन और जापान में) चांदी और जस्ता (चीन और सैबीरिया में) लोहा, तांबा, टीन, कोयला लोन आदि यहां के खानों से निकलते हैं॥

बनस्पति अन्न, फल फलेरी—गेहूं, चांवल, जौ आदि अन्न व खुरमा अंजीर, अंगूर, अनार, आम, सेब, नाशपाती, नीबू, नारंगी, चकोतरा, अनन्नास, नारियल, बादाम, केला और बेर आदि मेवे और चाह, क़हवा, गन्ना और भांत भांत के मसाले व रुई, नील, सन और बड़े २ लकड़ी के पेड़ देव-दार, साखू, आबनूस, चन्दन आदि यहां उपजते हैं॥

जीव जन्तु—हाथी, ऊंट, घोड़ा, गदहा, बैल, भैंस, बकरी भेड़, कुत्ते, बिल्ली आदि पलाऊ जानवर व शेर, चीता तेंदुआ, चर्ख़, भेड़िया आदि मांस खानेवाले जानवर और मोर और भांत २ के अच्छे २ पक्षी और घड़याल सांप आदि कीड़े यहां पाए जातेहैं॥

निवासी—यहां भांत २ के आदमी बसते हैं एक की बोल चाल रंग रूप और डील डौल दूसरे से नहीं मिलती है। हिन्दुस्तान में लगभग तीस तरह की बोलियां बोली जाती हैं जो सब संस्कृत से निकली हैं। पूर्वी एशिया और चीन के निवासी मंगोल नस्ल के हैं यह और नस्लों के

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

आदमियों से अपने डील डौल रंग व रूप से तुरन्त पहचाने जा सक्ते हैं। पूर्बी हिन्दुस्तान के द्वीपों के निवासी मालाया नस्ल के हैं। एशिया के निवासी अपने रस्म व ढंग और चाल चलन के पाबन्दी में मशहूर हैं। यह औरतों को परदे में रखते हैं और विद्या नहीं पढ़ाते हैं। मुख्य मत यहां के ब्राह्मण, बौध, ईसाई और मुसलमान हैं॥

२ सीमा

इस महाद्वीप के उत्तर में उत्तर सागर, पूर्ब में पैसिफ़िक महासागर, दक्षिण में हिन्द महासागर, और पश्चिम में लाल सागर, रूम सागर, मारमोरा सागर, काला सागर, क़ाफ़ पहाड़, कास्पियन सागर, यूराल नदी और यूराल पहाड़ हैं॥

३ आबोहवा

एशिया का दक्षिणी भाग गर्म है बीच का भाग जाड़े में सर्द और गर्मी में गर्म रहता है, और उत्तरी भाग बहुत सर्द रहता है॥

४ देश

नाम देश	राजधानी	नाम देश	राजधानी
एशियाई रूस	इरकटस्क	अनाम	ह्यू
जापान	टोकायो या यड्डो	हिन्दुस्तान	कलकत्ता
चीन	पीकिन	अफ़ग़ानिस्तान	काबुल
मञ्चूरिया	कोनोला	बिलूचिस्तान	क़िलात
कोरिया	किंकिटाओ	पश्चिमी तुर-किस्तान	बुख़ारा
मंगोलिया	उरगा		
तिब्बत	लासा	फ़ारिस	तेहरान
पूर्बी तुरकिस्तान	यारक़न्द	एशियाई रूम	स्मरना
ब्रह्मा	मांडले	अरब	मक्का
स्याम	बङ्काक		

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

५ समुद्र और खाड़ी

उत्तर की ओर

ओबी की खाड़ी—एशियाई रूस के उत्तर ॥

पूर्व की ओर

चीन सागर-चीन के दक्षिण पूर्व में है और (इसके भाग स्याम और टार्नकिन की खाड़ियां हैं), पीला सागर चीन के उत्तर और पूर्व में है, जापान का सागर जापान और महाद्वीप के बीच, ओखटस्क और कमस्कटका की खाड़ियां एशियाई रूस के उत्तर और पूर्व में हैं ॥

दक्षिण की ओर

अरब का समुद्र—अरब और हिन्दुस्तान के बीच, फ़ारिस की खाड़ी-फ़ारिस और अरब के बीच, कुलज़म या लाल सागर-अरब और अफ़्रीक़ा के बीच और बङ्गाले की खाड़ी-हिन्दुस्तान के पूर्व में है ॥

पश्चिम की ओर

काला सागर, मारमोरा सागर और रूम सागर-एशियाई रूम के उत्तर पश्चिम में, ख़िज़र या कास्पियन सागर, फ़ारिस के उत्तर में है ॥

६ मुहाने या जल डमरूमध्य

उत्तर की ओर

बेहरिंग का मुहाना—एशिया और अमेरिका के बीच में है ॥

पूर्व की ओर

कोरिया का मुहाना—जापान सागर और लाल सागर के बीच में है ॥

दक्षिण की ओर

बाबुल मन्दब—लाल सागर का द्वार है, अरमुज़—फ़ारिस की खाड़ी और अरब के समुद्र के बीच, पाक का मुहाना हिन्दुस्तान और सरनद्वीप के के बीच, मलाका का मुहाना मलाका और सुमात्रा के बीच में है ॥

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

७ झील

ख़ारज़म—या अरल सागर, बालकश और बेकाल झील एशियाई रूस में, लाबनार याऱक़न्द के पूर्व में, हेमूं या ज़ुर्रा—अफ़ग़ानिस्तान में, मानसरोवर और श्रीकाल—तिब्बत के दक्षिण पश्चिम में, पालटी-तिब्बत में, चिल्का और सांभर—हिंदुस्तान में, वान और उरमिया—काला सागर और कास्पियन के बीच, असफ़ल या मृतक सागर-शाम के दक्षिण में ॥

॥ नदी ॥

देश	नाम नदी	उद्गम	मुहाना	लम्बाई	प्रसिद्ध नगर जिन में होकर नदी बहती है
		उत्तर को	ओर		
रूस	ओबी	अलटाई पहाड़	उत्तर सागर में	२६००	टोबाल्स्क ॥
तथा	इनोसी	”	”	२६००	अरकुट्स्क ॥
तथा	लीना	”	”	२५००	याकट्स्क ॥
		पूर्व की	ओर		
चीन	अमूर या सघेलियन	मंगोलिया के पहाड़	टारटरी की खाड़ी	२३००	सीफिस्क, मंगोलिया और मन्चूरिया ॥
तथा	पीहू	..	..	..	पीकन ॥
तथा	ह्वांगहो	क्वीनलिन	चीन और पीला सागर में	२२००	केइफ़ांग-लालचू

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

देश	नाम नदी	उद्गम	मुहाना	लम्बाई	प्रसिद्ध नगर जिन से हो कर नदी बहती है
		पूर्व की	ओर		
चीन	यांटीसीक्यांग	तिब्बतके पहाड़	चीन और	३२००	नैनकिन ॥
तथा	क्वान्टन या शूक्रीयांग	चीन के पहाड़	पीला सागरमें	११००	क्वान्टन ॥
		दक्षिण की	ओर		
अनाम	मेकांग या कम्बोडिया	तिब्बत से	चीन सागरमें	१६००	सेगून ॥
स्याम व कम्बोडिया	मीनाम	„	स्याम की खाड़ी	९००	बेन्काक ॥
ब्रह्मा	यरावदी	„	बङ्गाले की खाड़ी	१२००	रंगून, पीगू, प्रोम, आवा, अमरापुरा व मांडले ॥
हिन्दुस्तान	ब्रह्मपुत्र	हिमालिया	„	१८००	लासा—तासोसूदन ॥
तथा	गंगा	„	„	१५००	कलकत्ता, बहरामपुर, चन्दर॰

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

हिन्दुस्तान	गंगा	हिमालिया	बङ्गाले की खाड़ो	१५००	नगर, मुर्शिदाबाद, पटना, गाज़ीपुर, बनारस, मिरज़ापुर, इलाहाबाद, कानपुर, क़न्नौज, फ़र्रुख़ाबाद, गढ़मुक्तेश्वर, हरद्वार ॥
तथा	घाघरा	तिब्बत से	गंगा	६००	छपरा—फ़ैज़ाबाद ॥
तथा	सोन	अमर कंटक	तथा	४७०	
तथा	गोमती	मोहमदी का झावर	तथा	५००	लखनऊ—जौनपुर ॥
तथा	जमना	हिमालिया	इलाहाबाद में गंगा से मिल गई है	८६०	दिल्ली, ब्रिन्दाबन मथुरा, आगरा बटेश्वर, इटावा, कालपी, हमीरपुर इलाहाबाद ॥
तथा	महानदी	नावागढ़	बङ्गाले की खाड़ी में	६२०	सम्भलपुर, सोहनपुर, कंटक ॥
तथा	गोदावरी	पश्चिमी घाट		६००	नासिक, त्रिम्बक, नान्देर, निरमल, राजमन्दरी, कुरंगा ॥
तथा	कृष्णा	"	"	८००	सितारा, करनोल, गन्तूर, मछली बन्दर ॥

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri
Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

देश	नाम नदी	उद्गम	मुहाना	लम्बाई	प्रसिद्ध नगर जिन में हो कर नदी बहती है
हिन्दुस्तान	कावेरी	पश्चिमी घाट	बंगाले की खाड़ी में	४७५	ट्रंकोबार, तञ्जूर, श्रीरंगपटन त्रिचनापली ॥
तथा	नरमदा	अमर कंटक के पास से	खम्बात की खाड़ी	८००	मन्डला, जबलपुर, नरसिंघपुर होशंगाबाद, मैसोर, भड़ोंच ॥
तथा	तापती	सतपुड़ा	„	५००	बैतूल, बुरहानपुर, नसीराबाद सूरत ॥
हिन्दुस्तान	सिन्ध	„	अरब के समुद्र	१८००	कांची, हैदराबाद, अटक, ठट्ठा ॥
„	झेलम	कशमीर	चनाब	४६०	पिंडदादनखां, झेलम, श्रीनगर ॥
„	रावी	कल्लू	तथा	४५०	लाहौर ॥
„	चनाब	लाहुल	सिंघ	७६५	वज़ीराबाद, अकनूर ॥
„	बयास	तथा	सतलज	२६६०	..
„	सतलज	मानसरोवर	चनाब	५५०	भावलपुर, फ़ीरोज़पुर, अलीवाल, रूपर, बिलासपुर ॥

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

एशियाई रूम	फ़रात या यूफ़्रेटीज़	सीपेन्ली	फ़ारिस की खाड़ी में	१७००	बेबिलन ॥
तथा	दजला या टाइग्रिस	दयारबक्र के पहाड़ों से	,,	११००	बग़दाद, मोसल, दयारबक्र ॥
रूस	सीहून या सायर	वेलरटाग	पश्चिम की ओर अरल सागर में	११५०	क़ोक़ंद, ताशक़ंद ॥
तथा	जेहून या आमू, या आक्सस	,,	,,	१३००	कुन्दज़, बलख़, बुख़ारा ख़ीवा व, उरगञ्ज ॥

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri
Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

९ पहाड़

यूराल पहाड़ यूरप और एशिया के बीच में, काकासस या क़ाफ़ पहाड़—काला सागर और कास्पियन सागर के बीच में, अरमनी के पहाड़ एशियाई रूम के पूर्व में, हिमालय और कुराकुरम पहाड़ हिन्दुस्तान के उत्तर में, हिन्दूकुश—अफ़ग़ानिस्तान के उत्तर में, अलटाई पहाड़—एशियाई रूस के दक्षिण में, पूर्बी और पश्चिमी घाट—हिन्दुस्तान के पूर्बी और पश्चिमी किनारे पर हैं, सुलेमान हिन्दुस्तान और बिलूचिस्तान के बीच में, अलबुर्ज़ ख़िज़र के दक्षिण में, और टारस—एशिया कोचक में ॥

१० द्वीप

उत्तरी हिम सागर में, न्यूसैबीरिया । पैसीफ़िक महासागर में, हेनन और फ़ारमोसा—चीन के दक्षिण पूर्व में। क्युराइल और सेघालियन—कमसकटका और जापान के बीच में । जापान का द्वीप-जापान सागर के पूर्व में । हिन्दुस्तान के महासागर में, सिंगापूर, पीनांग, सरनद्वीप या लंका, लक्क द्वीप, माल द्वीप, अन्डमान, और नीकोबार हैं ॥ रोडस और सेमास—यूनान सागर में हैं । क़ुबरस या सैप्रस लेवाण्ट में है । पूर्बी हिन्दुस्तान के द्वीप (जिनमें मुख्य सुमात्रा, जावा, बोर्नियो, सेलेबीस, मनिल्ला, और मुलक्का के द्वीप हैं) हिन्दुस्तान के महासागर और पैसीफ़िक महासागर के बीच में हैं ॥

११ प्रायद्वीप

कोरिया और कमस्कटका, पूर्व में और प्रायद्वीप चीनहिन्दी, हिन्दुस्तान, और अरब, दक्षिण में । एशिया माइनर पश्चिम में॥

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

१२ अन्तरीप

उत्तर की ओर

उत्तरी पूर्वी अंतरीप या सेवेरो, सैबीरिया के उत्तर पूर्व में और पूर्वी अन्तरीप, बेहरिंग के मुहाने पर ॥

पूर्व की ओर

लुपाटका—कमस्कटका के दक्षिण में ॥

दक्षिण की ओर

कुमारी अन्तरीप हिन्दुस्तान के दक्षिण में, रोमेनिया, मलाका के दक्षिण में, कम्बोडिया, अनाम के दक्षिण में रासुलहद अरब के दक्षिण और पूर्व में ॥

पश्चिम की ओर

रास बाबा-एशियाई रूम के दक्षिण में ॥

१३ देश अपने बड़े २ भागों और शहरों समेत

(१) एशियाई रूस

इसके तीन भाग काकासिया या क़ाफ़, सैबीरिया और मध्य रूसी एशिया हैं (१) काकासिया या क़ाफ़ उस भाग को कहते हैं जो यूरपी रूस फ़ारिस और एशियाई रूम के बीच में है (२) सैबीरिया-अलटाई पहाड़ के उत्तर से उत्तरी सागर तक चला गया है और (३) मध्य रूसी एशिया वह देश हैं जो रूस के आधीन हैं और जिन्हें पहाड़ अलटाई मंगोलिया और चीन से अलग करता है और जो पश्चिम की ओर पहाड़ यूराल से कास्पियन सागर तक हैं और उनके दक्षिण में ख़ानात, ख़ीवा और बुख़ारा हैं ॥ तुबालस्क, पश्चिमी सैबीरिया की राजधानी है—इरकटस्क पूर्वी सैबीरिया की और तिफ़लिस काकासिया की राज़धानी है—और पहली राजधानी ओमस्क में एक मज़बूत क़िला है—ताशक़न्द ब्योपार का शहर है। समरक़न्द तिमरलंग

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

की राजधानी थी—इकेट्रिनबर्ग के पास सोने की खान है, कियाकटा में चीनी और रूसियों से आपस में व्योपार होता है॥

(२) चीनी राज्य

इसमें मुख्य चीन, तिब्बत, मंचूरिया, मंगोलिया और कोरिया मिले हैं। तिब्बत और मंचूरिया न्यूनाधिक चीन के बादशाह के आधीन हैं। मंगोलिया और कोरिया स्वाधीन राज्य हैं। चीन में आबादी घनी है, बड़े नगर बहुत हैं और विद्या की उन्नति है। चीन की बड़ी दीवार (जिसकी लंबाई तेरह सौ मील और ऊंचाई बीस फ़ीट और चौड़ाई पंदरह फ़ीट है) दुनिया के अचम्भित चीज़ों में से है इसकी लागत और बनाने के वक़्त का अनुमान नहीं हो सक्ता। चीन की राजधानी पेकिन दुनिया में सब से अधिक आबाद शहर है, टानकिन दस्तकारी के लिये मशहूर है, और केनटन, एमाय, फ़ूचू, निंगपू, और शंघाय समुद्र के किनारे पर ऐसी जगह हैं जहां और देशों के लोग आ जा सकते हैं॥

(३) मंगोलिया

इसको तातार चीन भी कहते हैं—उरगा मशहूर शहर है मैमाचिन में चीनी और रूसी आपस में व्योपार करते थे क़राकुरम चंगेज़खां की राजधानी थी॥

(४) पूर्वी तुरकिस्तान

तुरकिस्तान के दो भाग पूर्वी और पश्चिमी तुरकिस्तान हैं पूर्वी को चीनवालों ने सन् १८७७ ईसवी में जीता था इसके मुख्य भाग—ख़ुतन्—यारक़न्द—और काशग़र हैं। यारक़न्द में चीनी और पश्चिमी एशिया वालों में आपस

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

में व्योपार होता है—काशग़र में व्योपार और दस्तकारी अच्छी होती है, ख़ुतन् अगले समय में कस्तूरी के लिये मशहूर था ॥

(५) पूर्वी प्रायद्वीप या प्रायद्वीप चीन हिन्दी ॥

यह मुल्क एशिया के दक्षिण में है—आबोहवा गर्म है और तराई के भागों की ख़राब है—इस में बड़े २ पहाड़, नदी और सुन्दर बन्दर हैं। इसके मुख्य भाग अराकान, पीगू और सूबे टेनासिरम, ब्रह्मा, लेआस, मलाया, स्याम, अनाम, और कम्बोडिया हैं। अकयाब अराकान का मुख्य बन्दर है। मोलमीन सूबेजात टेनासिरम का बन्दर है। फ़ांसीसी कोचीन, जो मलाया का दक्षिणी भाग है, फ़ांसीसियों के आधीन है और सीगोन इसकी राजधानी है ॥

(६) हिन्दुस्तान

इसका बिस्तार पूर्वक वर्णन आगे किया जायगा ॥

(७) अफ़ग़ानिस्तान

अफ़ग़ानिस्तान पहाड़ी देश है और बिलूचिस्तान के उत्तर और हिन्दुस्तान व रूस के राज के बीच में है और इस कारण सरकार अंगरेज़ ने देशी मामलों के बिचार से इसकी झगड़ालू प्रजा को अपने बल का नमूना सन् १८८५ ई० में दिखलाया था—इस में अफ़ग़ानी तुर्किस्तान भी मिला है जो हिन्दूकुश पहाड़ और आकसस नदी के बीच में है और जिसके मुख्य भाग बाख़ान, बदख़शां, क़न्दज़—ख़ल्म और बलख़ हैं—अफ़ग़ानिस्तान के मुख्य भाग काबुल—क़न्दहार हिरात और सीस्तान हैं। काबुल राजधानी मेवा के लिये मशहूर है। ग़ज़नी सुल्तान महमूद की राजधानी थी। हिरात बहुत आबाद और व्योपार का शहर है। बलख़

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

जो इन दिनों उजाड़ पड़ा है ज़रदुश्त की जन्म भूमि है। जलालाबाद ख़ैबर घाटी के मुहारे के पास सन् १८४० ई० के मुहासिरे (घेरे) के कारण प्रसिद्ध है। क़न्दहार के अनार मशहूर हैं॥

(८) बिलूचिस्तान

बिलूचिस्तान, फ़ारिस, अफ़ग़ानिस्तान और हिन्दुस्तान के बीच में है आबोहवा गर्मी के ऋतु में बहुत गर्म और सरदी की ऋतु में बहुत सर्द रहती है—पश्चिमी भाग स्वाधीन और पूर्वी भाग ख़ान क़िलात के आधीन है क़िरमा का जंगल इसके किनारे पर है॥

ख़ान क़िलात गर्मी की ऋतु में क़िलात में और सरदी की ऋतु में गंडावा में रहते हैं—क़िलात से ७० मील उत्तर बोलन घाटी है और कुछ मील पर उत्तर पश्चिम की तरफ़ क़िता नगर है जो सरकार अंगरेज़ के आधीन है॥

(९) पश्चिमी तुरकिस्तान

पश्चिमी तुरकिस्तान में रूसी तुरकिस्तान—ख़ीवा, बुख़ारा और तुर्कमान्, शामिल हैं—ख़ीवा व तुर्कमान् तो न्यूनाधिक रूसी राज्य हैं—बुख़ारा स्वाधीन राज्य है। इसके मुख्य भाग बुख़ारा और ख़ीवा हैं। बुख़ारा में मुसल्मानों की विद्या का बड़ा प्रचार है। और ख़ीवा का नख़ास मशहूर है॥

(१०) फ़ारिस या ईरान

फ़ारिस में हिन्दूकुश पहाड़ से आरमन पहाड़ तक और कास्पियन सागर के तट से फ़ारिस की खाड़ी के तट तक के देश शामिल हैं—यहां अंगूर और सेब और तरह २ के जंगली फूल अधिकता से होते हैं और सरदी और गर्मी अपनी २ ऋतु में अच्छी होती है। इसके मुख्य भाग आज़रबाइजान,

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

इराक़ अजमी, खुरासान, जीलान् और माज़िन्दरां हैं। इस्फ़हान प्राचीन राजधानी व्योपार की मण्डी है॥

शीराज़ की शराब मशहूर है, और यहां हाफ़िज़ और सादी के मज़ार (क़बर) हैं। रश्द और अस्तराबाद, कास्पियन सागर के पास मशहूर बन्दर हैं। मशहद, यज़्द और तबरेज़ व्योपार की मण्डियां हैं। हमदां, तेहरान से १८० मील है॥

(११) एशियाई रूम

एशियाई रूम प्राय द्वीप कालेसागर—मारमोरा सागर और रूम सागर से घिरा हुआ है—बस्ती बहुत घनी नहीं है—इसके तीन भाग एशिया माइनर-शाम और दजला व फुरात का द्वाबा हैं—जिसमें से हर एक कई विलायतों में विभाजित है जो एक पाशा के आधीन है। सब देश राज्य रूम के आधीन है जिसकी राजधानी कुस्तुनतुनिया है। स्मर्ना एशिया कोचक की राजधानी और व्योपार का शहर है। अंगोरा की बकरियां मशहूर हैं। सेनोब और तर्बेज़न्द बन्दर उत्तर की ओर हैं। यारूशलम ईसाइयों का पवित्र शहर है॥ बेतुल्लहम हज़रत ईसा की जन्म भूमि है और नेज़ेरथ पलने की जगह है। ग़ाज़ा व्योपार का स्थान है। दमिश्क़ रुई और रेशम के कार बार के लिये मशहूर है। हलब, शाम की राजधानी है, यहां का शीशा मशहूर है। बेरोत, और तुराबलेस बन्दर हैं। बालबक्क में सूर्य का मन्दिर मशहूर है। अरमन का बड़ा शहर अर्ज़ रूम है। मोसिल कुर्दिस्तान की राजधानी है। बग़दाद ख़लीफ़ों की राजधानी अभी तक व्योपार का स्थान है। बसरा फ़ारिस की खाड़ी के पास शतुल अरब नदी पर व्योपार का शहर है। वान कुर्दिस्तान में बड़ी मण्डी है॥

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

(१२) अरब

अरब के किनारों पर जो समुद्र के पास हैं सेना और अख़दर पर्वत हैं और बीच में मरुस्थली है जंगली अरब बद्दू कहलाते हैं इनकी दौलत इनके भेड़-बकरी-ऊंट घोड़े हैं यह ख़ेमों में रहते हैं। अरब में दस्तकार बहुत कम हैं—इसके मुख्य भाग हिज्जाज़, उम्मां, हज़रामौत, यमन, अलहिसा, और नज्द हैं। मक्का मुहम्मद साहिब की पैदाइश की जगह और मुसल्मानों का पवित्र शहर है। मदीना में मुहम्मद साहिब की क़बर है। रईद नजद की—सना यमन की और मसक़त उम्मां की राजधानी हैं। मुख़ा का क़हवा मशहूर है। अदन का बन्दर अंगरेज़ों के अधिकार में है। जद्दा और यम्बो लालसागर पर बन्दर हैं॥

१४ द्वीप उनके भाग और मुख्य शहर

(१) जापान

जापान के द्वीप चीन के पूर्व पैसीफ़िक महा सागर में हैं इनका क्षेत्रफल इंगलैण्ड और वेल्स का तिगुना और २४० आदमी एक वर्गात्मक मील में रहते हैं—इनमें बड़े नगर बहुत हैं आबोहवा मातदिल और अच्छी है। यहां के आदमी विद्वान और हुनरमंद और दस्तकार हैं बादशाह को मेकाडू (गुरू) कहते हैं। यहां के क़ानून और दण्ड बहुत कड़े हैं। इसमें कई द्वीप मिले हैं, जिनमें से मुख्य नीफ़ान, क्यूसू, सीकाक और जैसो हैं। टोकायो या यड्डो, नीफ़ान की राजधानी है। मिआको व्योपार की मण्डी है। ओसाका जापान का बड़ा शहर है। नेगासाकी, क्यूसू में मशहूर शहर और बन्दर है, यूकोहामा और ह्यूगो नीफ़ान में नामी बन्दर हैं। मत्समेई जैसो द्वीप में बड़ी व्योपार की मण्डी है॥

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

(२) पूर्बी हिन्दुस्तान के द्वीप

पूर्बी हिन्द के द्वीप को बाग़ात शम्स भी कहते हैं, सुन्दरता उपजाऊ ज़मीन और आबोहवा की उत्तमता में पृथ्वी का कोई नगर इसके सदृश नहीं है—सोना, क़ीमती जवाहिरात, मसाला और सुन्दर गानेवाले पक्षी अधिकता से मिलते हैं—इसके मुख्य भाग तीन हैं प्रथम डचवालों का राज्य-जावा-सुमात्रा का कुछ भाग—बोर्नियो, सेलेबीज़ और मलक्का द्वीप के छोटे २ द्वीप। दूसरे स्पेन वालों का राज्य फ़िलीपैन के द्वीप। तीसरे अंगरेज़ों का राज्य लिबोआन॥ सुमात्रा की राजधानी आचीन है, और बन्कोलिन का बन्दर डच लोगों के आधीन है। बोर्नियो की राजधानी बोर्नियो है। पोन्टानाक डच लोगों के पास है। सरावक के सरजेम्सब्रूक साहिब राजा मुक़र्रर किये गये थे। सेलेबीज़ में मकासर ख़ास शहर डच लोगों के पास है। मलक्का में अम्बायना, लैांग और जायफ़ल के लिये मशहूर है। फ़िलीपैन में मनिल्ला स्पेन वालों की राजधानी है, यहां के चुरट मशहूर हैं॥

(३) सीलोन या लंका

यह द्वीप हिन्दुस्तान के दक्षिण में है और सरकार अंगरेज़ बहादुर के अधिकार में है—यहां के निवासी बौध मत वाले हैं। यहां की आब व हवा अच्छी है। क़हवा—दारचीनी और नारियल अधिकता से होते हैं—बीच का भाग जंगलों से भरा है जहां हाथियों के झुंड घूमा करते हैं। केन्डी—पहले इसकी राजधानी थी। चिंकोमाली दुनियां के बहुत अच्छे बन्दर स्थानों में गिना जाता है। गाली के बन्दर में हिन्दुस्तान, चीन, आस्ट्रेलिया और अदन के जहाज़ आते हैं। जाफ़ना और क्रिंगाल उत्तर की ओर अच्छे शहर हैं॥

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

(४) अन्डमान द्वीप

इसमें पोर्ट ब्लेअर बहुत आबाद शहर है, इस टापु में हिन्दुस्तान से वह मुजरिम (अपराधी) भेजे जाते हैं जिनको जन्म भर के लिये क़ैद की सज़ा मिलती है ॥

१५ एशिया के व्योपार की मुख्य चीज़ें लिखी जाती हैं ॥

रूस में बहुत तरह का सम्बूर होता है ॥

तुर्किस्तान में रेशम, ऊन और चमड़ा ॥

चीन में चाय, रेशम, शकर, हाथीदांत की चीज़ें और चीनी के बरतन ॥

तिब्बत में सोने की रेत, कस्तूरी, ऊनी कपड़े, भेड़ और बकरी का चमड़ा और पहाड़ी नमक ॥

जापान में कपूर लुकदार और चीनी के बरतन और रेशम ॥

पूर्वी हिन्दुस्तान के द्वीप समूह में मसाले, कपूर, जवाहिरात, सुर्मा व आरारोट आदि ॥

हिन्दुस्तान में शकर, नील, अफ़ीम चांवल, रेशम आदि ॥

अफ़ग़ानिस्तन में मेवे, घोड़े और केसर ॥

अरब में क़हवा और घोड़े ॥

प्रायद्वीप चीन हिन्दी में चांवल, मिर्चे, पीपल, साखू, रुई, सोना, चांदी और हाथी दांत ॥

लंका में दारचीनी, नारियल, क़हवा, तम्बाकू और मोती ॥

बिलूचिस्तान में घोड़े, भेड़, बकरी और चमड़ा ॥

ईरान में खजूर, मेवा, घोड़े, क़ालीन, केसर और गुलाब का अरक़ ॥

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

१ हिन्दुस्तान का बयान

हिन्दुस्तान का प्रायद्वीप एशिया के दक्षिण ओर है और दुनियां के सब मुल्कों से (चीन को छोड़ कर) अधिक आबाद है और एशिया के सब राज्यों से सभ्यता (शायस्तगी) में बढ़ा हुआ है ॥

इस में महाद्वीप की सब प्राकृतिक बातें पाई जाती हैं। तराई के जंगल और दलदल थर का रेगिस्तान बंगाले की उपजाऊ पृथ्वी—कच्छ का लोणा रन—पश्चिमी घाट के चौरस और सुन्दर मैदान—करनाटक की नीची ज़मीन से लेकर हिमालया पहाड़ की सदा बर्फ़ से ढकी हुई चोटी तक इसमें मौजूद हैं ॥

२ सीमा

उत्तर में हिमालय पहाड़, पूर्व में आसाम के पहाड़, दक्षिण में हिन्दुस्तान का महासागर, पश्चिम में सुलेमान और हाला पहाड़ हैं। शकल इस की त्रिभुज कोसी है जिसका आधार हिमालय पहाड़ और शीर्ष कुमारी अन्तरीप है। चौड़ाई अनुमान से १६ सौ मील और लम्बाई भी लगभग उतनी ही है। क्षेत्रफल १६ लाख वर्ग मील और आबादी २५$\frac{1}{2}$ करोड़ है। और हिन्दुस्तान के समुद्र के किनारे की लम्बाई ३६ सौ मील है ॥

पूर्वी किनारा पाक मुहाना से कृष्णा नदी के मुहाने तक कारोमण्डिल का किनारा—और कृष्णा के मुहाने से गोदावरी के मुहाने तक गोलकण्डा का किनारा, और उस से ऊपर उड़ीसा का किनारा कहलाता है—और दक्षिणी पश्चिमी किनारे को मलाबार का किनारा कहते हैं ॥

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

३ आबोहवा

हिन्दुस्तान की आबोहवा गर्म है लेकिन पहाड़ी देशों से जैसे नैनीताल और कश्मीर में बहुत सरदी पड़ती है यहां दो मौसमी हवा दक्षिण पश्चिम और उत्तर पूर्व से चला करती हैं पहली अपरैल से सितम्बर तक दूसरी अकटूबर से मार्च तक। तीन ऋतु गर्मी, बरसात और जाड़ा होती हैं॥

४ पैदावारी

हिन्दस्तान की पैदावारी बहुत तरह की हैं। बनस्पति-मुख्य पैदावारी चावल, गेहूं, चना आदि रुई, नील, अफ़ीम सन, पटसन, चाह, ऊख और लकड़ी हैं। चावल बङ्गाल, बिहार और समुद्र के किनारे पर बहुत होता है—गेहूं पश्चिमी व उत्तरी पंजाब में—जौ और बाजरा नीलगिरी पहाड़ पर—रुई बंगाल अहाता, अराकान और पीगू में बहुत होती है—नील बंगाल, बिहार और हिमालया और गंगा के बीच के देशों में बोया जाता है अफ़ीम बंगाल, बनारस और मालवा में बहुत पैदा होती है—सन व पटसन सतलज व वेयास नदी के किनारे मैसोर और २ ज़िलों में होता है—चाह आसाम कमाऊं, अलमोड़ा और शिमला में-क़हवा सी-लोन और वेनाद में—ऊख तमाम हिन्दुस्तान में। इलायची व काली मिर्च मलावार के किनारे बहुत होती हैं—तमाकू, सरसों व तिल आदि लगभग सब ज़िलों में होती हैं॥ साखू तुंद, शीशम और चंदन आदि जंगलों में बहुत पाए जाते हैं॥ अनार, आम, नारंगी, अमरूद, शरीफ़ा, केला, सेब, नास-पाती आदि फलफलेरी बगीचों और जंगलों में होते हैं॥ दूसरे मुलकों की चीज़ें गोबी, आलू, लीची व लोकाट आदि भी यहां बोए जाते हैं॥

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

धातु—हिन्दुस्तान हीरे के लिये प्रसिद्ध है कोहनूर हीरा जो अब मलका क़ैसर हिन्द के ताज में लगा हुआ है गोदावरी के किनारे मिला था। सम्भलपूर, बुन्देलखंड और कोलेर झील के पास हीरा निकलता है नीलम इन दिनों महाराजा जम्बू के अमलदारी में निकलता है। चांदी मुरशिदाबाद के पश्चिम जंगलों में और सोना पंजाब, मलाबार के किनारे और वेनाद में और २ नदियों के रेत से भी निकलता है॥ लोहा, कोयला जबलपूर, बेपुर और रानीगंज में। संगमरमर जोधपुर में। पत्थर का लोन जिसको लाहौरी नूमक कहते हैं लाहौर में पाया जाता है यहां तांबा, सीसा, गंधक हरताल आदि के भी खान हैं॥

जीवजन्तु—भेड़, बकरी, ऊंट, घोड़े, बैल आदि पालू जानवर हैं। जंगलों में शेर, तेंदुये, रीछ, हाथी आदि तरह २ के बंदर—चिड़ियां और हज़ारों क़िस्म के कीड़े होते हैं॥

५ निवासी

निवासी—हिन्दुस्तान के असली निवासी तो भेल, कोल, गोंड, खांड आदि जंगली क़ौमें जो अब पहाड़ और जंगलों में बसते हैं ख़ेयाल किये जाते हैं। विन्ध्याचल के उत्तर के रहने वाले आर्य और दक्षिणी भाग के निवासी द्रावड़ी कहलाते हैं। मुसलमान, पारसी जो अनेक वक़्तों में यहां आये उनकी नस्ल भी मौजूद है॥ हिंन्दुस्तान में लगभग तीस तरह की बोलियां बोली जाती हैं जिसमें से बहुत सी संस्कृत से निकली हैं॥

यहां के मत—ब्राह्मणी—बौध—मुसलमानी और ईसाई हैं। पारसी आग के पूजने वाले हैं॥ हिन्दुस्तानी, रहमदिल—धर्मात्मा और बहादुर होते हैं—बंगाली नाटे,

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

चतुर, अक़लमंद और डरपोक होते हैं ॥ उत्तर के निवासी बहादुरी के लिये प्रसिद्ध हैं । तामिल मेहनती और बड़े हौसलेवाले होते हैं । हिन्दुस्तान और हिन्दुस्तानियों की फूट मशहूर है ॥

६ विद्या व व्योपार

विद्या व व्योपार—हिन्दुस्तान के दो तिहाई निवासी खेती करते हैं जो सींचने के काम में बड़े होशियार हैं परंतु पांस की नई ईजाद उसकी भलाइयां और उसको काम में लाना नहीं जानते हैं । यहां दस्तकारी की बहुत उन्नती थी और यूरप के कलों के जारी होने से इसमें ज़वाल आगया है तौभी ढाका की मलमल कशमीर के शाल दुशाले, बनारस के बरतन अब तक मशहूर हैं । ३१ मार्च सन् १८८६ ई० तक यानी सन् १८८५ व ८६ में जितना असबाब सौदागरी का हिंदुस्तान में आया उसके मोल का अनुमान २५ क्रोड़ रूपया के लगभग था और उसी साल में यहां से जितना माल दूसरे मुल्कों को रवाने हुआ उसकी मालियत ८१ क्रोड़ के लग भग थी ॥

(७) मुहाने समुद्र और खाड़ी

पूर्व की ओर

बंगाले की खाड़ी हिंदुस्तान और ब्रह्मा के बीच में है ॥

दक्षिण की ओर

मनार की खाड़ी और पाक मुहाना सरनद्वीप और हिन्दुस्तान के बीच में है ॥

पश्चिम की ओर

कच्छ की खाड़ी गुजरात के पश्चिम में और खम्बात की खाड़ी गुजरात के दक्षिण में है ॥

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

(८) झील

मानसरोवर-हिमालय में, डल और उलर कशमीर में, चिलका उड़ीसा में, कोलेर उत्तरी सरकार में, रनकच्छ, कच्छ प्रायद्वीप के उत्तर में और सांभर राजपूताना में हैं ॥

(९) नदी

उत्तर की ओर

गङ्गा—हिमालय के दक्षिण गंगोत्री से निकल कर बंगाले की खाड़ी में गिरती है और जमना, (चंबल, सिंध और बेतवा इसकी सहायक नदियां हैं) रामगङ्गा, गोमती, कर्मनाशा, घाघरा, सोन, गण्डक, बागमती, और कोसी ये सब गङ्गा की सहायक नदियां हैं, और भागीरथी झेलंगी (यह दोनों मिलकर हुगली कहलाती हैं) इच्छामती और मतभंगा इसकी शाखा हैं ॥

पूर्व की ओर

ब्रह्मपुत्र—हिमालय के उत्तर से निकलती है और गङ्गा से मिलकर बंगाले की खाड़ी में गिरती है (मेगना-गङ्गा और ब्रह्मपुत्र की मिली हुई धार को कहते हैं) ॥

दक्षिण की ओर

महानदी, गोदावरी, कृष्णा, और कावेरी, बंगाले की खाड़ी में और नरमदा और ताप्ती खम्बात की खाड़ी में गिरती है ॥ उत्तरी पन्नेर और दक्षिणी पन्नेर मैसोर के पहाड़ों से निकल कर बंगाले की खाड़ी में गिरती है ॥

पश्चिम की ओर

सिन्धु हिमालय के उत्तर से निकल कर अरब के समुद्र में गिरती है, झेलम, रावी, चनाब, सतलज और ब्यास इसकी सहायक नदी हैं ॥ लूनी—अरावली से निकल कर

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

रनकच्छ में और माही और साबरमती अरावली से निकल कर खम्बात की खाड़ी में गिरती हैं ॥

इनमें बड़ी नदियां जिन २ शहरों में होकर बहती हैं और उनकी लम्बाई आदि एशिया के नदियों के बयान में देखो ॥

(अ) नहरें—हिन्दुस्तान में नहरें बहुत हैं—पंजाब में नहर बारी द्वाब—नहर पश्चिमी जमना—नहर सर हिंद—नहर स्वात नदी-नहर सतलज नदी-नहर सिंध व नहर मुज़फ़्फ़रगढ़ आदि हैं। पश्चिमोत्तर व अवध देश में नहरगंगा-नहर पूर्वी जमुना नहर आगरा—नहर बेतवा—नहर रुहेलखंड व बिजनौर—नहर कानपुर व नहर सारदा आदि हैं॥

१० पहाड़

उत्तर की ओर

हिमालय-दुनिया के सब पहाड़ों से ऊंचा है, इसकी सब से ऊंची चोटी एवरिस्ट २९००२ फ़ीट ऊंची है ॥

पूर्व की ओर

कोसिया और गारू की पहाड़ियां आसाम में हैं ॥

पूर्वी घाट-पूर्वी किनारे के समानान्तर है ॥

दक्षिण की ओर

नीलगिरी पूर्वी और पश्चिमी घाटों के बीच में है ॥

पश्चिम की ओर

पश्चिमी घाट या सहयाद्री (इसके दक्षिणी भाग को मलयागिर कहते हैं) हाला पहाड़, सुलेमान पहाड़ और सुफ़ेद पहाड़ हैं ॥

मध्य में

बिन्ध्याचल (जिसकी ऊंची चोटी जाम घाट है) और सतपुड़ा या अङ्गाद्री हैं ॥

११ द्वीप

सरनद्वीप, रामेश्वरम, इन्दमान, निकोबार, सागर, हटि॰

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

या सोन द्वीप, शहबाज़पुर, मालद्वीप, लकद्वीप, एलीफ़ेण्टा, ड्यू और सालसट हैं॥

१२ प्राय द्वीप

काठियावाड़, खम्बात और कच्छ की खाड़ी के बीच, और कच्छ सिन्ध के दक्षिण में है॥

१३ अन्तरीप

पालमेरास, कटक के दक्षिण में, कालीमीर, कावेरी के मुहाने पर, मुञ्ज, सिन्ध में, जगत पाइंट और ड्यू गुजरात में और कन्याकुमारी हिन्दुस्तान के दक्षिण में हैं॥

१४—रेल का बयान

*ईस्ट इण्डिया रेलवे-हौड़ा से दिल्ली तक जारी है। इसके बड़े २ स्टेशन और वह जगह भी जहां दूसरी रेल की सड़कों का मेल होता है नीचे लिखे जाते हैं॥ हौड़ा, श्रीरामपुर, चन्द्रनगर, हुगली, बर्दवान, कानू (यहां से मुक़ामा तक लूप लैन है-इसके बड़े २ स्टेशन, रामपुरहाट, नलहट्टी (यहां से नलहट्टी स्टेट रेलवे आज़मगंज तक है) तीन पहाड़ (यहां से राजमहल को एक लैन गई है) साहिबगंज, जमालपुर (यहां से मुंगेर तक एक़ लैन गई है) और मुक़ामा है)—रानीगंज, सीतारामपुर (यहां से बराकर को एक लैन गई है) मधूपुर (यहां से गोडी को एक लैन है) वैद्यनाथ या बैजनाथ (देवगढ़ रेलवे की शाखा यहां से शुरू होती है) लखीसराय, मुक़ामा (यहां से एक शाखा मुक़ामा घाट तक गई है और उस पार तिरहुत स्टेट रेलवे शुरू होती है जिसकी एक शाखा समस्तीपुर से दरभंगा और सिंघपुर

---

* पूर्बी हिन्दुस्तान।

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

तक और दूसरी मुज़फ़्फ़रपूर से हाजीपूर तक है) पटना, वांकीपूर (यहां से पटना गया स्टेट रेलवे शुरू होती है और एक शाखा दीघा घाट को गई है जिसके उस पार सोनपूर से बंगाल नार्थ वेस्ट रेलवे छपरा, गोरखपूर, बस्ती, मन्कापूर, (यहां से एक शाखा अयोध्या को है) गोंडा होती हुई बहराइच तक गई है) दानापूर, बक्सर, दिलदारनगर (यहां से तारी घाट को एक शाखा गई है) मुग़लसराय (यहां से अवध रुहेलखंड रेलवे शुरू होती है) मिरज़ापूर, नैनी (यहां से सतना * मानिकपूर होती हुई जबलपूर तक एक शाखा गई है) इलाहाबाद या प्रयाग, फ़तेपूर हंसुआ, कानपूर (यहां एक शाखा अवध रुहेलखंड रेलवे की जो लखनऊ से आती है मिल गई है और (२) यहां से एक शाखा बिठूर को जारी है और (३) कानपूर व कालपी रेलवे भी झांसी तक जारी है और (४) कानपूर अचनेरा स्टेट रेलवे जारी है (इसके बड़े २ स्टेशन फ़र्रुख़ाबाद, कासगंज (यहां से सोरों को एक शाखा गई है) हाथरस और मथुरा हैं) इटावा, टूंडला (यहां से एक शाखा आगरे को गई है जहां से सेंधिया स्टेट रेलवे धौलपुर होकर ग्वालियर तक गई है) हाथरस, अलीगढ़ (यहां अवध रुहेलखंड रेलवे की एक शाखा जो चन्दौसी से आती है मिली है) चोला, ग़ाज़ियाबाद (यहां नार्थ वेस्ट रेलवे मिली है) और दिल्ली (यहां से राजपूताना मालवा रेलवे रेवाड़ी होती हुई अहमदाबाद तक गई है) ॥

(२) † ईस्टर्न बङ्गाल रेलवे—कलकत्ता से गोलंडो तक है इसके मुख्य स्टेशन—कलकत्ता (यहां से कोनियां तक ईस्टर्न

* इस स्टेशन से चित्रकोट और करवी को रास्ता है ॥

† पूर्वी

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

बंगाल स्टेट रेलवे जारी है) दमदम (यहां से बंगाल सेन्ट्रेल रेलवे खुलना तक गई है) बारकपूर, रानाघाट (यहां से बोंगांग तक एक शाखा है) बुगूला यहां से किशनाघर रेलवे शुरू होती है) किशनगंज, रामनगर, पुरादा (यहां से दामुकदिया को एक लेन जाती है) और गोलंडो हैं ॥

(३) * नार्दर्न बंगाल स्टेट रेलवे—दामुकदिया से सिलीगोड़ी तक हैं—मुख्य स्टेशन साराघाट, नाटोर, पारवतीपुर (यहां से कोनियां तक एक रेलवे जाती है और दूसरी दीनाजपुर तक) सईदपूर, जलपाईगोड़ी, और सिलीगोड़ी हैं (यहां से दारजिलिंग हिमालया रेलवे शुरू होती है) ॥

(४) सौथ ईस्ट बंगाल रेलवे—कलकत्ता से डायमंड हारबर तक है और इसके एक स्टेशन सुनारपूर से पोर्टकेनिंग तक एक शाखा है ॥

(५) अवध रुहेलखंड रेलवे—मुग़लसराय से सहारनपूर तक जारी है। मुख्य स्टेशन—मुग़लसराय, बनारस, जौनपुर, फ़ैज़ाबाद (यहां पर एक लेन मनकापूर से आकर मिल गई है) अयोध्या, बारहबंकी (यहां से एक शाखा बहराम घाट को गई है) लखनऊ (यहां से कानपूर को एक शाखा गई है और एक लेन सीतापूर को गई है) शाहजहानपूर, बरैली (यहां से रुहेलखण्ड कमायूं रेलवे नैनीताल को काठ गुदाम तक गई है और इसकी एक शाखा बरैली से पीलीभीत तक गई है) चंदौसी यहां से अलीगढ़ को एक शाखा गई है) मुरादाबाद, नजीबाबाद, लखसार (यहां से १ शाखा हरद्वार को गई है) और सहारनपूर है ॥

(६) राजपूताना मालवा स्टेट रेलवे—दिल्ली से अहमदाबाद

* उत्तरी

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

तक है—मुख्य स्टेशन—गुड़गावां, गढ़ी हरसढ़ (यहां से एक शाखा फ़र्रुख़नगर को गई है) रेवाड़ी (यहां से एक शाखा फ़ीरोज़पुर को गई है) अलवर, बांदीकुई (यहां से एक लैन आगरे को गई है) जैपुर, फलैरा (यहां से एक शाखा सांभर झील को गई है) अजमेर यहां से एक शाखा नसीराबाद, नीमच, इन्दौर, रतलाम, फतेहाबाद * होती हुई खंडवा पर ग्रेट इण्डियन पेनिनसुला रेलवे से मिल गई है) और बिठूरा हैं, यहां से जोधपूर रेलवे शुरू होती है॥

(७) नार्थ वेस्ट रेलवे—दिल्ली से लाहौर व मुलतान होती हुई क्रांची तक गई है—इसके मुख्य स्टेशन मीरठ, मुज़फ़्फ़र-नगर, सहारनपूर, अंबाला, राजपुरा (यहां से एक शाखा प-टयाले को गई है) अमृतसर (यहां से पठानकोट को एक शाखा गई है) लाहौर (यहां से पंजाब नार्दर्न रेलवे शुरू होती है मुख्य स्टेशन गुजरानवाला, वज़ीराबाद, जहां से स्यालकोट को एक शाखा गई है, रावलपिण्डी, जहां से एक शाखा खु-शहालगढ़ को गई है, लाला मूसा यहां से भीड़ा को एक शा-खा गई है और पेशावर हैं) रायबंद (यहां से एक शाखा फ़ीरोज़पूर में जा मिली है) मुलतान, मुज़फ़्फ़राबाद (यहां से रामूवाला तक एक शाखा गई है और इण्डस वेली स्टेट रेलवे कोटरी को गई है) रुक (यहां से क़न्धार स्टेट रेलवे रिण्डली को गई है) और क्रांची हैं॥

(८) † ग्रेट ‡ इन्डियन § पेनिनसुला रेलवे—जबलपुर से बम्बई तक है इसके मुख्य स्टेशन सुहागपूर, अटारसी (यहां भूपाल स्टेट रेलवे मिली है) खंडवा (यहां राजपूताना

---

* यहां से एक शाखा उज्जैन को गई है॥

† बड़ा ‡ हिन्दुस्तानी § प्रायद्वीप।

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

मालवा रेलवे मिली है) भुसावल (यहां से एक शाखा जालम से ख़ाम गांव तक और दूसरी बदनेरा से अमरावती तक और तीसरी वरदा होती हुई नागपुर को गई है और वरदा से वरदा कोल स्टेट रेलवे हींगन घाट होती हुई वरोरा को गई है और नागपुर से नागपुर छत्तीस गढ़ रेलवे शुरू होती है जिसके एक स्टेशन दुहाली से एक शाखा तमसार और अमगांव होती हुई राज नन्दगांव को गई है) नन्दगांव, मनमाड़ (यहां घुन्ध मनमाड़ रेलवे मिली है) कलयान (यहां से एक लेन कड़ाजात को गई है-मुख्य स्टेशन् कड़ाजात जहां से एक शाखा कम्पोली को गई है—पूना, घुन्ध, शोलापुर, हडजी जहां दक्षिणी मरेहठा रेलवे जिसकी पूरबी शाखा गडक तक और दक्षिणी गडक से बलारी व धारवार तक है मिली है, वादी जहां निज़ाम स्टेट रेलवे मिली है और रायचूर हैं और यहां मदरास रेलवे मिलती है) थाना, बम्बई (यहां से बम्बई बड़ोदा सेंट्रेल रेलवे बदवान तक जारी है और अहमदाबाद में राजपूताना मालवा स्टेट रेलवें से मिली है) ॥

(९) निज़ाम स्टेट * रेलवे—वादी से हैदराबाद होती हुई सिकन्दराबाद तक गई है ॥

(१०) मदरास रेलवे—इसकी पहिली दक्षिणी व पश्चिमी लेन मदरास से बेपुर तक है जिसकी एक शाखा जलारपट से बङ्गलोर को गई है—बङ्गलोर से मैसोर स्टेट रेलवे शुरू होती है—जिसकी एक शाखा गबी तक गई है—एरोद पर सौथ इन्डिया रेलवे मिली है और पोथानूर से एक शाखा नीलगिरी को गई है दूसरी उत्तरी व पश्चिमी लेन मदरास से

* राज।

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

रायचूर तक है-यहां ग्रेट इन्डियन पेनिनसुला रेलवे मिली है और एक शाखा गोंडाकल से बिलारी को गई है। मदरास की दोनों लैन आरकोनम पर मिलती हैं ॥

(११) * सौथ इन्डिया रेलवे—मदरास से तूतीकोरन तक है मुख्य स्टेशन मदरास, चंगलपट (यहां से एक शाखा काञ्जीवरम होती हुई आरकोनम पर मदरास रेलवे से मिल गई है) वेलूपुरम (यहां से एक शाखा पाण्डीचेरी को गई है) तञ्जौर (यहां से एक शाखा नेगापटन को गई है) ट्रिचनापली (यहां से एरोद को एक शाखा गई है और वहां दक्षिणी व पश्चिमी मदरास रेलवे से मिल गई है) मदुरा, मेनाची (यहां से एक शाखा टनावली को गई है) और तूतीकोरन है ॥

(१२) बम्बई बड़ोदा सेंट्रेल इण्डिया रेलवे—बम्बई से अहमदाबाद तक है मुख्य स्टेशन बम्बई, सूरत, मियांगांव (यहां से गायकवाड़ रेलवे शुरू होती है) अनन्द (यहां से गोधड़ा तक एक शाखा है) और अहमदाबाद हैं (यहां राजपूताना मालवा रेलवे मिली है और यहां से एक शाखा वदवान तक है और भाऊनगर गोण्डाल रेलवे भी शुरू होती है जिसके एक स्टेशन धौला से धौराजी को एक शाखा गई है॥

१५ स्वभाविक भाग

हिन्दुस्तान के स्वभाविक तीन भाग हैं

(१) उत्तरी हिन्दुस्तान या उत्तरा खण्ड जो हिमालय के पास है ॥

(२) मुख्य हिन्दुस्तान जो हिमालय और बिन्ध्याचल के बीच में है ॥

---

* दक्षिण ॥

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

(३) दक्खिन जो विन्ध्याचल पहाड़ के दक्षिण में है॥

१६ देश बिभाग

देश बिभाग के अनुसार हिन्दुस्तान के चार भाग हैं जिनका हाल आगे बयान किया जायगा॥

(१) ब्रिटिश इन्डिया या सर्कार अंगरेज़ी का राज्य॥
(२) रक्षित देश जो सर्कार अंगरेज़ी को कर देते हैं॥
(३) स्वाधीन राज्य॥
(४) अन्य देशीय राज्य॥

१७ पहले—ब्रिटिश इन्डिया का बयान

ब्रिटिश इन्डिया में *प्रेसीडेन्सी बङ्गाल—मदरास—बम्बई और मुल्क जो † सुप्रीम गवर्नमेंट के हुक्म में हैं शामिल हैं—प्रेसीडेन्सी मदरास और बम्बई यह देश श्रीयुत नव्वाब गवर्नर बहादुर के आधीन है॥

प्रेसीडेन्सी बङ्गाल तीन भागों में बटा है :—

१ बङ्गाल २ पश्चिमोत्तर व अवध देश और ३ पञ्जाब हैं और ये भाग लोकेल गवर्नमेंट यानी लेफ़टिनेन्ट गवर्नर बहादुर के आधीन हैं॥

वह देश जो सुप्रीम गवर्नमेंट के आधीन हैं वहां कमिश्नर या सुप्रिन्टेन्डेंट या एजंट रहते हैं उनका नियत होना श्रीयुत गवर्नर जनरल के इजलास से होता है जिनका अधिकार तमाम इन्डिया और इन्डिमान—नोकोबार—सिंघापूर—पीनांगद्वीप समूह पर है॥

कुल सरकारी राज्य १२ भागों में बटा है॥

---

* अहाता † गवर्नर जनरल से मुराद है।

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

१८ बारहों सूबों की आबादी व क्षेत्रफल:—

नम्बर	नाम सूबा	आबादी सन् १८८१ ई० के बमूजिब	क्षेत्रफल	कमिश्नरी	ज़िला
	लेफ़्टिनेंट गवर्नर के आधीन				
१	बंगाल	६,६६,९१,४५६	१,६३,९०२	९	५२
२	पश्चिमोत्तर व अवध देश..	४,४१,०७,८६९	१,०६,१०४	११	४९
३	पञ्जाब	१,८८,५०,४३७	१,०७,९८९	६	३१
	गवर्नर के आधीन				
४	बंबई	१,६४,५४,४१४	१,२४,१२२	४	२३
५	मदरास ..	३,११,७०,६३१	१,३९,६९८	०	२२
	चीफ़ कमिश्नर के आधीन				
६	ब्रिटिश ब्रह्मा..	३७,३६,७७१	८७,२२०	३	१९
७	आसाम ..	४८,८१,४२६	४६,३४१	१	११
८	मध्य हिन्द ..	९८,३८,७९१	८४,४४५	४	१८
९	अन्दमान व नोकोबार द्वीप..	३०,०००	३,२८५	०	२
१०	अजमेर ..	४,६०,७२२	२,७१०	०	२
११	बरार	२६,७२,६७३	१७,७११	२	६
१२	कुर्ग	१,७८,३०२	१,५८३	०	१

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

१६ गवर्नमेंट बङ्गाल का बयान

(१) सीमा

उत्तर में नैपाल, शिक्कम, भोटान—पूर्व में आसाम—दक्षिण में बङ्गाले का उपसागर और मदरास अहाता—और पश्चिम में मध्य हिन्द का प्रदेश, राज रीवां और पश्चिमोत्तर देश के ज़िले हैं ॥

(२) नाम क़िस्मत और ज़िलों के

लफ़्टन्टी बङ्गाल में सूबे उड़ीसा, छोटा नागपूर बङ्गाल और बिहार शामिल हैं। इस में नौ क़िस्मत और बावन ज़िले हैं इसकी राजधानी कलकत्ता है ॥

(१) क़िस्मत बरदवान

बरदवान, बांकोड़ा, बीरभूम, मेदनापूर, हुगली और होड़ा ॥

(२) क़िस्मत प्रेज़िडेन्सी

कलकत्ता, खोलना, चौबीस परगना, नदिया, जेसोर और मुरशिदाबाद ॥

(३) क़िस्मत राजशाही व कूचबिहार

दीनाजपूर, राजशाही, रंगपूर, बुगरा, पबना, दारजिलिंग, जलपाईगोड़ी, कूचबिहार ॥

(४) क़िस्मत ढाका

ढाका, फ़रीदपूर, बाक़रगंज और मैमनसिंह ॥

(५) क़िस्मत चटगांव

चटगांव नावाखोली, प्रदेश चटगांव पहाड़ी, टिपरा, प्रदेश टिपरा पहाड़ी ॥

(६) क़िस्मत पटना

पटना, गया, शाहाबाद, दरभंगा, मुज़फ़्फ़रपूर, सारन और चम्पारन ॥

(७) क़िस्मत भागलपुर

मुंगेर, भागलपूर, पूरनिया, मालदा और सन्थाल परगना ॥

(८) क़िस्मत उड़ीसा

कटक, पुरी या जगन्नाथ बालाशोर, अंगोल, बांकी और बाज गुज़ारमुहाल ॥

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

(६) क़िस्मत छोटा नागपुर हज़ारी बाग़, लुहारडिग्गा सिंहभूमि, मानभूमि और बाजगुज़ार मुहाल ॥

(३) मशहूर शहरों का बयान

बरदवान—बड़ा रौनक़दार शहर है और यहां महाराज बरदवान रहते हैं। कलना और कटवा व्योपार की जगह हैं॥ रानीगंज में कोयले की खान है॥

बांकुड़ा—में रेशमी और टसरी थान अच्छे होते हैं॥

बैजनाथ-(ज़िला बीरभूमि) में महादेव जी का प्रसिद्ध मन्दिर है॥

कलकत्ता—हुगली नदी पर हिन्दुस्तान की राजधानी है, यह बहुत बड़ी सौदागरी की जगह और बहुत आबाद शहर है इसमें फ़ोर्ट विलियम नामी क़िला है, मटिया बुर्ज में वाजिद अली शाह रहते थे। अलीपुर, जो फ़ोर्ट विलियम से चार मील पर है लेफ़्टनेन्ट गवर्नर बङ्गाल के रहने की जगह है, दमदम और बारकपुर पलटनों के रहने की जगह हैं। हावड़े में जो कलकत्ते के पास है ईस्ट इण्डिया रेलवे का बड़ा कारख़ाना है॥

नदिया—भागीरथी नदी पर है, यहां का न्याय शास्त्र प्रसिद्ध है। सान्तीपुर में सूती कपड़ा अच्छा होता है। किशन नगर झिलंगी नदी पर प्रसिद्ध जगह है। पलासी में सिराज-उद्दौला ने क्लाइव से शिकस्त खाई थी॥

मुरशिदाबाद—भागीरथी नदी पर नवाब नाज़िम बङ्गाला का सदर था और बहरामपुर में कचहरियां हैं॥

दारजिलिंग—में बङ्गाले के हाकिम हवा खाने जाते हैं॥

ढाका—की मलमल और चिकन प्रसिद्ध है॥

चटगांव—बहुत अच्छा बन्दर है और यहां से लकड़ी और चांवल बाहर को भेजा जाता है॥

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

मालदा—रेशमी कपड़ा और आम के लिये प्रसिद्ध है॥

भागलपूर में रेशमी और टसरी कपड़ा अच्छा होता है॥

मुंगेर—की छुरी और पिसतौल प्रसिद्ध हैं। जमालपुर ईस्ट इण्डिया रेलवे का सदर मुक़ाम है॥

राज महल—बङ्गाले के नवाबों की राजधानी थी॥

गया—फलगू नदी पर हिन्दुओं के तीर्थ का स्थान है॥

पटना—या अज़ीमाबाद, गंगा के किनारे बहुत बड़ा शहर है और पहले बिहार की राजधानी थी। बांकीपुर में सरकारी कचहरियां हैं। दानापूर की छावनी प्रसिद्ध है॥

शाहाबाद—के ज़िले में आरा प्रसिद्ध जगह है। बकसर में अन्न की बड़ी मण्डी है। और सहसराम में शेरशाह का मक़बरा है॥

मुज़फ़्फ़रपूर—के ज़िले में सोनपूर है यहां कातिक की पुरनमाशी को हरिहर क्षेत्र का मेला बहुत अच्छा होता है॥

बालासोर—में फूल के बरतन बहुत अच्छे होते हैं। कनारक में सूर्य का बहुत बड़ा मन्दिर है॥

कटक—उड़ीसा के सब शहरों से बड़ा है। जगन्नाथ या पुरी हिन्दुओं के तीर्थ की जगह है॥

हज़ारीबाग़—यहां की आब व हवा अच्छी है॥

२० पश्चिमोत्तर व अवध देश का बयान

(१) सीमा व संक्षेप बयान स्वभाविक कैफ़ियतों का॥

पश्चिमोत्तर व अवध देश में सब मुल्क जिसको तास गंगा व जमुना नदियों को कहते हैं शामिल है और यह कहना भी अनुचित न होगा कि पश्चिमोत्तर व अवध देश

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

बएतबार तारीफ़ तास गंगा व जमुना नदियों का तास है॥

इनकी उत्तरी सीमा तिब्बत है उत्तर और पूर्व में स्वाधीन राज्य नैपाल का है। यह ज़िले दक्षिण व पूर्व में चम्पारन, सारन और शाहाबाद से और दक्षिण में हज़ारीबाग़ छोटा नागपुर, रीवां, बुन्धेलखंड औ ज़िले सागर से घिरे हैं। इनकी पश्चिमी सीमा ग्वालियर, का राज्य धौलपुर, भरथपुर, गुरगावां दिल्ली, करनाल और अंबाला और रियासत सरमौर और जब्बाल हैं। जमुना नदी पञ्जाब और इन ज़िलों को अलग करती है। पश्चिमोत्तर व अवध देश में वह ज़िले शामिल हैं जहां गेहूं बहुत पैदा होता है। हिन्दुस्तानी इतिहासों के बड़े प्रसिद्ध नगर बहुत हैं और व्यौपारिक शहरों के चारों ओर खेतों से हरे भरे गांव नज़र आते हैं पहाड़ी ज़िलों में जो उत्तर और पश्चिम में हैं हिमाल्या पर्वत के बड़े ज़िले शामिल हैं जिस्के बर्फ़ से ढंकी हुई चोटियों से गंगा और जमुना निकलती हैं गंगा के किनारों पर बहुत मन्दिर बने हुए हैं जहां सैकड़ों जाची इसके पवित्र उतपतन स्थान पर दर्शन के लिये जाया करते हैं ज़िले तराई कमाऊं के पहाड़ियों के नीचे हैं। इन वबाइ (नाशक) ज़िलों में ऐसे घने जंगल हैं जिन्में सवार अच्छी तरह छिप सक्ता है। नाशक (वबाई) हवा केवल जाड़े और बरसात ही में कम रहती है॥

मुख्य नदियां—गंगा, जमुना, घाघरा, गोमती, और राम गंगा हैं। गंगा गढ़वाल से निकल कर दक्षिण और पूर्व की ओर इन ज़िले में बहती है बलिया के पास घाघरा से मिलती है और इस जगह से गंगा बंगाल के ज़िलों में पहुंचती है इस्की सहायक नदियां, मालन, बरगंगा, महावा, सोत,

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

कालीनदी, रामगंगा, कल्याना, अखान, पांडू, जमुना, टोंस जरगू, बरना, गोमती, गंगे, बासु, सरजू या घाघरा हैं। नहर गंगा की एक शाखा तो हरद्वार से और दूसरी नरोरा से निकाली है जो बुलन्द शहर के ज़िले में है—जमुना भी गढ़वाल से निकली है और गंगा के समानान्तर इटावे तक बहती चली आती है यहां से यह गंगा के निकट होती जाती है और इलाहाबाद में पहुंच कर गंगा से मिल जाती है—इस्की मुख्य सहायक नदियां मसकरा, काथा, हंडान सतर, करवान, उटंगन, चम्बल, सिन्द, नान, संगार, नोन रिन्द, ससुरखदेरी, बेतवा और केन हैं—घाघरा की सहायक नदियां सहेली, सरजू, चौका, घाग्रर, मेचूरा और रापती हैं। गोमती पीलीभीत के पास से निकल कर सैदपुर के पास गंगा में मिलती है इसकी सहायक नदियां कतन्हा, सरायन, साई और नन्द हैं। रामगंगा दूदूटूसी से निकल कर कन्नौज के निकट गंगा से आ मिली है॥

झील—कमाऊं में नैनीताल—भीमताल—नानकोंचियाताल—मालवाताल—सतताल—घरपाताल आदि हैं॥

(नहर)—मुख्य नहरें—नहरगंगा—पूर्बी नहर जमुना, नहर आगरा—नहर कानपुर—नहर रुहेलखंड—दून और नहर बिजनौर और नहर बेतवा हैं नहर गंग की लागत सन् १८८६ ई० के अंत तक साढ़े पांच करोड़ से ज़ियादा थी नहर आगरा में नवासी लाख रु० के लगभग खर्च हुआ था पूर्बी जमुना की नहर में एकतीस लाख और नहर बेतवा में साढ़े अ-ड़तीस लाख से ज़ियादा॥

(आबादी और पेशा) सन् १८८१ ई० की मरदुम शुमारी में इन ज़िलों के पेशा वालों के ६ भाग किये गयेथे पहिले में सरकारी

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

नौकरी करने वाले थे जिन की संख्या तीन लाख उन्नासी हज़ार थी। दूसरे में वह लोग थे जिनके पास मकान और सराय आदि हैं इनकी संख्या एक लाख सात हज़ार थी। तीसरे में सौदागर महाजन आदि हैं इनकी संख्या तीस लाख बयासी हज़ार से अधिक थी। चौथे में खेती के काम करने वाले जैसे बाग़बान आदि हैं इन की संख्या एक करोड़ अट्ठावन लाख से अधिक थी। पांचवें हिस्से में मिहनती पेशा॰ वर अर्थात् कारीगर हैं जिनकी संख्या चौबीस लाख से अधिक थी और छठे हिस्से में लड़के और वह मनुष्य हैं जिन का कोई ख़ास रोज़गार नहीं और यह संख्या में साढ़े चौ॰ दह लाख से अधिक थे॥

(खेती) कुल क्षेत्रफल पश्चिमोत्तर व अवध देश का १०६१०४ वर्गात्मक मील है इसमें से केवल ५२१२९ वर्गात्मक मील सन् १८८४ में खेती होती थी—इन जिलों से उत्तम फ़सल और किसी ज़िले में नहीं होती इन की प्राकृतिक उतपत्ति को नहरों से बहुत सहायता मिलती है। दो मुख्य फ़सलें ख़रीफ़ और रबी हैं पहिली जून में बोई जाती है और अक्टूबर या नवम्बर में काटी जाती है और दूसरी अक्टूबर या नवम्बर में बोई जाती है और मार्च या अपरैल में काटी जाती है तीसरी फ़सिल हवायत दिसम्बर में और चौथी या फ़सिल ज़ायद मई में तैयार होती है—मुख्य वस्तु खेती की गेहूं; जौ—ज्वार—बाजरा—चावल—नील—रुई—गन्ना अफ़ीम चाय सरसों आदि हैं॥

व्योपार—पश्चिमोत्तर देश से मुख्य अनाज या और खेती की चीजें बाहर भेजी जाती हैं यह बाहर जाने वाली चीज़ें या तो तिब्बत व नेपाल को या कलकत्ता व बम्बई को भेजी

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

जाती हैं मुख्य चीज़ें बाहर जानेवाली गेहूं-रेंडी-सरसों-तिल-रूई-नील-शक्कर-गुड़-लकड़ी-रंग-नमक-घी-अफ़ीम बरतन आदि हैं। मुख्य जगह व्योपार का कानपूर-इलाहाबाद मिरज़ापूर-बनारस-मेरट-कोयल-हाथरस-मथुरा-आगरा फ़र्रुख़ाबाद-मुरादाबाद-चंदौसी-बरैली-सहारनपूर-ग़ाज़ियाबाद-कासगंज-बिजनौर-नगीना-नजीबाबाद-गोरखपूर ग़ाज़ीपूर-पीलीभीत-शाहजहांपूर हैं। सिर्फ़ कानपूर की आने व जाने वाली चीज़ें सन् १८८३ व ८४ ई० में दस करोड़ रुपये की थीं-इन ज़िलों में १० बड़ी धुयें की कलें जारी हैं-इनसे कपड़ा-काग़ज़-साबुन-शराब-शक्कर आदि तैयार होती हैं। एक कपड़ा बनाने की धुयें की कल आगरा में जारी होने वाली है—देशी तिजारत कम्पनी के इलाहाबाद में होने से देशी चीज़ों को काम में लाने का शौक़ बढ़ता जाता है-मऊ की मलमल और धोतियां और भागलपूर के टसर के कपड़ों की बिक्री बहुत होती है। यह चीज़ें नाओं पर गंगा-जमुना व घाघरा में होकर आया जाया करती हैं-रेल पर बहुत माल रवाना होता है और इस काम में छकड़े या बैल की गाड़ियां भी आती हैं॥

राज्य का बंदोबस्त—यह ज़िले लफ़टंट गवर्नर और चीफ़ कमिश्नर के आधीन हैं जो यहां के श्रेष्ठ हाकिम हैं इनके आठ चीफ़ सेक्रिटेरी-सेक्रिटेरी और अंडर सेक्रिटेरी हैं जिनके सपुर्द अलग २ महकमों के काम हैं। कौनसिल-(क़ानून बनाने वाले) नये क़ानूनों के बनाने में सरकार की मदद देती है और हाई कोर्ट जो दीवानी और फ़ौजदारी की सब से बड़ी कचहरी है नीचे की कचहरियों के फ़ैसलों की निगरानी करती है जिस्से क़ानूनी बरताओं और इनसाफ़

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

पूरी तरह पर ख़्याल किया जाता है॥ बोर्ड माल की आला कचहरी है इनके बाद कमिश्नर हैं जिनके सपुर्द एक २ क़िस्मत है यह हाकिम ज़िले (जिनको पश्चिमोत्तर देश में कलक्टर व मजिस्ट्रेट और अवध व झांसी व कमाऊं में डिप्टी कमिश्नर कहते हैं) या उनके नीचे के हाकिमों के फ़ैसलों की अपील को जो बाबत लगान या मालगुज़ारी होते हैं सुनते हैं। ज़िले के हाकिमों के दीवानी के मुक़दमों की अपील साहिब जज के यहां होती है मगर अवध में साहिब कमिश्नर को यह अख़्तियार भी दिया गया है। ज़िले के हाकिम वह बड़े अफ़सर हैं जिनके सपुर्द निगरानी रैयत के अमन अमान और आराम है और उनको अख़्तियार माली व मुलकी दिये गये हैं यह कमिश्नर और जज के नीचे हैं और इनके नीचे पुलिस—तहसीलदार और डिप्टी कलक्टर हैं॥

शिक्षा—अब तक इन ज़िलों में अलग यूनीवरसीटी नहीं थी इस साल से यूनीवरसिटी इलाहाबाद में क़ायम हो गई है अब इन ज़िलों के बड़े दरजों की शिक्षा के उम्मेदवारों को बंगाल व पञ्जाब या और ज़िलों में जाने की ज़रूरत नहीं रही। बनारस—इलाहाबाद—लखनऊ—आगरा और अलीगढ़ के कालिजों में ऊंचे दरजों की शिक्षा दी जाती है जिसको यूनीवरसिटी की शिक्षा कहते हैं—फ़ैज़ाबाद और बरेली में भी कालिज के दरजे खुलगये हैं। रुड़की में इनजीनियरी सिखलाई जाती है॥ कालिजों के बाद सरकारी और इमदादी मदरसे हैं जिनमें इन्ट्रेन्स या मिडिल तक की पढ़ाई होती है इनसे कम दरजे के मदरसे तहसीली व परगना व हलक़ा बन्दी मदरसे और देशी मकतब हैं॥

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

सरकारी व इमदादी कालिज और मदरसों के साहिब डाइरक्टर बहादुर सरिश्तेतालीम बड़े हाकिम हैं इनके नीचे इन्सपेक्टर उनके असिसटेन्ट—डिपटी व सब डिपटी इन्सपेक्टर हैं। साहिब इन्सपेक्टर अंगरेज़ी के हाई व मिडिल स्कूल सरकारी व इमदादी देखते हैं और उनका इमतहान लेकर शिक्षा की रीति व बंदोबस्त आदि की रपोर्ट साहिब डाइरक्टर के पास हर साल भेजते हैं ॥ असिसटेन्ट इन्स-पेक्टर और डिपटी व सब डिपटी इन्सपेक्टर छोटे अंगरेज़ी मदरसे और देहाती उर्दू व हिन्दी मदरसों को देखते हैं और उनकी रपोर्ट साहिब इन्सपेक्टर के पास भेजते हैं ॥ ऐसे मदरसे जिनमें अंगरेज़ों के लड़के पढ़ते हैं एक अलग इन्सपेक्टर के सपुर्द हैं जो इन्सपेक्टर यूरूपियन इसकूल्स कहलाते हैं ॥

सालाना रपोर्ट सरिश्ते तालीम सन् १८८६ व ८७ ई० से मालूम होता है कि सरकारी ख़ज़ाने से कुल ख़र्च मदरसों का उस साल २८ लाख ६८ हज़ार ३ सौ पांच रुपया का था जबके कालिजों में यूनीवरसीटी इमतहान के लिये एक बिद्यार्थी को तैयार करने में १४२) रुपया ख़र्च हुआ था और मदरसों में एक बिद्यारथी के लिये ३०) रुपया ख़र्च सरकारी था ॥ बिद्यार्थी जो मदरसे सरकारी व इमदादी व ग़ैर इमदादी तहसीली व हलक़ाबन्दी आदि में उस साल पढ़ते थे पांच लाख से अधिक थे ॥

(२) नाम क़िस्मत और ज़िलों का

इस में ११ क़िस्मत और ४६ ज़िले हैं—और इसकी राजधानी इलाहाबाद या प्रयाग है ॥

(१) क़िस्मत मेरठ देहरादून, सहारनपूर, मु- ज़फ़्फ़र नगर, मेरठ, बुल-न्द शहर और अलीगढ़ ॥

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

(२) क़िस्मत रुहेल खण्ड

बिजनौर, मुरादाबाद, बदायूं, बरेली, शाहजहांपुर और पीलीभीत ॥

(३) क़िस्मत आगरा

मथुरा, आगरा या अकबराबाद, एटा, फ़र्रुख़ाबाद, मैनपुरी और इटावा ॥

(४) क़िस्मत इलाहाबाद

कानपुर, हमीरपुर, फ़तेहपुर, बांदा, इलाहाबाद और जौनपुर ॥

(५) क़िस्मत बनारस

मिरज़ापुर, बनारस, ग़ाज़ीपुर, आज़मगढ़, गोरखपुर, बस्ती और बलिया ॥

(६) क़िस्मत झांसी

जालौन, झांसी और ललितपुर ॥

(७) क़िस्मत कमाऊं

तराई परगना, कमाऊं और गढ़वाल ॥

(८) क़िस्मत लखनऊ

उन्नाव, बाराबंकी, लखनऊ ॥

(६) क़िस्मत सीतापुर

सीतापुर, हरदोई, खेरी ॥

(१०) क़िस्मत फ़ैज़ाबाद

फ़ैज़ाबाद, गोंडा, और बहराइच ॥

(११) क़िस्मत रायबरेली

रायबरेली, सुलतानपुर और परतापगढ़ ॥

(३) मशहूर शहरों का बयान

(१) क़िस्मत मेरट आगरा के पश्चिम में

देहरादून—यहां चाह बहुत पैदा होती है—लन्धौर और मन्सूरी की आब व हवा अच्छी है यहां अंगरेज़ हाकिम तबदील आब व हवा को जाते हैं। कलयानपुर और कलसिया बड़े क़सबे हैं ॥

सहारनपुर—का कम्पनी बाग़ मशहूर है—यहां सरकारी घुड़साल है—सन्दूकचे सफ़ेद लकड़ी के नक़्शदार अच्छे होते हैं—सूती कपड़े बुने जाते हैं और चमड़े का काम भी खूब बनाया जाता है। हरद्वार में हर बारवें साल गंगा स्नान

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

का बड़ा मेला होता है। रुड़की का इनजियरिंग कालिज—धुयें के कलों का कारख़ाना और सुलानी नदी का पुल जिसके ऊपर नदी का पानी बहता है देखने के क़ाबिल हैं। देयोबंद—कंखल—मुज़फ़्फ़राबाद और सुलतानपुर बड़े क़सबे हैं॥

मुज़फ़्फ़रनगर—के कम्मल अच्छे होते हैं—शामली—कराना—सोरों—शिकारपुर बड़े क़सबे हैं॥

मेरठ—यहां नौचंदी का मेला चैत के महीने में होता है जो तीन दिन तक रहता है—हापुड़ के पापड़ मशहूर हैं यहां और बाबू घढ़ में सरकारी घुड़साल है। सरधना का गिरजा अच्छा है—गढ़मुक्तेशर में कातिक की पूरणमाशी को गंगा स्नान का मेला होता है—बरौत के लोहे के बरतन अच्छे होते हैं—हस्तिनापुर अगले वक्त में राजधानी था॥

बुलंदशहर—काली नदी पर सदर मुक़ाम है—खुरजा घी की बड़ी मंडी है यहां रांग के बरतन भी अच्छे बनते हैं—अनूप शहर और सिकंदराबाद बड़े क़सबे हैं॥

अलीगढ़—यहां मुसलमानों का कालिज अच्छा है हातरस के चाक़ू मशहूर हैं—सिकंदराबाद और अतरौली बड़े क़सबे हैं॥

(२) क़िस्मत आगरा—क़िस्मत इलाहाबाद के पश्चिम में है।

मथुरा में श्री कृष्ण जी का जन्म हुआ था यहां के पेड़े व खुरचन मशहूर हैं॥ बिन्द्राबन, नंदगाओं—बरसाना—गोकुल और गोबर्धन श्री कृष्ण जी के बिहार की जगह है बिन्द्राबन में सेठ लछमीचंद का बनाया हुआ श्री रंग जी का मंदिर मशहूर है॥

आगरा या अकबराबाद का क़िला—मोती मसजिद—ताज

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

महल—आरामबाग़—एतमाद उद्दौला और तीन कोस पर सिकंदरा देखने के क़ाबिल है—यहां दरी—नैचा और पत्थर का काम अच्छा होता है। फतहपुर सीकरी में अकबर और उसके वज़ीर फ़ैज़ी और बीरबल के महल अबतक बने हैं और शेख़ स्लेम चिश्ती की दरगाह है—बटेशर में कातिक के महीने में घोड़े और दूसरे जानवरों की बिक्री का बड़ा मेला होता है—फ़ीरोज़ाबाद और फ़रह बड़े क़सबे हैं॥

एटा—इस ज़िले में कासगंज—अलीगंज और जलेसर बड़े क़सबे हैं—सूरों में गंगा स्नान का मेला होता है॥

फ़र्रुख़ाबाद—यहां के पीतल के बरतन और रज़ाई के पल्ले अच्छे होते हैं और यहां डेरे भी बनाये जाते हैं-फ़तहगढ़ में सरकारी कचहरियां हैं—क़न्नौज का काग़ज़ अतर व तेल मशहूर है—मकनपुर में शाहदममदार की दरगाह है—छपरामऊ का पेड़ा अच्छा होता है—मीरां की सराय और शमशाबाद बड़े क़सबे हैं॥

मैनपुरी—यहां जैनियों का मन्दिर है—भोगाओं, शिकोहाबाद व अलीपुर बड़े क़सबे हैं॥

इटावा—यहां का हाईस्कूल का मकान अच्छा बना है—और यहां घी की मंडी है—जसवंतनगर—फफूंद और लखना बड़े क़सबे हैं॥

(३) क़िस्मत झांसी—क़िस्मत आगरा के दक्षिण व पूर्व में—

जालौन—कालपी का काग़ज़ और मिश्री मशहूर है—कोंच और औरै बड़े क़सबे हैं॥

झांसी—जो पहले महाराजा ग्वालियर के राज्य में थी अब सरकार ने क़िले ग्वालियर के बदले में ले लिया है॥ यहां ऊनी क़ालीन और आसनी अच्छे बनते हैं—मऊ में

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

खारुवां अच्छा बनाया जाता है—बरवा सागर में एक झील के किनारे क़िला है—मोठ व गुरसराय बड़े क़सबे हैं ॥

ललितपुर—तालभेट का सरौता अच्छा होता है—बानपुर और बांसी बड़े क़सबे हैं ॥

(४) क़िस्मत—इलाहाबाद—क़िस्मत झांसी के उत्तर व पूर्व में ॥

कानपुर बड़ा तिजारती शहर है—यहां कपड़ा बनाने के कई कल हैं—चमड़े का काम भी बहुत होता है और मेमोरियल वेल् यहीं है ॥ बिठूर का मेला जो कातिक की पूर्णमाशी को होता है मशहूर है। यहां बाजी राव पेशवा क़ैद था—बिल्हौर और मंगलपुर बड़े क़सबे हैं ॥

फ़तहपुर—कोड़ाजहानाबाद के बरतन अच्छे होते हैं—हंसवा और हटगांव बड़े क़सबे हैं ॥

हमीरपुर—जमुनाओर बेतवा के संगम पर है—महोबा के पान मशहूर हैं। राठ व कुल पहाड़ बड़े क़सबे हैं ॥

बांदा—इस जगह से २४ कोस पर कालिंजर का मशहूर क़िला है—चित्रकोट हिन्दुओं का तीर्थ स्थान है—किरवी बड़ा क़सबा है ॥

इलाहाबाद या प्रयाग—पश्चिमोत्तर व अवध देश की राज्यधानी है—यहां क़िले के नीचे गंगा व जमुना मिलती हैं जिसको कि त्रिवेणी कहते हैं—जमुना का रेल का दुहरा पुल—क़िला—म्योहाल—एलफ़्रेडपार्क—म्योर कालिज लेफ़्टनेन्ट गवर्नर साहिब की कोठी—खुसरोबाग़—गैस (रोशनी) घर और रेलवे की कलों का कारख़ाना देखने के लायक़ हैं। यह शहर हिन्दुओं का पवित्र स्थान है ॥ कड़े में देबी जी का

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

मेला होता है यहां कड़क शाह की मज़ार है—यहां की चंदया मशहूर है और मलूक दास भी हुए थे--मऊ में देशी कपड़ा अच्छा और बहुत तैयार होता है। सिरसा अनाज की मंडी है-भारथ गंज और फूलपूर बड़े क़सबे हैं॥

जौनपूर—का अतर व तेल और गोमती नदी का पुल मशहूर है—मछली शहर का पेड़ा अच्छा होता है—बाद० शाहपूर में शक्कर और शाहगंज में रुई की बिक्री बहुत होती है॥

(५) क़िस्मत बनारस—क़िस्मत इलाहाबाद के उत्तर व पूर्ब में है।

मिरज़ापूर—में पीतल के बरतन अच्छे बनते हैं—यहां की दरी और क़ालीन दूसरे मुल्कों को बहुत भेजे जाते हैं। विन्दबासनी देवी का मन्दिर विन्ध्याचल पहाड़ पर हिन्दुओं का तीर्थ स्थान है—चुनार गढ़ के मट्टी के बरतन अच्छे होते हैं यहां क़ासिम सुलेमानी की दरगाह है और यहां का क़िला मशहूर है—यहां मकान बनाने के पत्थर बहुत निकलते हैं—घसिया का क़ालीन अच्छा होता है—गोपीगंज और चकैया बड़े क़सबे हैं॥

बनारस—या काशी—हिन्दुओं का तीर्थ स्थान है गंगा जी के किनारे पर बसा है—यहां संस्कृत पढ़ने का बहुत चरचा है—यहां चैत के महीनें में बुढ़वा मंगल का मेला बहुत अच्छा होता है। गवर्नमेन्ट कालिज विश्वेश्वरनाथ महादेव जी का मन्दिर—मान मन्दिर—माधो राय का धरहरा अच्छे मकान हैं। कमख़ाब-गोटा-तमाकू की गोलियां—सुंघनी और पीतल के बरतन अच्छे बनाये जाते हैं और दूर दूर को भेजे जाते हैं राम नगर में महाराजा बनारस रहते हैं॥

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

ग़ाज़ीपूर—का गुलाब और अतर मशहूर है—यहां अ- फ़ीम का बहुत वड़ा कारख़ाना है। लार्ड कार्नवालिस गव- र्नर जेनरेल यहें मरे थे उनके यादगार के वास्ते १ मो- नार बनी है—सेदपूर बड़ा क़सबा है॥

आज़मगढ़—सदर मुक़ाम ज़िला है यहां कपड़ा बहुत बुना जाता है॥

बस्ती—सदर मुक़ाम ज़िला है—बांसी का चावल अच्छा होता है—रतनपूर में कबीरदास मरे थे—कपतान गंज और महदावल बड़े क़सबे हैं॥

गोरखपूर—रापती नदी के किनारे पर है—यहां के अनन्नास बहुत अच्छे होते हैं—गुरू गोरखनाथ का मन्दिर और इमाम बाड़ा अच्छे मकान हैं। बांस गाओं व मझौली बड़े क़सबे हैं॥

बलिया—सदर मुक़ाम है—ददरो में कातिक के महीने में जानवरों की बिक्री का बड़ा मेला होता है॥

(६) क़िस्मत कमाऊं—क़िस्मत रुहेलखंड के उत्तर व पश्चिम में है॥

तराई—काशीपूर की छींट व हलद्वानी की मंडी इस ज़िले में मशहूर है।

कमाऊं—नैनीताल में अंगरेज़ गरमियों में जाते हैं—रानी खेत में गोरों की पल्टन रहती है अलमोड़ा मुख्य जगह है॥

गढ़वाल—पाओड़ी मुख्य जगह है—श्रीनगर अलखंडा नदी पर है यहां सांप बिच्छू बहुत होते हैं॥ इस ज़िले में बद्रीनाथ व केदारनाथ हिन्दुओं के पवित्रस्थान हैं॥

(७) क़िस्मत रुहेलखंड—क़िस्मत मेरठ के उत्तर में है।

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

बिजनौर—मुख्य जगह ज़िला है—यहां शकुन्तला का जिसका क़िस्सा मशहूर है जन्म हुआ था—नजीबाबाद के फूल के बरतन और नगीना के आबनूस के कंघे और क़लमदान अच्छे बनते हैं। धामपुर, चांदपुर और शेरकोट बड़े क़सबे हैं॥

मुरादाबाद—के क़लई के बरतन और देशी कपड़े अच्छे होते हैं—सम्भल में कलंकी औतार होगा—अमरोहे के मट्टी के बरतन और ठाकुर द्वारा की छींट अच्छी होत्ती है। चंदौसी में खूब ब्योपार होता है॥

बदायूं—में सैयद अलाउद्दीन दिल्ली की बादशाहत छोड़ कर रहा था। सहसवान में केवड़ा बहुत होता है। बिसौली ब्योपार की जगह है॥

बरेली—की मेज़ कुरसी और कीमुख़्त मशहूर है—आओंला—फ़रीदपुर और फ़तेह गंज बड़े क़सबे हैं॥

शाहजहांपुर—के सरौते व चाकू अच्छे होते हैं—यहां शराब और मिश्री बनाने का बहुत बड़ा कारख़ाना है तिलहर के तीर व कमान मशहूर हैं॥

पीलीभीत—के चावल मशहूर हैं—यहां बड़ा जंगल शिकार के लायक़ है—और लकड़ी का काम भी अच्छा होता है—जहानाबाद और बेलपुर बड़े क़सबे हैं॥

(८) क़िस्मत—सीतापुर—क़िस्मत रुहेलखंड के पूर्व में है॥

सीतापुर की आब व हवा अच्छी है यहां सरकारी छावनी है—पीर नगर में लेहाफ़ अच्छे बनते हैं—नीमसार मिसरिख और हरगांव हिन्दुओं के तीर्थ हैं-बेसवां का तमाकू मशहूर है-लहरपुर में राजा टोडरमल का जन्म हुआ था॥

हरदोई—हरदोई के आम और कपड़ा मशहूर है। बिलग्राम के शायर और विद्वान मशहूर हैं—यहां एक कूआं

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

है जिसका पानी पीने से आदमी अच्छा गवैया हो जाता है फ़ानी का चाक़ू—मुरोना अच्छा होता है—सन्दीला और मुरादाबाद मशहूर जगह हैं ॥

खेरी—इस ज़िले में मोहमदी का केतकी का फूल और गोला में गोकरन नाथ महादेव जी का मेला मशहूर है—खेरी और लखीमपूर बड़े क़सबे हैं ॥

(९) क़िस्मत लखनऊ—क़िस्मत सीतापूर के पूर्व में ॥

लखनऊ—लखनऊ सूबे अवध की राजधानी पश्चिमोत्तर देश में सब से ज़ियादे आबाद शहर है। ताशबादला-फ़र्द-चिकन और सोज़नकार कपड़े यहां अच्छे बनाये जाते हैं। शीशमहल—हुसैनाबाद—आसफ़उद्दौला का इमामबाड़ा—चतर मंज़िल मच्छी भवन—मारटिन साहिब की कोठी और क़ैसर बाग़ देखने के लायक़ हैं। मलीहाबाद के आम और बेर मशहूर हैं। अमेठी और काकोरी मशहूर जगह हैं ॥

बाराबंकी—इस ज़िले में फतेहपूर के क़ालीन और अदीली के लड्डू अच्छे होते हैं नवाब गंज और कुरसी मशहूर जगह हैं ॥

उन्नाव—सदर मुक़ाम है—बांगरमऊ और सफ़ीपूर बड़े क़सबे हैं ॥

(१०) क़िस्मत फैज़ाबाद—क़िस्मत रायबरैली व क़िस्मत लखनऊ के उत्तर में ॥

फ़ैज़ाबाद—सदर मुक़ाम है यहां के संदूक़चे और क़लमदान अच्छे होते हैं—अयोध्या में राजा रामचन्द्र जी का जन्म हुआ था—यहां रामनौमी का मेला अच्छा होता है। यहां पुराने मकानों के निशान जिससे इसकी पुरानी बड़ाई ज़ाहिर होती है पाये जाते हैं। टांडा में कपड़े बुने जाते हैं ॥

गोंडा—यहां कोल के चावल और ताड़ के पंखे और पि-

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

टारियां अच्छी होती हैं। नवाब गंज मंडी है। तुलसी के पास देवी पाटन का मेला मशहूर है। बलरामपुर और करनैल गंज बड़े क़सबे हैं॥

बहरायच—सरजू नदी पर बसा है—यहां मसऊदगाज़ी की दरगाह है—यहां के नमदे और लोहे के बरतन अच्छे होते हैं। नेपाल गंज मंडी है—भिंगा में फूल के बरतन अच्छे बनते हैं। अकौना का क़िला मशहूर है॥

(११) क़िस्मत रायबरैली—क़िस्मत लखनऊ के पूर्व में॥

रायबरैली—सदर मुक़ाम ज़िला है। डालमऊ में गंगा स्नान का मेला होता है जायस बड़ा क़सबा है॥

सुलतानपुर—इस ज़िले में हसनपुर बंधुवा के फूल के बरतन अच्छे होते हैं। सुलतानपुर—गोमती नदी पर सदर मुक़ाम है॥

परतावगढ़—की मिस्री और तंबाकू और बिहार की चीनी अच्छी होती है॥

२१—गवर्नमेंट पञ्जाब का बयान

(१) सीमा

उत्तर में कश्मीर का राज्य—पूर्व में जमुना नदी—पश्चिम में सुलेमां पहाड़ और दक्षिण में राजपूताना है॥

(२) नाम क़िस्मत और ज़िलों के

इस सूबे में छः क़िस्मत और ३१ ज़िले हैं इसकी राजधानी लाहोर है॥

(१) क़िस्मत दिल्ली

दिल्ली, गुड़गावां, करनाल, हिसार, रूहतक, अम्बाला, शिमला॥

(२) क़िस्मत जालन्धर

लुधयाना, फ़ीरोज़पुर, जालन्धर, होशयारपुर, कांगड़ा॥

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

(३) क़िस्मत लाहौर

लाहौर, अमरितसर, गुरदासपूर, मुलतान, झंग, मान्टगोमरी ॥

(४) क़िस्मत रावलपिण्डी

रावलपिण्डी, जिहलम, गुजरात, शाहपुर, गुजरानवाला, स्यालकोट ॥

(५) क़िस्मत देरहजात

देरह इस्माईलखां, देरह ग़ाज़ीखां, बन्नू, मुज़फ़्फ़रगढ़ ॥

(६) क़िस्मत पेशावर

पेशावर, हज़ारा, कोहाट ॥

(३) मशहूर शहरों का बयान

दिल्ली—का क़िला, जामे मस्जिद और क़ुतुब साहिब की लाट ३६२ फ़ीट ऊंची मशहूर जगह हैं । हरयाना बहुत रौनक़दार और आबाद जगह है ॥

गुड़गावां—में चैत के महीने में देबी का मेला होता है ॥

करनाल और पानीपत—मशहूर लड़ाई की जगह हैं ॥

अम्बाला—में सरकारी पल्टन रहती है—कुरुक्षेत्र में महाभार्थ की लड़ाई हुई थी—थानेश्वर हिन्दुओं के तीर्थ की जगह है, यहां की भैंस अच्छी होती है ॥

लुधयाना—में सूती और रेशमी कपड़े अच्छे होते हैं ॥

शिमला—में गवर्नर जेनरल गरमियों में रहते हैं, कसौली और सपाटू में सरकारी छावनी है और यहां की आब व हवा अच्छी है ॥

स्यालकोट—में सरकारी छावनी है ॥

कांगड़ा या नगरकोट—में महामाया का मन्दिर है ॥

अमरितसर—व्योपार की जगह और सिक्खों का पवित्र स्थान है, यहां गुरुगोबिन्द का मन्दिर जो एक तालाब में है बहुत प्रसिद्ध है ॥

लाहौर—रावी नदी पर पञ्जाब की राजधानी है—कसूर की मेथी मशहूर है ॥

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

गुजरात—की तलवार मशहूर है, चिलयानवाला में अंगरेज़ और सिक्खों से एक बड़ी लड़ाई हुई थी॥

पिण्डदादनखां—में सेंधे नमक की खान है॥

रावलपिण्डी—में सरकारी पल्टन रहती है, अटक का क़िला मशहूर है और मरी अंगरेजों के हवा खाने की जगह है॥

मुलतान—का रेशमी कपड़ा मशहूर है। लैया बड़ी व्योपारिक जगह है॥

कालाबाग़—में फ़िटकरी की खान है॥

पेशावर—हिन्दुस्तान के पश्चिमी सीमा पर है यहां सब जगह से बहुत पल्टन रहती है॥

२२—गवर्नमेंट बंबई का बयान

(१) सीमा

उत्तर में पञ्जाब बिलोचिस्तान, पूर्व में राजपूताना और मध्य हिन्द का देश, दक्षिण में मैसूर और अहाता मदरास, पश्चिम में बिलोचिस्तान और अरब का समुद्र है॥

(२) नाम क़िस्मत और ज़िलों का

इस अहाते में चार क़िस्मत और २३ ज़िले हैं। इसकी राजधानी बंबई है॥

(१) क़िस्मत उत्तरी

अहमदाबाद, खेड़ा, पञ्चमुहाल, भड़ौंच, सूरत, थाना या उत्तरीय कोंकन, कलावा॥

(२) क़िस्मत मध्यस्थ

ख़ानदेश, नासिक, अहमदनगर, पूना, शोलापूर, सितारा॥

(३) क़िस्मत दक्षिणीय

बेलगांव, धारवाड़, कुलाडगी, कनारा, रत्नागिरी या दक्षिणी कोंकन॥

(४) क़िस्मत सिन्ध

क़िरांची, हैदराबाद, थर और परखर, शिकारपूर, अपरसिन्ध फ्रांन्टियर॥

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

(३) मशहूर शहरों का बयान

अहमदाबाद—साबरमती नदी पर पहले गुजरात की राजधानी थी, गोगो मशहूर लङ्गरगाह है। धौलाड़ा रुई के लिये मशहूर है, खेड़े में जैनियों का अच्छा मन्दिर है॥

भड़ोंच—नरमदा नदी पर और सूरत तापती नदी पर व्योपार के शहर हैं॥

कल्लयान—पुराना शहर है यहां कई रेल की सड़कें मिलती हैं॥

बंबई—राजधानी व्योपार की जगह और बन्दर है। अारपुरी में पहाड़ काटकर मन्दिर बनाये हैं॥

अहमदनगर—निज़ामशाही बादशाहों की राजधानी थी॥

नासिक—हिन्दुओं के तीर्थ की जगह है॥

पूना—पेशवा की राजधानी थी॥

पिन्ढरपूर—तीर्थ की जगह और शोलापूर व्योपार की जगह है। बारसी रुई की मंडी है॥

सितारा—मरहठों की राजधानी थी महाबलेश्वर अंगरेज़ों के हवा खाने की जगह है॥

बीजापुर—आदिलशाही बादशाहों की राजधानी थी॥

बेलगांव—में सरकारी छावनी है॥

गरसपावामो—का झरना मशहूर है॥

कमटा और सदाशिवगढ़—बड़े बन्दर हैं॥

कांचो—व्योपारिक और बन्दर स्थान है॥

हैदराबाद—दस्तकारी के लिये मशहूर है, ठट्ठा और शिकारपुर व्योपारिक जगह हैं। मियानी पर लार्डनेपियर ने सिन्धु के अमीरों को हराया था॥

अमरकोट—में अकबर बादशाह का जन्म हुआ था॥

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

२३—गवर्नमेंट मदरास का बयान

(१) सीमा

उत्तर में उड़ीसा, मध्यदेश और हैदराबाद, पूर्व और दक्षिण में समुद्र और पश्चिम में अहाता बम्बई है॥

(२) क़िस्मत और ज़िलों के नाम

इस गवर्नमेंट में बाईस ज़िले हैं और इसकी राजधानी मदरास है॥

गञ्जाम	विज़िगापट्टन	त्रिचनापली	मदूरा
गोदावरी	कृष्णा	तिनेवली	सेलम
करनौल	बिलारी	कोयमबिटूर	नीलगिरी
कड़ापा	नेलोर	मलेबार	दक्षिणी कनारा
चिंगलपट	मदरास (शहर)	दक्षिणी अरकाट	अनन्तपुर
उत्तरी अरकाट	तञ्जोर		

(३) मशहूर शहरों का बयान

ब्रह्मपुर—में रेशमी कपड़ा अच्छा होता है, कलंगापटन और गोपालपुर बन्दर हैं॥

विज़िगापट्टन—बन्दर है यहां सींघ के सन्दूक़ अच्छे बनते हैं विजियानगर में सरकारी पल्टन रहती है॥

एलोर—के क़ालीन अच्छे होते हैं। राजमन्द्री ज़िले गोदावरी का सदर है॥

गन्तूर—मुसलमानों के राज्य में बड़ा शहर था। मछलीपट्टन बन्दर है यहां की छींट अच्छी होती है॥

गूटी—का क़िला बहुत अच्छा है और बिलारी में सरकारी पल्टन रहती है॥

नेलोर—के बैल मशहूर हैं॥

काञ्जीवरम—के मन्दिर मशहूर हैं॥

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

मदरास—अहाता मदरास की राजधानी है यहां फ़ोर्ट-सेन्ट जार्ज बड़ा मज़बूत क़िला है॥

अरकाट—करनाटक के नवाबों की राजधानी थी। तिरपती हिन्दुओं की पवित्र जगह है। वेलोर में सरकारी पल्टन रहती है॥

तञ्जोर—ब्योपार की जगह है। कुम्भकोनम को जात्री बहुत जाते हैं॥

त्रिचनापली—बड़ा शहर है इसके पास श्री रंग जी का मन्दिर है॥

मदुरा—में बहुत से मन्दिर हैं। डन्डीगल की आब व हवा अच्छी है॥

तूतीकोरन—बन्दर है यहां से रुई बहुत लादी जाती है और उसके पास से मोती निकलते हैं॥

ऊटकमन्द—और कनोर अंगरेजों के हवा खाने की जगह हैं॥

कालीकट—समुद्र के किनारे पर है। कनानोर में सरकारी पल्टन रहती है॥

मंगलोर—दक्षिणी किनारे का सदर है॥

रामेश्वरदीप—में शिव जी का प्रसिद्ध मन्दिर है॥

२४ उन मुल्कों का बयान जो सुप्रीम गवर्नमेंट के आधीन हैं

(१) ब्रिटिश ब्रह्मा (२) आसाम (३) मध्यदेश (४) इन्दमान व नीकोबार द्वीप (५) अजमेर (६) पूर्बी व पश्चिमी बरार और (७) कुर्ग॥

२५ ब्रिटिश ब्रह्मा का बयान

(१) सूबे ब्रिटिश ब्रह्मा बगाले के खाल के पूर्बी किनारे

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

पर चटगांव के ज़िलों से आसाम तक फैला हुआ है ॥

(२) नाम क़िस्मत और ज़िलों के

इस में तीन क़िस्मत और १६ ज़िले हैं रंगून इसकी राजधानी है ॥

(१) क़िस्मत पेगू

रंगून, हाथावादी, थुनेगवा, बसीन, हनज़ादा, थिरावादी, प्रोम और थेटम्यू ॥

(२) क़िस्मत अराकान

अकयाब, उत्तरी अराकान क्यूकफ़्यू और सैण्डवे ॥

(३) क़िस्मत तनासिरम

मोलमीन, अमहर्स्ट, टिवाय, मरगुई, श्यूजेन, टोंगू और सालवीन ॥

(३) मशहूर शहरों का बयान

ब्रिटिश ब्रह्मा की रंगून राजधानी है, श्यूडिगेन बौद्ध मत वालों का पवित्र स्थान है। पेगू पहिले समय में टालैंग घराने की राजधानी थी। मावबंग में मच्छर बहुत होते हैं। यानडोन बड़ा बज़ार है प्रोम में बौद्ध मत वालों का बड़ा मन्दिर है। कामावर अच्छा बाज़ार है। सैण्डवे और मंगडोन में तंबाकू अच्छी पैदा होती है। अकयाब बन्दर है यहां से चावल बाहर को बहुत भेजा जाता है और अच्छे २ मकान और मदरसे हैं ॥

मोलमीन अच्छा बन्दर है यहां लकड़ी का ब्योपार ख़ूब होता है। अमहर्स्ट की आबोहवा बहुत अच्छी है यहां भी लकड़ी की सौदागरी होती है। भेलो में मन्दिर बहुत हैं जो अशोक राजा के नाम से मशहूर हैं ॥

सूचना —अभी ब्रह्मा का प्रबन्ध सम्पूर्ण प्रकार से नहीं हुआ इस कारण से इसका पूरा हाल नहीं लिखा गया ॥

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

पहली जनवरी सन् १८८६ ई० को गवर्नर जनरल वाइसराय हिन्द ने यह मुनादी की कि मलिका क़ैसर हिन्द के आज्ञानुसार शाह थीवा के राज में जो देश थे वह अब श्रीमान महारानी क़ैसर हिन्द के अधिकार में समझे जायेंगे और ऐसे हाकिमों के अधिकार में रहेंगे जिन्हें श्री मान वाइसराय बहादुर नियत करेंगे॥

सम्पूर्ण क्षेत्रफल दो लाख वर्गात्मक मील के लग भग है और मनुष्य संख्या अनुमान से तीन लाख से अधिक नहीं॥ निवासी मंगोल हैं और चीनी तिब्बती भाषा बोलते हैं। हस्तकृत-रुई-रेशम और लोहे की होती है जो केवल देश ही के अवश्यकता के लिये बहुत है। यहां रोग़नी और मुलम्मा का काम अच्छा होता है। जंगलों में बहु मूल्य लकड़ियों के पेड़ उतपन्न होते हैं। मक्का, गेहूं, नील, तम्बाकू और रुई भी बोई जाती है। मेवा के पेड़ और धातू भी न्यूनाधिक पाई जाती है। राजधानी मांडले है जिसमें लग भग सत्तर हज़ार आदमियों के रहते हैं। भेमों चीनी सिवाने के समीप बड़ा नगर है॥

२६ गवर्नमेंट आसाम का बयान

(१) सीमा

उत्तर में भूटान, दक्षिण व पूर्व में ब्रह्मा व मनीपुर, पश्चिम में गवर्नमेंट बंगाल व कूचबिहार॥

(२) क़िस्मत और ज़िलों के नाम

इस में ११ ज़िले हैं। गौहाटी इसकी राजधानी है॥

सिलहट, कचार, ग्वालपाड़ा, कामरूप, दरंग, नौगांव,	शिवसागर, लखिमपुर, नागा, कशिया और गारू॥

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

(३) मशहूर शहरों का बयान

सिलहट—को नारंगियां और सीतलपाटी अच्छी होती हैं॥

गोलाघाट—में चावलों का बहुत व्योपार होता है॥

चेरापूंजी—में पानी छः सौ इञ्च तक बरसता है॥

शिलांग—चीफ़ कमिश्नर के रहने की जगह है॥

२७ गवर्नमेंट मध्य हिन्द का बयान

(१) सीमा

उत्तर में एजन्टी मध्य हिन्द, पूर्व में गवर्नमेंट बंगाल दक्षिण में मदरास अहाता और हैदराबाद का राज्य और पश्चिम में बरार॥

(२) क़िस्मत और ज़िलों के नाम

मध्य हिन्द में चार क़िस्मत और १८ ज़िले हैं। इस सूबे की चीफ़ कमिश्नरी का सदर मुक़ाम नागपूर, नाग नदी पर है॥

(१) क़िस्मत जबलपूर

सागर, दमोह, जबलपूर, मण्डला, सिउनी॥

(२) क़िस्मत नरमदा

नरसिंघपूर, होशंगाबाद, नीमार, बैतूल, छिंदवाड़ा॥

(३) क़िस्मत नागपूर

नागपूर, भण्डारा, वरदा, चाँदा, बालाघाट॥

(४) क़िस्मत छत्तीसगढ़

रायपूर, बिलासपूर और सम्भलपूर॥

(३) प्रसिद्ध शहरों का बयान

सागर—सरकारी पल्टन के रहने की जगह है। हंडिया मुसलमानों का पुराना शहर है। बुरहानपूर, ताप्ती नदी पर ख़ान देश का सदर मुक़ाम है। कामटी में सरकारी छावनी है। हींगनघाट रुई की मंडी है। जबलपूर व्योपारिक शहर है। होशंगाबाद, हाशंगशाह का बसाया है, इसके पास की

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

धरती बहुत उपजाऊ है। नागपुर, चीफ़ कमिश्नरी का सदर मुक़ाम है और मरहटों के राज्य में भी राजधानी थी। रामटेक के पान अच्छे होते हैं। वैरागढ़ व सम्भलपुर में हीरे की खान है॥

२८ अण्डमान व नीकोबार द्वीप का बयान

यह द्वीप बङ्गाले की खाड़ी में है। इसमें पोर्टब्लेअर बड़ा आबाद शहर है और इस टापू में हिन्दुस्तान के जन्म क़ैदी भेजे जाते हैं॥

२९ अजमेर व महरवाड़े का बयान

अजमेर व महरवाड़ा, जोधपुर, उदयपुर और किशनगढ़ की रियासतों से घिरे हुए हैं। चीफ़ कमिश्नरी का सदर मुक़ाम अजमेर है—जहां ख़्वाज: मुईनउद्दीन चिश्ती की दरगाह है। नसीराबाद में सरकारी छावनी है। पुष्कर हिन्दुओं के तीर्थ की जगह है॥

३० सूबे बरार का बयान

(१) सीमा

उत्तर में ताप्ती नदी, पूर्व में वरदा, दक्षिण में वैन गंगा और पश्चिम में ख़ानदेश है॥

(२) क़िस्मत और ज़िलों के नाम

इस सूबे में दो क़िस्मत और ६ ज़िले हैं। इसका सदर मुक़ाम अमरावती है।

(१) क़िस्मत पूर्वी बरार	(२) क़िस्मत पश्चिमी बरार
अमरावती, एलिचपुर, वन॥	अकोला, बलडाना, वासिम॥

(३) प्रसिद्ध शहरों का बयान

अमरावती—सदर मुक़ाम है॥

मुरतज़ापुर—रुई की बड़ी मण्डी है॥

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

चकालदा—हवा खाने की जगह है ॥

ग्वालगढ़—का क़िला प्रसिद्ध है ॥

खामगांव—रुई की मण्डी है ॥

अरगांव—में जेनरल विलज़ली, साहिब ने मरहटों को जीता था ॥

३१ कुर्ग का बयान

कुर्ग मलेवार और मैसूर के बीच में है इसमें जंगल और पहाड़ बहुत हैं और इलायची छोटी और क़हवा बहुत होता है और इसका प्रबंध साहिब कमिश्नर बरार के सुपुर्द है और मरकाड़ा सदर मुक़ाम है ॥

३२ रक्षित देशों का बयान

हिन्दुस्तान के रक्षित देश बारह भाग में बटे हैं इनकी आबादी अनुमान से सन् १८८१ ई० में साढ़े पांच करोड़ थी ॥

रक्षित देशों की मुख्य २ राज्यों का संक्षेप हाल ॥

(१) राजपूताना—इसके चारों तरफ़ पंजाब—पश्चिमोत्तर देश—राज्य सेंधिया—हुलकर व गायकवार और सिंध नदी हैं ॥ यहां के निवासी राजपूत हैं जो बहादुरी में मशहूर हैं। यहां मुसलमान और ईसाई बहुत कम हैं—विद्या व हुनर का चरचा भी कम था मगर अब जैपुर व उदयपुर आदि राज्यों में राज की तरफ़ से मदरसे होने से विद्या का चरचा फैलता जाता है—अलवर—बांसवाड़ा—भरथपुर—बीकानेर बूंदी—धौलपुर—डूंगरपुर—जैपुर—जैसलमेर—झालावार—करौला किशनगढ़—मारवाड़ या जोधपुर—मेवार या उदैपुर—परताबगढ़—शाहपुर—टोंक—रज़ीडेन्सी राजपूताना के राज्य हैं—

जैपुर राजपूताना की उत्तरी पूर्बी रियासत है—सब रियास्तों से ज़ियादा दौलतमंद और आबाद है। इसका क्षेत्रफल

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

लगभग साढ़े चौदह हज़ार वर्गात्मक मील है और आबादी २५½ लाख है। शहर जैपुर—हिन्दुस्तान के अच्छे शहरों में गिना जाता है—यहां महाराजा साहिब के महल—राम निवास बाग़—अजायब ख़ाना और घाट जो रमणीक जगह शहर के बाहर पहाड़ों के बीच बाग़ों से सुशोभित है लायक़ देखने के हैं—विद्या व हुनर कालिज व आर्टस स्कूल होने से ख़ूब उन्नती पर हैं—गैस का कारख़ाना भी महाराजा साहिब की तरफ़ से शहर बाहर बना हुआ है—अमेर के महल व क़िला और मशहूर क़िला रन्थम्भौर इसी राज्य में हैं॥

भरतपूर का राज्य आगरे के पश्चिम में है। इसकी आबादी साढ़े छः लाख और क्षेत्रफल लगभग दो हज़ार वर्गात्मक मील है. भरतपूर का क़िला लड़ाइयों के लिये मशहूर है। महाराजा साहब के रहने के महल डीग में हैं॥

अलवर। इस राज्य का क्षेत्रफल तीन हज़ार वर्गात्मक मील और आबादी साढ़े छः लाख से ज़ियादह है। यहां लसवाड़ी मशहूर मैदान लड़ाई का है॥

उदयपूर। अजमेर के दक्षिण में है। क्षेत्रफल साढ़े बारह हज़ार वर्गात्मक मील और मनुष्य संख्या साढ़े चौदह लाख है। यहां राजा साहब का महल देखने के लायक़ है। चित्तौड़ का मशहूर क़िला और नाथ द्वार हिन्दुओं का तीर्थ स्थान इसी राज्य में हैं॥

जोधपुर। यह राज्य राजपूताना के सब राज्यों से लंबा चौड़ा मध्य में है। इसकी आबादी साढ़े सत्तरः लाख और क्षेत्रफल सैंतीस हज़ार वर्गात्मक मील है। जोधपुर राजपूताना के बड़े शहरों में गिना जाता है। नागौर के बैल मशहूर हैं और खट्टो में संगमरमर निकलता है॥

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

टोंक। नवाब साहब टोंक का राज्य है। इसके सिवाय राजपूताना में मुसल्मानों का राज्य नहीं है। इस का क्षेत्रफल अढ़ाई हज़ार वर्गात्मक मील और आबादी साढ़े चार लाख है॥

(२) हैदराबाद का राज्य सब रक्षित देशों से लंबा चौड़ा आबाद और अच्छा है। यह राज्य उत्तर में मध्यदेश से दक्षिण में हाते मदरास से और पश्चिम में हाते बम्बई से घिरा है। इस का क्षेत्रफल ८४ लाख वर्गात्मक मील और आबादी नव्वे लाख है। शहर हैदराबाद मूसा नदी पर है और नवाब साहब के रहने की जगह है। सिकंदराबाद और बुलारम फ़ौजी छाउनियां हैं और उरंगल तलतगाना के रहने की जगह थी॥ गुलबर्गा में बहुत से क़बर हैं॥ रायचूर मदरास रेलवे का अख़ीर स्टेशन है॥ दौलताबाद या देवगढ़ में एक मज़बूत पहाड़ी क़िला है। असाई मशहूर मैदान लड़ाई का है। एलौर और एजेंटा के मन्दिर मशहूर हैं। जालना फ़ौजी छावनी थी यहां के बिदर के हुक़्क़े और पानदान मशहूर हैं॥

(३) बुंदेलखंड। यह रीवां के पश्चिम में है। इसका बड़ा हिस्सा अंगरेज़ी अमल्दारी में शामिल है। इस में ३५ रियासतें हैं जिनमें से मुख्य ९ उर्छा दतिया, पन्ना, और अजयगढ़ हैं। पन्ना के हीरे मशहूर हैं और उर्छा का राजा बुंदेलों का सर्दार समझा जाता है॥

(४) अमल्दारी बड़ोदा या गायकवाड़ में गुजरात का बड़ा हिस्सा मिला है। यह राज्य अहाते बंबई में है। शहर बड़ोदा महाराजा साहब की राजधानी खंभात की खाड़ी के पूर्व है। इसकी आबादी डेढ़ लाख है॥

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

(५) मैसोर का राज्य पचास साल तक सर्कार अंगरेज़ी के अधिकार में रहा और बाद को सन् १८८१ ई० में महाराजा चामराज ओडेर को दी गई । इस राज्य का क्षेत्रफल पचीस हज़ार वर्गात्मक मील और आबादी पचास लाख है । यहां कम्मल अच्छे बुने जाते हैं । क़ालीन और दुशाले भी तैयार होते हैं और चंदन की लकड़ी पर अच्छा बेल बूटा काढ़ा जाता है । कोलार के ज़िले में सोना निकलता है । इस में ३ क़िस्मतें और आठ ज़िले नीचे लिखे बमूजिब हैं ॥

१ क़िस्मत नन्दीबर्ग
बंगलौर, कोलार, तमकूर ॥
२ क़िस्मत अश्टगराम
मैसोर, हासन ॥
३ क़िस्मत नगर
सैमोगा, चतलड्रिग कग-डोर ॥

बंगलौर बड़ा शहर और छाउनी है । यहां की आबहवा बहुत अच्छी है । कोलार हैदर अली ख़ां का जन्मभूमि है और तमकूर सदर मुक़ाम ज़िला तमकूर का है । मैसोर महाराजा साहब के रहने की जगह है । श्रीरंग पट्टन का क़िला मशहूर है । गंजाम में हैदर अली ख़ां और टीपू सुल्तान के क़बर हैं । सैमोगा सदर मुक़ाम सैमोगा है । चतलड्रिग में मशहूर क़िला है ॥

(६) लोकल गवर्नमेंट आसाम के संबन्धी रियासत मनीपूर है जो कच्छ और ब्रह्मा के बीच में है । इसकी आमदनी साठ हज़ार रुपया सालाना है और इसका सदर मुक़ाम मनीपुर है ॥

(७) गवर्नमेंट बंबई की संबन्धी रियासतें । अहाते बंबई में छोटी २ रियासतें बहुत हैं जिनका क्षेत्रफल बहत्तर हज़ार वर्गात्मक मील और अबादी नव्वे लाख है । मुख्य २ रियासतें

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

यह हैं। १ कच्छ इस में भुज बड़ा शहर है और मंडवी बन्दरगाह है। २ काठियावार इसमें राजकोट बड़ा शहर और पूर बंदर बंदरगाह है। द्वारका जी और सोमनाथ के मशहूर मंदिर इसी राज्य में हैं। जूनागढ़ के पास गिरिनार की पहाड़ी पर जैनमत वालों के बहुत से मंदिर हैं। ३ कोलापूर। ४ सावन्तवाड़ी। ५ जूनागढ़। ६ फाजनगर। ७ नवानगर। ८ खंभात। ९ खैरपूर। १० रीवां कांटा। ११ माही कांटा।

(८) गवर्नमेंट मदरास की संबन्धी रियासतें। १ रियासत कोचीन, ट्रावनकोर और मलेबार के बीच में है, राजधानी अमीर नाकलम है। २ रियासत ट्रावनकोर, कोचीन से राजकुमारी तक चली गई है, यहां काली मिर्च और इलायची बहुत पैदा होती है, आबादी तेईस लाख है, उस में से एक लाख ईसाई यहां बसते हैं। ट्रावनड्रम राजधानी क्वीलान पलटन के रहने की जगह और अल्फ़ी बंदरगाह है। ३ पडूकोटा की छोटी रियासत तञ्जूर के दक्षिण व पश्चिम में है यह रियासत महाराजा तोंडीमान कहलाती है।

(९) गवर्नमेंट बंगाला की संबंधी रियासतें—इनका क्षेत्रफल ४० हज़ार मील मुरब्बा और आबादी २५ लाख है १ रियासत कूचबिहार, भूटान के दक्षिण में है—इसकी आमदनी सात लाख है—कूचविहार मशहूर शहर है। २—शिकम की पहाड़ी रियासत भूटान और नैपाल के बीच में है॥

(१०) पश्चिमोत्तर देश की संबन्धी रियासतें। १ रामपूर की छोटी रियासत रोहेलखण्ड में है—यहां बहुत से रुहेले अफ़गान आबाद हैं—रामपूर कोसिला नदी पर राजधानी नवाब साहिब रामपुर है। २ रियासत गढ़वाल कमाऊं और

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

सरकारी गढ़वाल के उत्तर व पश्चिम में है—टेहरी बड़ा शहर है ॥

(११) गवर्नमेंट—पंजाब की संबंधी रियासतें। पंजाब में ३६ छोटी रियासतें हैं—पटयाला सब से लंबा चौड़ा और आबाद है—कशमीर रियासत महाराजा साहिब जम्मूं है इसके चारों ओर पहाड़ हैं, यहां एक तरह का बकरा होता है जिसके बाल की शाल बनाते हैं, कशमीर का कागज़, अतर और केसर मशहूर है श्री नगर झेलम नदी पर राजधानी और लीज बड़ा शहर है—यहां ऊन का ब्यो· पार बहुत होता है। ३६ रियासतों के नाम यह हैं–पट-याला—नाभा—कपूरथला—झींद—फ़रीद कोट—मालेर-कोटला—कलीसा—दूजाना—पाटोदी—लोहारू—भावलपूर मांडीचंबा—नाहन—बिलासपूर-बशहर—नालागढ़—सुकेत केवनथल—बाघल-जबल—भाजी—कम्हारसेन—मीलोग बाग़ात-बलसना—कूथर-धामली—नरवच—सिंगरी—कोन्हयार भीजा—मंगल—रवाई—दरकूटी और वाघी ॥

(१२) मध्यदेश की संबन्धी रियासतें—यह रियासतें गिती में ७१ हैं जिनमें से ३५ तो बुंदेलखंड में हैं इनका क्षेत्रफल ८६ हज़ार बर्गात्मक मील और आबादी ६२ लाख है। १ रियासत रीवां पूर्वी रियासत है बांधोगढ़ का मशहूर क़िला इसी रियासत में है। २ रियासत ग्वालियर या अमलदारी महाराजा सेंधिया उत्तरी रियासत है–ग्वालियर राजधानी है—यहां महाराजा साहिब का बाग़ जो अभी तैयार हुआ है देखने के लायक़ है—यहां कपड़ा अच्छा रंगा जाता है—मुरार अंगरेज़ी छावनी है। उज्जैन महाराजा बिक्रम की राजधानी बड़ा शहर है। नरोर के पास अबुल फज़ल

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

मारा गया था—चंदेरी की पगड़ी मशहूर है। भेलसा का तंबाकू अच्छा होता है॥

(१३) मालवा की रियासतें—दक्षिण में हैं इसमें रियासत हुलकर या इन्दौर, भोपाल, धार और देवास बड़ी रियासतें हैं—इन्दौर महाराजा हुलकर की राजधानी है—मंदलेश्वर के पास—ओंकारनाथ महादेव जी का मशहूर मंदिर है—भोपाल का तालाव मशहूर है। सीहोर में भूपाल के एजेन्ट साहिब रहते हैं॥

३३ स्वाधीन राज्यों का बयान

(१) नेपाल

इसके उत्तर में हिमालय पहाड़, पूर्व में शिक्कम व भूटान, दक्षिण में अवध और बङ्गाले के ज़िले और पश्चिम में काली-नदी। राजधानी काठमाण्डू है। ललितापट्टन और गोरखा अच्छे शहर हैं॥

(२) भूटान

उत्तर में हिमालय पहाड़, पूर्व में चीन, दक्षिण में आसाम, पश्चिम में शिक्कम। इसकी राजधानी तासी सूदन है॥

३४ अन्य देशीय राज्य

फरासीसियों के राज्य की राजधानी—चंद्रनगर है। इनके पास पाण्डिचेरी व कारीकाल—जो करनाटक के किनारे पर हैं, माही जो मलाबार के किनारे पर है और यानाम जो गोदावरी के ज़िले में है—हैं॥

पुर्तगालवालों—के राज्य की राजधानी गोआ है। इनके पास गोवा, डेमन और ड्यू हैं जो अहाता बम्बई में हैं॥

१—सूचना— दूसरे मुल्कों से आनेवाले असबाब ऊनी और सूती कपड़े, चाकू, कतरनी शीशे के बरतन और किताबें आदि हैं॥

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

दूसरे मुल्कों को जानेवाली चीज़ें — रुई, अफ़ीम, नील, रेशम, शक्कर शोरा और मसाले हैं ॥

२—सूचना—जो कलकत्ते से किराची को जहाज़ जाय तो नीचे लिखे हुए बन्दरों में होकर जायगा— कलकत्ता—बालाशोर—पुरी या जगन्नाथ—गोपाल-पुर—बमलीपट्टम—विज़ागापटम—कोकोनाडा—कोरंगा—मछलीपट्टम—मदरास—पाण्डिचेरी-कडालूर-चंकोवार—नागापटम—तूतीकोरन—कोलाचल—क्वीलान—एलप्पी—कोचीन—बेपूर-कालीकट-तिलेचरी-कनानोर-मंगलौर—हुनावर—कमटा—कनावर—विंगुरला—रत्नागिरी—बंबई—सूरत—भड़ोंच-खम्भात—गोगो—पुरबन्दर-माण्डवे और किरांची ॥

३—सूचना—अंगरेज़ों के हवा खाने की जगह शिलांग—दारजिलिंग—हज़ारीबाग़—नैनीताल—पञ्चम—लनढौरा—शिमला—मरी—आबू—महाबलेश्वर—उटकमण्ड और मनसूरी हैं ॥

४—सूचना—प्रसिद्ध क़िले यह हैं—मदरास—बंबई—कलकत्ता—चुनार—इलाहाबाद—आगरा—दिल्ली—लाहोर—मुलतान—अटक—ग्वालियर और चित्तौर ॥

५—सूचना—कलों से कपड़ा इन जगहों में बुना जाता है-मदरास—बंबई—भड़ोंच—अहमदाबाद-इन्दोर-नागपूर—कानपूर—और कलकत्ता ॥

६—सूचना—अकबर बादशाह के राज में १६ सूबे थे जिनके नाम यह हैं—१ लाहोर २ मुलतान ३

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

अजमेर ४ आगरा ५ दिल्ली ६ अवध ७ इलाहाबाद ८ बिहार ६ बङ्गाल १० उड़ीसा ११ मालवा १२ गुजरात १३ सिन्ध १४ बरार १५ ख़ानदेश १६ बीजापुर १७ औरंगाबाद १८ हैदराबाद १९ उत्तरी सरकार ॥

७—सूचना—जोधपुर में संगमरमर की खान है ॥

जबलपुर, सिलहट, रानीगञ्ज, हुगली, बीरभूमि, आसाम छोटा नागपुर और बालाशोर में कोयला निकलता है ॥

पिण्डदादनख़ां में सेंधे नमक की खान है ॥

कालाबाग़, शाहबाद, कच्छ और जैपुर में फिटकरी की खान है ॥

गोलकुण्डा, पन्ना, शाहाबाद, सम्भलपुर, गन्टूर, और वेरागढ़ में हीरा और बढ़िया पत्थर निकलते हैं ॥

वेनाद और बहुत सी नदियों के बालू में सोना मिलता है ॥

सिलहट, ग्वालपूर, बीरभूमि, आसाम, सम्भलपूर, नागपूर, कच्छ और मनीपूर में लोहे की खान है ॥

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

१-फ़रंगिस्तान या यूरप का बयान

यह महाद्वीप पूर्वी गोलार्द्ध के वायव्यकोण में है, और सब महाद्वीपों से विद्या, ताक़त, दस्तकारी, हुनर, इज़्ज़त और लियाक़त में बड़ा है, परन्तु बिस्तार में सब से छोटा है, इसकी आबादी अनुमान से साढ़े तेंतीस करोड़ है, और क्षेत्रफल ३८ लाख बर्गात्मक मील है॥

२ सीमा

उत्तर में उत्तर महासागर, पश्चिम में अटलान्टिक महासागर, दक्षिण में रूम सागर, मारमोरा सागर, काला सागर, और काकेशस पहाड़ हैं, और पूर्व में ख़िज़्र सागर, यूराल नदी, और यूराल पहाड़ हैं॥

३ आबो हवा

यूरप की आबो हवा सम और सुहावनी है, उत्तरी हिस्सों में सर्दी और दक्षिणी में गर्मी रहती है॥

४ देशों के नाम

नाम देश	राजधानी	नाम देश	राजधानी
नारवे	क्रिसचेनिया	स्विटज़रलैंड	बर्न
स्वीडन	स्टाकहोम	प्रशिया	बरलिन
रूस	सेन्टपिटर्सबर्ग	बेलजियम	ब्रूसल्स
इंगलैण्ड	लन्दन	हालैण्ड	एमस्टरडाम
स्काटलैण्ड	एडिनबरा	आस्ट्रिया	वेना
आयरलैण्ड	डबलिन	इटली	रोम
फ्रान्स	पेरिस	यूरपी रूम	क़ुस्तुनतुनियां
स्पेन	मेडरिड	यूनान	एथिन्स
पुर्तग़ाल	लिसबन	डेनमार्क	कोपिनहेगिन

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

५ समुद्र व खाड़ी

उत्तर के ओर

उत्तरी श्वेत समुद्र—रूस के उत्तर में है॥

दक्षिण के ओर

लायन्स का खाल, फ़्रान्स के दक्षिण में है॥

रूम सागर या फ़रंगि या भूमध्य सागर—अफ़्रिका और यूरप के बीच में है। नेपिल्स की खाड़ी इटली के पश्चिम में और टारन्टो को खाड़ी दक्षिण में है॥

एड्रियाटिक समुद्र या वेनिस का खाल इटली और रूम के बीच में यूनान सागर यूनान और एशिया कोचक के बीच में है॥

मारमोरा सागर रूम और एशिया कोचक के बीच में है

काला सागर और आसफ़ या आज़व सागर रूस के दक्षिण में हैं। कास्पियन या ख़िज़र सागर रूस के अग्नेय कोण में है।

पश्चिम के ओर

जरमनी का समुद्र या उत्तरी समुद्र नारवे और ब्रिटानिया के बीच में। बालटिक समुद्र रूस और स्वीडन के बीच में। बाथनिया वा फ़िनलैण्ड की खाड़ी बालटिक समुद्र के भाग हैं। केटेगाट और स्केगररैक, बालटिक व जरमन सागर के बीच में। आयरलैण्ड समुद्र और नहर सैन्टजार्ज, आयरलैण्ड और ब्रिटिन के बीच में। इंगलैण्ड का नहर इंगलिसतान और फ़्रान्स के बीच में, फ़्रान्स की खाड़ी या बिस्के का खाल फ़्रान्स के पश्चिम में॥

६ मुहाने

उत्तर के ओर

सौण्ड, ज़ीलैण्ड और स्वीडन के बीच में॥

दक्षिण के ओर

मसीना, इटली और सिसली के बीच में। बोनीफ़ेशियो का मुहाना, कारसिका और सारडीनया के बीच में है॥

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

जिबरालटर स्पेन के दक्षिण में और ओट्रेन्टो, इटली और रूम के बीच में ॥

पूर्व के ओर

कुस्तुन्तुनिया या बस्फ़ोरस, मारमोरा और कालेसागर के बीच में। काफ़ा काले सागर और आसफ़ सागर के बीच में ॥

पश्चिम के ओर

डोवर, जरमन सागर और इंगलिस्तानी नहर के बीच में ॥

७ झील

लेडोगा और ओनेगा रूस में। वेनर और वेटर झील, स्वीडन में। विन्डरमोअर, डरवेन्टवाटर इंगलिस्तान में। बाला झील वेल्स में। नोह, री, और ड्रिग, आयरलैण्ड में। झील लोमन्ड, केट्रन, और आ, स्काटलैण्ड में। बेलेटन झील आस्ट्रिया में। जेनेवा, न्यूशेटिल, कान्सटेन्स ज़्यूरिच, लूसर्न झील स्विटज़र लैण्ड में। मेजोर, कोमो और गार्डा इटली में हैं ॥

॥ ८ नदी ॥

पता	नाम नदी	उद्गम	मुहाना	लम्बाई	प्रसिद्ध नगर
रूस में	पिचोरा	यूराल	उत्तरी श्वेत समुद्र	९००	इस्कोबियापा॥
तथा	डुविना उत्तरी	रूस के मैदान से	तथा	७००	आर्कैन्जिल-डेलगेडा ॥
तथा	डुविना दक्षिणी	तथा	तथा बाल-टिक समुद्र	५००	रिगा ॥
तथा व प्रुशिया	विसचुला	कारपेथियन	बालटिक समुद्र	६३०	क्रेको, वारसा, डेनज़िग ॥

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

पता	नाम नदी	उद्गम	मुहाना	लम्बाई	प्रसिद्ध नगर
जरमनी	ओडर	कारपेथियन	बालटिक समुद्र	५५०	ब्रेसला ॥
बोहेमिया व जरमनी	एल्ब	रीज़न जीब्रज	जरमन समुद्र में	६००	हेम बर्ग—ड्रेस डन ॥
जरमनी	वीज़र	हर्ज़ पहाड़	,,	३८०	ब्रन्ज़विक—हानोवर—ब्रीमेन ॥
स्विटज़रलैंड, जरमनी हालैंड	राइन	आलप्स	,,	६६०	लॉडिन—यूट्रेक्‍ट—कोलोन—एस-ट्रेसबर्ग ॥
इंगलिस्तान	टेम्स	काट्सवाल्ड पहाड़	,,	२१५	ग्रीनिच—लन्दन—विण्डसर—आक्सफ़ोर्ड ॥
फ्रान्स	सेन	ब्लैंक पहाड़	नहर इंगलिस्तान	४७०	पैरिस, रोयन ॥
,,	लोआर	स्वेनेज़	बिस के का खाल	६००	आरलीन—नैन्ट्ज़ ॥
,,	गेरोन	परेनीज़	तथा	३५०	बोरडो—टोलूज़ ॥

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

स्पेन	डीरो	स्पेन के पहाड़	अटलानटि०सा०	४६०	ओपोरटो—वेलाडोलिड ॥
तथा	टेगस	तथा	तथा	५१०	लिसबन—टोलिडो ॥
तथा	ईब्रो	तथा	रूम सागर में	४२०	सरागूसा ॥
फ्रांस	रोन	आल्पस	,,	५३०	एविगनन—लायन—जेनोआ ॥
इटली	टाइबर	एपिना इन्स	तथा	२१०	फ्लोरेन्स ॥
इटली	पो	आल्पस	एड्रिया टिकस: में	४५०	∴
जरमनी-आस्ट्रिया सरविया व बलगेरिया में	डेन्यूब	श्वार्ज़ वाल्ड	काला सागर	१६२०	रसचक—बिलग्रेड—पेस्ट—विएना ॥
रूस	नीसटर	कारपेथियन	तथा	७००	एकरमान ॥
तथा	नीपर	मैदान रूस	तथा	१२००	चरसन—क्यू—स्मोलिंस्क ॥
तथा	डोन	तथा	आसफ़ सागर	११००	वोरोनेज
तथा	वालगा	वालडाइ	ख़िज़र सागर	२:००	असट्राख़ान-निजनी नोवा गोरड॥
तथा	यूराल	यूराल	तथा	११५०	ओरन बर्ग ॥

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

६ पहाड़

पश्चिमी आल्प्स पहाड़ फ़ान्स और इटली के बीच में। मध्य आल्प्स जिसकी सब से ऊंची चोटी बलैंङ्क पहाड़ है—स्विटज़रलैंड के दक्षिण में है॥

पूर्वी अल्प्स आस्ट्रिया के दक्षिण में। डावर फ़ील्ड, स्केनडिनेविया प्राय द्वीप में। नार्थ हाइलैण्डज़ या ग्रैम पियन स्काटलैण्ड में। कोहिस्तान पिनायन, कैमब्रीअन, डिवोनियन, इंगलिस्तान में। शिवट की पहाड़ी, इंगलिस्तान और स्काटलैण्ड के बीच में कारपेथियन आस्ट्रिया के ईशान में। पेरीनोज़ या जबलुल अब्वाब, केसटाइल और सेरानवेडा, स्पेन में। एपिनाइन्स, इटली में। काकेसस, खि़ज़र सागर और काला सागर के बीच में है॥

१० द्वीप

उत्तर सागर में—

नोवाज़ेन्बला, इसपिट्ज़—बरजिन, और लिफ़ोडन हैं॥

बाल्टिक समुद्र में—

फ़्युनन, ज़ीलैण्ड, ओलैण्ड गाटलैण्ड, ओज़ल, डेगो और एलैण्ड हैं॥

रूम सागर में—

बिलारिक (इसके मुख्य भाग मेजारिका और मेनारिका हैं) कारसिका, सारडिनियां, सिसली और माल्टा हैं॥

अटलानटिक महा सागर में आईसलैण्ड या बर्फ़स्थान ब्रिटानियां द्वीप, और आयरलैण्ड हैं॥

यूनान समुद्र में—निग्रोपान्ट सोक्लेडोज़ और क्रीट हैं॥

११ प्राय द्वीप

उत्तर पश्चिम के ओर स्केनडिनेविया यानी नारवे और स्वीडन, लापलैण्ड, डेनमार्क जटलैण्ड और कोटेनटिन हैं॥

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

दक्षिण पश्चिम के ओर आईबीरियन, अर्थात् स्पेन व पुर्तगाल, इटली, रूम, यूनान, मोरिया और क्रीमिया हैं॥

१२ अन्तरीप

उत्तर के ओर

उत्तरी अन्तरीप नारवे के उत्तर में॥

दक्षिण के ओर

स्पारटी विन्टो—इटली के दक्षिण में। मटापान, यूनान के दक्षिण में॥

पश्चिम के ओर

नेज़ अन्तरीप—नारवे के दक्षिण में। स्का—डेनमार्क के उत्तर में—क्लियर अन्तरीप आयरलैण्ड के दक्षिण में। फ्लेमबोरी व फ़ोरलैण्ड इंगलिस्तान के पूर्व में। नीडिल्स व लिज़ार्ड दक्षिण में। और लैण्ड स एण्ड अन्तरीप नैऋत में (ट्रैफ़लगिर स्पेन के नैऋत में। फ़िनिस्टर व टेरीफ़ा, स्पेन में। और सेन्टबिन सेन्ट और रोका, पुरतगाल में हैं॥

१३ देशों के मुख्य भाग और प्रसिद्ध नगर

(१) स्वीडन व नारवे

स्वीडन व नारवे अलग २ देश हैं—जिनके बीच में डावर फ़ील्ड पर्वत है किन्तु वह दोनों देश एकही राजा के आधीन हैं—और यूरप के उत्तर पश्चिमी कोने में हैं—पूर्वी भाग को स्वीडन और पश्चिमी भाग को नारवे कहते हैं—इन में छोटी २ नदियां और झील अधिक हैं—आबोहवा इङ्गलिस्तान से अधिक ठंडी है—नारवे की राजधानी क्रिसचेनिया है और यहां बड़ी पाठशाला अर्थात यूनीवर्सिटी है—बरजिन और ड्रनथियम बन्दर हैं। कांग्सबर्ग में चांदी की खान है-अपसाला पुराना नगर है-इस में यूनीवर्सिटी अर्थात् बड़ी पाठशाला है—कार्लसक्रोना जहाज़ी फ़ौज का

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

मुख्य स्थान है—गाटिनवर्ग बन्दर है यहां से लकड़ी और लोहा दूसरे देशों को जाता है ॥

(२) रूस

इस देश से यूरप का आधे से अधिक पूर्वी भाग घिरा हुआ है—इस में बड़े २ चौरस मैदान जो बाल्टिक सागर व काले सागर व कास्पियन सागर के पास २ ढालू होते जाते हैं हैं। गर्मी और सरदी अपनी २ ऋतुमें अच्छी होती है—आमदनी व ख़र्च सन् १८८६ ई० में (अठासी) करोड़ के लग भग और क़ौमी क़रज़ा (राज्य पर क़रज़) ५ अरब से अधिक था—फ़ौज का अनुमान सन् १८८४ ई० में २२ लाख लड़ाई के समय (७) लाख सत्तर हज़ार (७७००००) सुलह के समय था—राजा को ज़ार वा शहनशाह रूस कहते हैं देश का सब बंदोवस्त जँगी क़ायदों से होता है। रूस की राजधानी नेवा नदी पर सेन्टपिटर्सबर्ग है—आरकेन्जिल स्वेत समुद्र पर-उडेसा काले सागर पर और रिगा बालटिक समुद्र पर बन्दर हैं मास्को पहले ज़माने में रूस की राजधानी थी—क्रान्सटेड वालटिक के—और सिबास्टोपोल काले सागर के समुद्री सेना के मुख्य स्थान हैं—निजनी नोवा गोराड का मेला यूरप में सब से बड़ा होता है—आस्ट्राखान, स्टरजिन मछली के शिकार का प्रसिद्ध स्थान है ॥

(३) ग्रेटब्रिटन और आयरलैण्ड

ग्रेटब्रिटनऔर आयरलैण्ड, में इङ्गलैण्ड, वेल्स व स्काटलैण्ड के द्वीप और आयरलैण्ड का द्वीप जो इङ्गलैण्ड के पश्चिम में है शामिल हैं पृथ्वी भर के बहुत से देश इस राज्य के आधीन हैं और यह देश सब ब्रिटिश एमपायर कहलाते हैं—इंगलैण्ड को स्काटलैण्ड से शीवट पहाड़ी और

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

ट्वीड नदी अलग करती है—इस में टेम्स और सेवर्न बड़ी नदियां और विनडरमीअर बड़ी झील है—खाने की चीज़ें अधिकता से होती हैं व्योपार और दस्तकारी अधिकता से होती है रेल और नहर देश २ में जारी हैं—आबोहवा मातदिल (मध्यम) है ॥

इङ्गलैण्ड ४० स्काटलैण्ड ३३ वेल्स १२ और आयरलैण्ड ३२ कौनटी या शायर में बटे हुए हैं। लन्दन, टेम्स नदी पर इङ्गलैण्ड की राजधानी है, धन दौलत और व्योपार में एकही है, और मुख्य प्रसिद्ध मकानात यहां के ये हैं— टावर, रायलएक्सचेञ्ज, इंगलैण्ड का बैंक, सेन्टपालसकैथी—डरेल, पारलीमिन्ट के महल और वेस्टमिन्सटरएबी हैं, यहां टेम्स नदी का पुल है जिस्के नीचे से जाने का रास्ता है और नदी ऊपर बहती है, यहां से ६ मील की दूरी पर ग्रीनिच है जो आबज़रवेटरी यानी सितारों के देखने के कल के लिये मशहूर है, इसी जगह के मध्य रेखा से भूगोल वाले देशांश की गिनती करते हैं। विण्डसर जो टेम्स नदी पर है, यहां का क़िला बहुत अच्छा और शिकारी मुक़ाम है, जो बादशाह विलियम बिजे के समय से इंगलिस्तान के बादशाहों की ख़ास रहने की जगह है। लिवरपूल, दूसरे दरजे का, हल तीसरे दरजे का और ब्रिसटल चौथे दरजे का तिजारती शहर है। डरहम, आक्सफ़ोर्ड और केमब्रिज यूनीवरसिटी के लिये मशहूर हैं। यार्क पुराना शहर है और यहां का गिरजा प्रसिद्ध है। न्यूकैसिल शीशे के बरतन और कल आदि के दस्तकारी के लिये मशहूर है और इस में कोयले की खान है। नारविच और लीड्ज़, आस पास के ज़िलों सहित ऊन के लिये और नाटिनघाम, लीस्टर और

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

डरबी, मोज़े और फ़ीते वग़ैरः के लिये और शेफ़ील्ड चाकू छुरी आदि के लिये, स्टैफ़ोर्ड और नार्थम्पटन चमड़े के लिये, बरमिघाम शीशे के बरतन के लिये और मैनचिस्टर आस पास के ज़िलों सहित सूती कपड़े के लिये मशहूर हैं। जितना सूती असबाब सारे इंगलैण्ड में बनता है उसका ४/५ भाग यहां तैयार होता है। डंकास्टर की घुड़दौड़ मशहूर है लिन्कन और लंकास्टर का गिरजा नामी है। कन्टरबरी अंगरेज़ों का पवित्र शहर है। पोर्टस्मथ, प्लेमथ, उलिच, चेथम, और डेवनपोर्ट समुद्री सेना के मुख्य स्थान हैं, और पहले दो शहरों में जहाज़ बनाये जाते हैं। सौथम्पटन बन्दर है और ब्रिण्डज़ी के डाक के जहाज़ों की रवानगी का मुख्य स्थान है। न्यूपोर्ट भी बन्दर है। वेल्स में होली हेड का लंगर-गाह और पेम्ब्रूक का सरकारी जहाज़ ख़ाना मशहूर है। मरथर टेडविल सब से बड़ा शहर लोहे और कोयले के काम के लिये मशहूर है। स्वान्सी और कारडाफ़ मशहूर बन्दर हैं॥

स्काट लैण्ड पहाड़ी देश इंगलैण्ड के उत्तर है, इस का किनारा–इङ्गलैण्ड से ज़ियादा दन्दानादार (कटाफटा) है और आबोहवा बहुत ठंढी है। एडिनबरा स्काटलैण्ड की राजधानी है और पर्थ भी किसी समय मेंबड़ा नगर था। स्टरलिंग, बादशाहों का निवासस्थान था। ग्लासगो और सेन्ट एनड्रूज़ यूनीवरसिटी के लिये प्रसिद्ध हैं। पेज़ली, के दुशाले अच्छे होते हैं। किलमरनाक क़ालीन व ऊनी असबाब के दस्तकारी के वास्ते मशहूर है। लीथ, डण्डी, एबरडीन, ग्रिनाक, और पोर्टपेट्रिक बन्दर हैं॥

आयरलैण्ड इङ्गलैण्ड के पश्चिम स्काटलैण्ड से बहुत घना बसा हुआ है, और आबोहवा मरतूब (सीली) है। डबलिन

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

लीफ़ी नदी पर आयरलैण्ड की राजधानी है—यहां अच्छे२ मकान बने हैं। आरमा पवित्र नगर है। बेनफ़ास्ट, में सन का कपड़ा बनता है। किलकिनी, में सँगमूसा की खान है, किंगसटौन, डाक के धुएँ के जहाज़ों का मुख्य स्थान है। पैम्ब्रूक के बन्दर में फ़ीते की दस्तकारी होती है। लन्डन-डरी, न्युरी, डण्डक, ड्रोगेडा, वेक्सफ़ोर्ड, वाटरफ़ोर्ड, कार्क, डोनागेडी, और गाल्वे मुख्य बन्दर हैं। क्वीन्सटौन में लड़ाई का सामान रहता है॥

(४) फ़ान्स

फ़ान्स यूरप के पश्चिम में है, डोवर का मुहाना फ़ान्स और इङ्गलैण्ड को अलग करता है यह देश चौरस है किन्तु बीच और सीमा पर के भागों में पहाड़ी और पर्बत हैं सेन, लोआर, गेरोन, और रोन बड़ी २ नदियां हैं इनके सिवा बहुतसी छोटी २ नदियां भी हैं—आबोहवा इङ्गलिस्तान से गर्म है और पैदावारी भी वैसी ही है किन्तु जंगल और जंगली पशु भी अधिकता से मिलते हैं—खेती व दस्तकारी और व्यौपार की बढ़ती है—सब देश ८६ भागों में बिभागित है और केवल उन्हीं नदियों के नाम से प्रसिद्ध हैं जो उन में प्रवेश होकर बहती हैं। राजधानी पैरिस आबादी और सुन्दरता और बिस्तार के कारण यूरप में दूसरे दरजे का नगर है और असबाब शौक़िया और खुबसूरत के दस्तकारी के लिये मशहूर है। लील, कपड़े व क़ालीन के लिये, रोयन, कपड़े और रुई के लिये और आरलीन कपड़े के लिये, सेन्ट इटली लोहे और रुई के काम के वास्ते, क्रिसी और एजिनकोर्ट लड़ाई के वास्ते मशहूर हैं। डनकर्क, बोलोन, हावर, नैनटस, बोरडो और मारसेल्स

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

मुख्य बन्दर हैं। चरबर्ग, ब्रेस्ट और टोलोन समुद्री सेना की जगह हैं। अजेशियो, नेपोलियन बोनापार्ट की जन्म॰ भूमि है॥

(५) स्पेन

स्पेन फ्रान्स के दक्षिण पश्चिम की ओर कम आबाद रा- ज्यों में से है—प्राकृत पैदावार अमोल और तरह २ के हैं मगर बार बरदारी के कमी के कारण इनकी बढ़ती नहीं होती। यहां दो बड़ी नदियां हैं डोरो और टेगस और भि- न्न २ भागों की आबोहवा भी भिन्न २ है उत्तरी भाग मध्यम पश्चिमी गर्म और बीच का भाग गर्मी में अधिक गर्म और सर्दी में अधिक ठँढा रहता है—सब देश के अब ४६ भाग हैं पहिले १३ थे॥

उत्तर में कोरन्ना जहाज़ी जगह है। सलेमेन्का में पुरानी यूनीवरसिटी है। टोलिडो, टेगस नदी पर पहले समय में राजधानी थी और यहां की तलवार मशहूर है। सेविल में कोलम्बस की क़बर है। कारडोवा, मूर्स की राजधानी थी ग्रेनेडा, में लाल महल मशहूर है। केडिज़, मेलेगा और बा- रसीलोना, मशहूर बन्दर हैं। कारटेजीना में लड़ाई का सामान रहता है। वेलनशिया रेशमी काम के लिये प्रसिद्ध है जबरालटरका बन्दर व क़िला अंगरेज़ों के पास है। सरा- गुसा, सन् १८०८ ईसवी के लड़ाई के लिये मशहूर है॥

(६) पुर्तगाल

यह छोटा देश स्पेन के पश्चिम में है—अंगूर—नारंगी नीबू बादाम और अंजीर अधिकता से होते हैं—विद्या और व्योपार बहुत कम है और इस देश के ७ भाग हैं। इस की लिसबन राजधानी टेगस नदी पर है। ओपोरटो,

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

डोरो नदी पर बन्दर है यहां से शराब दूसरे मुल्कों का जाती है। काइमबरा में यूनीवरसिटी है। सीताबाल में नमक का काम होता है॥

(७) स्विटज़रलैण्ड

यह पहाड़ी देश फ्रान्स—जरमनी—आस्ट्रिया और इटली के बीच में है नदी और झील बहुत हैं—यहां के मनुष्य मेहनती और किफ़ायती होते हैं—विद्या की बढ़ती है—देश २२ भागों में (जिन्हें कैनटन कहते हैं) बिभागित है॥

बर्न, स्विसडाइट अर्थात् गवर्नमेंट की सभा का मुख्य स्थान है। बेल बड़ा व्योपारिक नगर है। न्यूशेटिल और जनेवा में जेबी और घर्म्मघड़ियां अच्छी बनती हैं। ज़्यूरिच में रेशम की दस्तकारी होती है॥

(८) राज्य जरमन

इस राज्य में जरमन भाषा बोलने वाले लोग शामिल हैं और सब राज्य जो इस राज्य में मिले हैं बादशाह प्रुशिया के आधीन हैं जिसके अधिकार में देशी और लड़ाई के मामले हैं। राइन—एल्ब—ओडर—और डेन्यूब बड़ी नदियां हैं। इस राज्य के सब छोटे वा बड़े मिलकर २८ भाग हैं जिनमें से मुख्य २ प्रुशिया, बवेरिया वरटमबर्ग, सैक्सनी, सूबजात बडन व हिस्सो, ओलडनबर्ग, मेकलनबर्ग ब्रज़्ज़विक, सैक्सीवेमर, सैक्सीकोबर्ग और स्वाधीन नगर हेमबर्ग, ब्रोमेन और ल्यूबिक हैं। बरलिन प्रुशिया की राजधानी है और यहां यूनीवरसिटी है और यहीं जरमन पारलीमेन्ट का सदर मुक़ाम है। पोट्सडम, शाह प्रुशिया या शाहनशाह जरमन के रहने की जगह है। मीमल, कांसबर्ग, डेनज़िग और हेम्बर्ग व्योपार के शहर और प्रसिद्ध बन्दर हैं॥

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

कोलोन और मेगडीबर्ग, व्योपारिक शहर हैं और कपड़े और चीनी के बरतनों की दस्तकारी के लिये मशहूर हैं। अक्सलाशिपल में सन् १८४४ ई० में सुलहनामा इङ्गलिस्तान व जरमन आदि से हुआ था, यहां गर्म पानी के सोते हैं। हेनोवर—सूबे हेनोवर की राजधानी थी—यहां व्योपार अच्छा होता है। म्युनिच सूबे बवेरिया की राजधानी में यूनीवरसिटी है। स्टेटगार्ट, वरटमवर्ग की राजधानी है। अलम, सरहद पर मज़बूत क़िला है। ड्रेसडन, सैक्सनी की राजधानी है। लिपज़िग में किताबों का व्योपार बहुत होता है और यूनीवर्सिटी भी है। कार्लस्रोही, वडन की राजधानी है और मेनहिम इस सूबे में सब से बड़ा व्योपारिक नगर है॥

(६) वेलजियम

वेलजियम विसतार में इङ्गलैण्ड और वेल्स का पांचवां भाग है—यहां के आदमी मेहनती है और यह देश पृथ्वी के सब देशों से अधिक आबाद है—खेती दस्तकारी और व्योपार की बढ़ती है। पक्की सड़कें, नहर और रेल जगह २ जारी हैं, इस देश के ६ भाग हैं॥

ब्रूसल्स में क़ालीन की दस्तकारी होती है यहां से नौ मील के अन्तर पर वाटरलू लड़ाई का मैदान मशहूर है। ब्रूजिस—रुई के और लीच खानिक चीज़ों के लिये मशहूर हैं। एन्टवर्प अच्छा व्योपारिक नगर है। घेन्ट में गिरजा और पुराने मकान अच्छे २ हैं। ओसटेण्ड मुख्य बन्दर है। लोरेन में पहले यूनीवरसिटी थी॥

(१०) हालेण्ड या नीदर लैण्ड

यह नीचा देश वेलजियम के दक्षिण में है इसका किनारा दन्दानेदार और कहीं २ समुद्र के धरातल से नीचा है मगर

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

पहाड़ों और बन्दों के सबब से समुद्र से बचा हुआ है। यहां के लोग मेहनत सफ़ाई और कमख़र्चो में प्रसिद्ध हैं—आबोहवा इङ्गलैण्ड से अधिक ठंढी है—नदी और झील अधिक हैं इसमें दस सूबे हैं॥

हावर अच्छा व्योपारिक नगर है। लीड्न व यूट्रक्ट की यूनीवरसिटी मशहूर है। राटरडाम—इस राज्य में दूसरे दरजे का व्योपारिक नगर है। हेग—राजसभा का मुख्य स्थान है॥

(११) राज्य आसट्रिया

राज्य आसट्रिया या आसट्रिया व हँगरी में जरमन के भाग के सिवाय मध्य यूरप के बहुत से देश मिले हैं इसके उत्तर में सेकसनी—प्रुशिया और पोलैण्ड, पूर्व में रूस, दक्षिण में रोमेनियां—सरविया—एड्रियाटिक समुद्र और इटली और पश्चिम में बवेरिया और स्विटज़रलैण्ड हैं डेन्यूब, ऐलब और नीस्टर बड़ी नदियां हैं—खेती दस्तकारी और व्योपार की बढ़ती है—इस राज्य के १८ बड़े भाग हैं। राजधानी वीएना है यहां रुई रेशम और चीनी का काम होता है और यूनीवरसिटी भी है। क्रेको, पहले पोलैण्ड की राजधानी थी। प्रेग, बोहीमिया में मुख्य नगर है यहां पुरानी यूनीवरसिटी है। रगूसा और ट्रेस्ट मशहूर बन्दर हैं। पेस्ट, पहले हँग्री की राजधानी थी यहां भी यूनीवरसिटी है बूडा में पेस्ट के सामने राजमहल हैं॥

(१२) इटली

प्रायद्वीप इटली रूम सागर में है—इसके पश्चिम में विसूविअस ज्वालामुखी पर्वत है—आबोहवा गर्म है—ललहती लता से पहाड़ियां हरी भरी हैं अँगूर—शहतूत और अंजीर अधिकता से होती हैं—सिसली और सारडिनिया और बहुत

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

से छोटे २ द्वीप इसके आधीन हैं—जहां बहुत सी ज्वालामुखी पहाड़ियां हैं—इसके ६ भाग हैं जो ६९ सूबों में बिभागित हैं। इसकी राजधानी रोम जो पोप के रहने की जगह है किसी समय में संसार भर में सब से वड़ा नगर था। नेपिल्स संसार के बहुत अच्छे देखने लायक़ शहरों में गिना जाता है। मीलन का गिरजा यूरप में सब से बड़ा है। फ़्लोरेन्स सूबा टस्कनी की राजधानी हैं—यहां के कबि और तसवीर खींचने वाले नामी हुए हैं। वेनिस एड्रियाटिक समुद्र पर बहुत सुन्दर नगर है और यहां बहुत अच्छे और ऊंचे मकान बने हैं। ब्रिण्डज़ी पर हिन्दुस्तानी डांक के जहाज़ ठहरते हैं। जिनोआ कुलम्बस की जन्मभूमि और मशहूर बन्दर है कोमो में सितारों के देखने का यंत्र मशहूर है। लेगहार्न प्रसिद्ध बन्दर है। क्रार में संगमरमर की बहुत अच्छी खान है। पेलरमो सिसली द्वीप की राजधानी है। मसीना मशहूर बन्दर है। कगलियारी और सिसरी सारडिनिया द्वीप में प्रसिद्ध बन्दर हैं॥

(१३) यूरपी रूम

यूरपी रूम का क्षेत्रफल इँगलिस्तान और वेल्स का दुगना है-बालकन और पिँडस पर्वत इसके मध्य और दक्षिण में हैं आबोहवा गर्म और अच्छी है—इस देश के चार भाग हैं (१) रोमेलिया व अल्बेनिया (२) बलग़ार (३) पूर्वी रोमेलिया (४) बोसनिया और हर्ज़ीगोविना हैं। कुस्तुनतुनिया राजधानी बहुत सुन्दर शहर और बन्दर है। एड्रियानोपिल किसी समय में राजधानी थी। बोसना सराय व्योपारिक नगर है। रोडेस्टो और मेगलीपोली दक्षिण और पश्चिम में मज़बूत बन्दर हैं। सलानिकी दूसरे दरजे का

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

बन्दर है । बलग़ार की सोफ़िया राजधानी है । वरना काले सागर पर प्रसिद्ध बन्दर है । रसचक और सिलिसटि्या डेन्यूब नदी पर लड़ाई के वास्ते जो रूम और रूस में सन् १८७८ ई० में हुई थी प्रसिद्ध हैं ॥

(१४) मान्टीनिगरो—सरविया व रोमेनिया

यह तीनों देश सुल्तान के आधीन थे किन्तु अब स्वाधीन राज्य हैं–मान्टोनिगरो की राजधानी ज़ेटनी है—सरविया की बेलग्रेड और रोमेनिया की बुकारिस्ट है ॥

(१५) यूनान

यह पुराने हकीमों और योधाओं का घर यूरपी रूम के दक्षिण में है अधिक भाग पहाड़ी है, यहां के लोग तेज़, चालाक और हुनरमंद हैं और सन् १८२९ ई० से जब से स्वाधीन हो गये हैं बहुत बढ़ती करली है—यहां की आबोहवा गर्म और सुहावनी है । यूनान के मुख्य भाग स्थली यूनान, प्रायद्वीप मोरिया और वे द्वीप जो यूनान से संबन्ध रखते हैं हैं ॥

राजधानी एथिन्स है इसमें यूनीवरसिटी अर्थात् बड़ा पाठशाला है और इसकी पुरानी शान शौकत के चिन्ह अभी तक बाक़ी हैं और जितने बुद्धिमान और नामी मनुष्य इस में हुए हैं दूसरे नगर में नहीं हुए—कारिन्थ किसी समय में अधिक आबाद और सुन्दर नगर था–नाप्लिया प्रसिद्ध बन्दर है, अरगास यूनान में पुराना नगर है–स्पार्टा के मनुष्य बहुत बहादुर प्रसिद्ध थे—कारफ़ो आयोनियन द्वीप की राजधानी है ॥

(१६) डेनमार्क

यह देश प्रायद्वीप के समान जर्मनी के उत्तर में है–और

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

समुद्री व्योपार के सुन्दर माल प्राकृत ने इसी देश में पैदा किये हैं—आबोहवा इङ्गलिस्तान से अधिक ठंढी और सीली है मगर मध्यम और सुहावनी है। इस देश के ५ भाग हैं जिनमें १८ अमटर अर्थात् ज़िले हैं। कोपिनहेगिन राजधानी है यहां एक यूनीवरसिटी अर्थात् बड़ा पाठशाला है। यहां जहाज़ बनते हैं और व्योपार भी अधिक होता है॥

१४ व्योपारिक चीज़ें

इङ्गलिस्तान में—रुई, ऊनी कपड़े, लोहा, लोहे की चीज़ें, चाकू, कतरनी, टीन, कांच, रांग, और काग़ज़ का व्योपार होता है। स्काटलेण्ड में—रुई, ऊन, सन के कपड़े और क़ालीन। आयरलेण्ड में—नीबू, अन्न, नील, और आलू॥

फ्रान्स में—रेशम, ऊनी कपड़े, फ़ीता, अलसी, चीनी की चीज़ें, मदिरा, मख़मल और कांच॥

बेलजियम में—बालूत की छाल, सन, ऊन॥

हालेण्ड में—गेहूं, राई, तरह २ के ऊन, चर्बी, जौ, सन, पटसन, चमड़ा, टार॥

सरविया में—सन, पटसन, ऊन, और तमाकू॥

टरकी में—रेशम, मुनक्का, सन, ऊन, चमड़ा, अलसी, अंजीर और शोरा॥

स्विटज़रलेण्ड में—घड़ी और खिलौने॥

जरमनी में—सन, पटसन, तमाकू, केसर, शराब और काग़ज़॥

आस्ट्रिया में—ऊन, रेशम, अलसी, शीशा, लोहा, फ़ौलाद॥

पुरतगाल में—मदिरा, तेल, नमक, ऊन, मेवा॥

स्वीडन में—लकड़ी, तांबा और लोहा॥

रोमेनिया में—घोड़े, भेड़ और और चौपाये॥

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

बलग़ार में—घोड़े, भेड़, बकरी, चरबी, ऊन, लोहा, शहद, गुलाब का इत्र, मोम और लकड़ी ॥

यूनान में—रेशम, ऊन, तेल, मेवा और मदिरा ॥

रूशिया में—ऊन, लकड़ी, जस्ता, सन, अलसी, ऊनी कपड़े, रेशमी असबाब, लोहा, जवाहिरात और लोहे का असबाब ॥

स्पेन में—शराब, ऊन, अख़रोट, पारा, ज़ैत, कच्चा रेशम, घोड़े और ख़च्चर ॥

इटेली में—गन्धक, रेशम, चमड़ा, ऊन, ज़ैत, मेवा और मदिरा ॥

अफ़्रीका का बयान

अफ़्रीक़ा पूर्वी गोलार्द्ध के पश्चिमी भाग को कहते हैं। इसकी आबादी अनुमान से लगभग बीस करोड़ के है और क्षेत्रफल एक करोड़ पचास लाख वर्गात्मक मील है ॥

२—सीमा

उत्तर में रूम सागर, पूर्व में हिन्द महासागर, लालसागर और नहर स्वेज़, दक्षिण में दक्षिणी महासागर और पश्चिम में अटलानटिक महासागर है ॥

३—आबोहवा

इसकी आबोहवा सब भागों से गर्म है यहां दो ऋतु गर्मी और बरसात होती हैं ॥

४—देशों के नाम

नाम देश	राजधानी	नाम देश	राजधानी
मिस्र	क़ाहिरा	बारक़ा	बेनग़ाज़ी
न्यूबिया	ख़रतूम	फ़ेज़्ज़ान	मरज़ूक़
हबश या एबीसीनिया	गानडार	तुराबलिस या त्रिपोली	त्रिपोली

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

नाम देश	राजधानी	नाम देश	राजधानी
ट्यूनिस	ट्यूनिस	दक्षिणी गिनी	लुआंगो
एलजीरिया	एलजीअर्स	केपकालोनी	केपटौन
मुराक्को	मुराक्को	नेटाल	पीटर मरिट्ज़-बर्ग
सौडान	टिम्बक्टू	मेडेगासकर	टनानारिवो
सेनेगम्बिया	बेथर्स्ट	मुज़म्बीक़	मुज़म्बीक़
उत्तरी गिनी	कोमासी	ज़ंगबार	ज़ङ्गबार

५—समुद्र वा खाड़ी

उत्तर के ओर

सिडरा आखात और सरतीस या केब्स की खाड़ी ॥

पूर्व के ओर

मुज़म्बीक़ की नहर—अफ़्रीक़ा और मेडेगासकर के बीच में ॥

डेलेगोआ और सुफ़ाला—सुफ़ाला के पूर्व में ॥

अदन की खाड़ी और लाल-सागर अफ़्रीक़ा और अरब के बीच में ॥

दक्षिण के ओर

सेन्टहलीना की खाड़ी टेविल, फ़ाल्स और अलगोआ, आखात-केपकालोनी के पास हैं

पश्चिम के ओर

गिनी, बेनिन, और व्याफ़रा आखात उत्तरी गिनी के दक्षिण में हैं ॥

६—झील

चेड झील, सौडान में। डेम्बिया हब्श में। न्यासा, मध्य रेखा के दक्षिण में। गामीं दक्षिणी अफ़्रीक़ा के मध्य में। शिर्वा मुज़म्बीक़ में। टेनगानिका, एलबर्ट नियन्ज़ा, विक्टोरिया नियन्ज़ा, और बंगलोओ, और डिलोलो ज़ंगबार के पश्चिम में हैं ॥

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

॥ ७ नदी ॥

पता	नाम नदी	उद्गम	मुहाना	लम्बाई	प्रसिद्ध नगर
हब्श और मिश्र में	नील विहरुल अर० ज़क़ टकाज़ी बहरुल ग़िज़ाल	उत्तर विकटोरिया नियनज़ा	की ओर भू मध्य सागर नील नदी की सहायक नदियां हैं	३०००	स्कन्द्रीया—रोसेट्टा—डेमेयट्टा—डन्डेरा—थीब्स—ख़रतूम गान्डार ॥
दक्षिणी अफ़्रीका में	ज़ेम्बिज़ी	पूर्व झील ङिलोलो	की ओर मुज़म्बीक़ के नाले	२४००	सेना—टीटी—शीशी की ॥
सेनीगम्बिया में	सेनीगाल	पश्चिम कांग	की ओर अटलानटिक सागर	६००	सेन्टलूईफ़ादर ॥

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

सेनी गम्बि-या में	गेम्बिया	कांग	अटलानटिक सागर	६५०	बेथर्स्ट—फ़ोर्ट जेम्स ॥
गिनी में	कोरा या ना-इजर	„	गिनी के खाल में	२३००	टिम्बकटू ॥
दक्षिणी अ-फ़्रीक़ा में	कांगो	यूरंगो	अटलानटिक	२९००	लोआंगो—नयांगोये ॥
तथा	क्वान्ज़ा		„		कोलम्बो
तथा	आरेन्ज		„		

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri
Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

८—पहाड़

उत्तर के ओर

अतलस मुराक़ो में है इसकी मशहूर चोटी मिल्टसिन है।

लुपाटा मुज़म्बीक़ के पश्चिम में॥

पूर्व के ओर

किलीमञ्जुरो और कीनिया मध्य रेखा के पास और हबश के पहाड़ हैं—जिसकी मशहूर चोटी आबाजरट है॥

दक्षिण के ओर

ड्रेकनबर्ग, नेटाल के पश्चिम में हैं॥

पश्चिम के ओर

कांगपर्वत, उत्तरी गिनी में और केमेरून्स, व्याफ़रा में हैं॥

९—द्वीप

पुर्तगाली

मडेरा और वर्ड के द्वीप, अटलानटिक महासागर में। सेन्ट टामस और प्रिन्स, गिनी खाड़ी में हैं॥

अंगरेज़ी

एस्सनशन और सेन्टहलीना, अटलानटिक महासागर में। मोरीशस, (राजधानी पोर्ट लुई) राडेगीज़ और अमेरेन्टी, हिन्द महासागर में॥

स्पेन सम्बन्धी द्वीप

ख़ालदात या सांदान या केनेरी (इसकी राजधानी सेन्टाक्रूज़) अटलानटिक महासागर में और फ़रनन्डोपो दक्षिणी गिनी में हैं॥

फ़्रान्स सम्बन्धी द्वीप

बोर्बन और सेन्टमेरी, हिन्द महासागर में, और मेडेगासकर स्वाधीन राज्य है, राजधानी टेनानरीवो है और टमाटेव, मशहूर बन्दर और व्योपारिक नगर हैं॥

१० अन्तरीप

उत्तर के ओर

वान अन्तरीप ट्यूनिस के उत्तर में॥

पूर्व के ओर

कोरिएनटीज़, सुफ़ाला के पूर्व डेलगेडो, मुज़म्बीक़ के

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

उत्तर पूर्व। गार्डाफ़ी आजान के उत्तर में। अम्बर, मेडेगास्कर के उत्तर में। सेन्टमेरी, मेडेगास्कर के दक्षिण में है॥

उत्तमासा—या केप गुडहोप और अगुलहास, केप कालोनी में हैं॥

दक्षिण के ओर

पश्चिम के ओर

स्पारटिल, जिबराल्टर मुहाने की पश्चिमी हद्द पर। ब्लैंको, सहरा के पश्चिम में। वर्ड, सेनेगम्बिया के पश्चिम में पालमास और फ़ारमोसा गिनी में हैं॥

११ मशहूर शहरों का बयान

(१) बरबरी देश

इसमें तुराबलिसट्युनिस, अलजीरिया और मराक्को मिले हैं॥ बेनग़ाज़ी, बारक़ा का मशहूर बन्दर है। मरज़ूक़ फ़ीज़ान में मुख्य नगर है। बिलादुज्जरीद, बिलादुज्जरीद की राजधानी है क़सतुनतुनिया मशहूर शहर है॥ मुग़ादर, मुख्य बन्दर और फ़ेज़, जिसमें तीन सौ मसजिद हैं पवित्र नगर है। मेक़ेनीज़, बादशाहों का निवास स्थान है। टेन्जीअर, जिबराल्टर के पास बन्दर है॥

(२) मिस्र

मिस्र, की राजधानी क़ाहिरा से तीन मील के अन्तर पर मिस्र के नामी मीनार बने हैं। इस्कन्द्रिया बन्दर और ब्योपारिक नगर है। रोसेट्टा के पास वह पत्थर जो मिस्रवालों की हर्फ़ नक़ाशी की कुंजी है मिला था। सन् १८९८ ई० में अबूकर में नेलसन ने जय पाई थी। डेमेट्टा, भी नील नदी पर बन्दर है। स्वेज़, लाल सागर पर नामी बन्दर है जहां से हिन्दुस्तान को महीने में दो बार डांक आती है॥

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

(३) न्युबिया

न्युबिया की राजधानी ख़रतूम, बड़ा ब्योपारिक नगर मध्य अफ़्रीक़ा और मिस्र के बीच में है। डेर, न्युडंगोला, शेन्डी और सिनार मशहूर शहर हैं। मास्सोवा लालसागर पर बड़ा बन्दर है। सोकिन, में होकर हाजी लोग अरब कोजातेहैं॥

(४) हबश या एबीसीनिया

इस में अडोआ और एक्सम, नामी शहर हैं। मिकडाला का क़िला मशहूर है॥

(५) ज़ङ्गबार

ज़ंगबार की राजधानी ज़ंगवार है और मोमबज़ मशहूर बन्दर है॥

(६) मुज़म्बीक़

मुज़म्बीक़ नगर मुज़म्बीक़ में पुरतगाल वालों की राजधानी है। क़िलीमाना, गवर्नर के रहने की जगह है॥

(७) केपकालोनी

केपटौन, केपकालोनी की राजधानी है। ग्रेहमटौन, मशहूर नगर है जो पूर्वी भाग की राजधानी है॥

(८) नेटाल

इसमें डरबान, नामी बंदर है। ट्रान्सवाल, पंचायती राज्य ग्रेटब्रिटन के आधीन है। ज़ूलू, का राज्य ट्रान्सवाल के पूर्व में अंगरेज़ों के आधीन है॥

(९) सेनिगम्बिया

इसमें बेथर्स्ट, राजधानी गेम्बिया नदी के दहाने पर अंगरेज़ों के अधिकार में है। फ्रीटौन, सेरालयून की राजधानी है, इसके पास गोरी और फ़ोर्टसेन्टलूइ, सिनीगाल नदी पर फ़ांसीसियों के पास हैं॥

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

(१०) उत्तरी गिनी

उत्तरी गिनी के किनारे तरह २ की पैदावारी के सबब से मशहूर हैं उनके नाम यह हैं—हरार का किनारा, ग़ल्लात का किनारा, आज का किनारा, ज़म्ब का किनारा, एशेन्टी, डेहोमी, बेनिन, और व्याफ़रा। हरार के किनारे की राजधानी मानरोविया है। ज़म्ब के किनारे की राजधानी क़िला साहलुल रास है। एलमीना बन्दर स्थान है। देशी राज्य एशेन्टी, डेहोमी, बेनिन और व्याफ़रा हैं। इनकी राजधानी कोमासी, एबोमो, बेनिन और व्याफ़रा हैं॥

(११) दक्षिणी गिनी

इसके हिस्से यह हैं—लुआंगो, कांगो, अंगोला और बंगोला। सेन्टपालडोलोएन्डा राजधानी अंगोला और फ़्रान्सीसी राज्य पश्चिमी अफ़्रीक़ा का है॥

(१२) सहरा

सहरा में बेलमा और टेवाट दो मशहूर ओसिस हैं॥

(१३) सोडान

सोडान यह छोटे २ राज्यों से संयुक्त है॥

सोगो टिम्बकटू और गांडो मशहूर शहर हैं। बोसा, पार्क साहिब के मरने की जगह मशहूर शहर रियासत गांडो में है॥

१२ व्योपारिक चीज़ें

बरबरी—देशों में नील, ऊन, चमड़ा, एस्फ़ञ्ज॥

मिस्र में—रुई, गोंद, अफ़ीम, चांवल, गेहूं, जौ, हाथीदांत, तमाकू॥

हब्श में—गेहूं, सोना॥

न्यूबिया में—अन्न, क़हवा, रुई।

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

सेनिगम्बिया में—गोंद, चमड़ा, सोना, मोम, हाथीदांत ॥

वशेन्टो में—सोना, रंग, लकड़ी, हाथीदांत ॥

अंगोला में—हाथीदांत, सोना, लोहा ॥

मेड्युराद्वीप में—मदिरा । सोडानद्वीप में—शराब, मेवा और क़िरमिज़ ॥

बोरबोन में—शक्कर ॥

१—अमेरिका का बयान

यह महाद्वीप पश्चिमी गोलार्द्ध में है इसको सन् १४९२ ई० में कोलम्बस साहिब ने मालूम किया था परंतु यह महाद्वीप फ़्लोरेन्स के जोतिषी अमेरीगो के नाम से पुकारा जाता है क्योंकि इस जोतिषी ने पहले पहल नई दुनियां का हाल लिखा था और इस महाद्वीप के दो भाग उत्तरी और दक्षिणी अमेरिका हैं जिनको पनामा डमरु मध्य मिलाता है क्षेत्रफल अनुमान से १ करोड़ ५५ लाख बर्गात्मक मील और आबादी दस करोड़ है ॥

२—उत्तरी अमेरिका का बयान

इसका क्षेत्रफल अनुमान से पचासी लाख बर्गात्मक मील और आबादी सात करोड़ दस लाख है ॥

३—सीमा

उत्तर में उत्तरी महासागर—पूर्व में अटलान्टिक महासागर दक्षिण में पनामा डमरु मध्य, केरिबियन, मेक्सिको का आख़ात और पश्चिम में स्थिर महासागर है ॥

४—आबोहवा

इसकी आबोहवा पुरानी दुनियां से ठंढी है ।

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

५—देशों के नाम

नाम देश	राजधानी	नाम देश	राजधानी
ग्रीनलैण्ड	जूलियनशाब	क्यूब्राटिन	फ़ोर्टयार्क
कनाडा	ओट्टावा	न्यूफ़ौण्डलैण्ड	सेन्टजान्स
नोवास्कोशिया	हालीफ़ाक्स	संयुक्तदेश	वाशिंगटन
न्यूब्रंज़विक	फ्रेड्रिकटन	मेक्सिको	मेक्सिको
क्वेबेक	क्वेबेक	गुआटेमाला	गुआटेमाला
ओन्टारियो	ओट्टावा		
मानीटोबा	विन्नीपेग	सैनसालवेडोर	सैनसालवेडोर
ब्रिटिश कोलम्बिया	विक्टोरिया	ब्रिटिशहान्डूराज़	बेलीज़

६—समुद्र व खाड़ी

बैफ़िन—आखात ख़िज़रा द्वीप के पश्चिम में। हडसन, का कोल ब्रिटिश अमेरिका के उत्तर में और सेंटजेम्स की खाड़ी इसके दक्षिण में है। केलिफ़ोरनिया—की खाड़ी मेक्सिको के पश्चिम में। काम्पेचे यूकेटान के पश्चिम में॥

हान्डूराज़ आखात हान्डूराज़ के पूर्व में। केरिबियन मध्य अमेरिका के पूर्व में। चेसापिक—आखात संयुक्त अमेरिका के पूर्व में। सेन्ट लारेन्स—की खाड़ी अमेरिका और न्युफ़ौण्डलैण्ड के बीच में है॥

८—मुहाने

हडसन और फ्राबिशर—हडसन की खाड़ी में।

डेविस, बैफ़िन आखात में।

बेलआइल, लैब्रेडोर और न्युफ़ौण्डलैण्ड के बीच में है॥

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

८—झील

सूपीरियर, ह्युरान, मिशिगान, एरी, और ओन्टारियो संयुक्त अमेरिका और कनाडा के बीच में हैं ॥

नोन की बड़ी झील रोकी पहाड़ के पश्चिम में ॥

एथेबास्का, ग्रेट स्लेब और ग्रेट बियर झील—मेकेन्ज़ी के बेसिन में हैं ॥

निकारागुआ झील मध्य अमेरिका में ॥

ओन्टारियो और एरी झीलों के बीच में नियागरा का मशहूर झरना है ॥

॥ ९ नदी ॥

पता	नाम नदी	उद्गम	मुहाना	लंबाई	प्रसिद्ध नगर
		उत्तर की ओर			
ब्रिटिश एमेरिका	बेक	झील ग्रेट स्लेव	उत्तरी सागर	४२०	
तथा	मेकेन्ज़ी	तथा	तथा	२१६०	फ़ोर्ट गुडहोप
तथा	चरचिल	झील नेलसन	हडसन के खाल	१३००	
		पूर्व की ओर			
तथा	सेंटलारेन्स	झील ओन्टारिओ	सेंटलारेन्स की खाड़ी	१४००	क्वेबेक—मान्टरील
	हडसन जेम्स		अटलान्टिक महा सागर में	३००	
		दक्षिण की ओर			
मध्य अमेरिका	मिसिसीपी	झील सूपीरियर	मेक्सिको की खाड़ी	३१६५	न्यु आरलीन्स मेमफ़िस—सेन्टलुई

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

पता	नाम नदी	उद्गम	मुहाना	लंबाई	प्रसिद्ध नगर
मध्य अमेरिका	अहमर				
”	आरकेन्सस	मेग्सि की खाड़ी			
”	मिस्सौरी				
”	एलीनोआय				
”	ओहायो				
”	बड़ी उत्तरी नदी	तथा		१०५०	सेंटाफ़ी
		पश्चिम	की ओर		
”	ओरेगान		स्थिर महासागर	१२००	
”	कोलोरेडो		केलीफ़ोरनिया के खाल में	७५०	

१०—पहाड़

रौकी पहाड़ अमेरिका के पश्चिमी किनारे पर उत्तरी समुद्र से पनामा डमरूमध्य तक फैला है, इसकी ऊंची चोटियां हूकर ब्रौन और मरचीसन् हैं। केलीफ़ोरनिया का पहाड़ केलीफ़ोरनिया में। कोरडिल्लेराज़ मेग्सिको में, पौपोकेटापिटल—इसकी मशहूर चोटी है। एलेगनी और वाशिंगटन संयुक्तअमेरिका में। एलीआस और फ़ेयरवेदर एलास्का के पश्चिम में हैं॥

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

११ द्वीप

उत्तर की ओर

ख़िज़रा या ग्रीनलैण्ड, कमबरलैण्ड, काकबर्न, सोथम्पटन, विक्टोरियालैण्ड, एल्बर्टलैण्ड, बेथर्स्ट, उत्तरी डेवान मेलविल, और विलियम लैण्ड उत्तर महा सागर में हैं ॥

पूर्व की ओर

पश्चिमी हिन्द के द्वीप, जिन में बाहामा, क्यूबा और हेटी मिले हैं नैऋत्य कोन में हैं ॥

बारम्यूडाज़ पूर्व में ।

केपब्रिटिन, नोवास्कोशिया के ईशान में है ॥

पश्चिम की ओर

सिटका और द्वीप शाहज़ादे वेल्स, द्वीप महारानी शारलट और वेनकुवर ब्रिटिश अमेरिका के पश्चिम में हैं ॥

१२—प्रायद्वीप

लाब्रेडोर, नोवास्कोशिया, फ्लोरिडा और यूकेटान पूर्व में । बोथिनिया और मोबाइल उत्तर में ।

केलीफ़ोरनिया और एलास्का पश्चिम में हैं ॥

१३ अन्तरीप

फ़ेअरवेल अन्तरीप—ग्रीनलैण्ड में । चार्लस और चिडली लैब्रेडोर में । सेबिल अन्तरीप नोवास्कोशिया में । काड और सेबिल—संयुक्त अमेरिका में । केटूश—यूकेटान में सेन्ट लूकस, केलीफ़ोरनिया में । मेन्डोसाइनो, संयुक्त अमेरिका में ।

शाहज़ादा वेल्स अन्तरीप पश्चिम में । बारो उतर में है ।

१४—मशहूर शहरों का बयान

(१) ग्रीनलैण्ड

ग्रीनलैण्ड या ख़िज़रा के द्वीप में—जूलीअनशाब मशहूर शहर है ॥

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

(२) ब्रिटिश अमेरिका

कनाडा इसके मुख्य भाग नोवास्कोशिया न्युब्रन्सविक, ओन्टारियो, क्वेबेक, द्वीप केपब्रिटिन, मानीटोबा, ब्रिटिश कोलम्बिया, द्वीप शाहज़ादा एडवर्ड, क्यूआटिन और न्युफ़ौण्डलैण्ड हैं॥ टोरेन्टो कनाडा में सब से बड़ा शहर है, इसमें दो यूनीवरसिटी हैं। किंगसटन ओनटारियो झील के किनारे मुख्य बन्दर है। क्वेबेक और मान्टरील दोनों व्योपारिक शहर हैं। हालीफ़ाक्स अच्छा बन्दर और जहाज़ बनाने की जगह है। द्वीप केपब्रिटिन की राजधानी सैडनी है। वेस्ट मिन्स्टर ब्रिटिश कोलम्बिया में मशहूर शहर है। शारलट टौन शाहज़ादा एडवर्ड द्वीप की राजधानी है॥

(३) संयुक्त अमेरिका

वाशिंगटन सदर स्थान राज सभा का है, पोर्टलैण्ड बन्दर है और यहां व्योपार बहुत होता है। बफ़ेलो अन्न के व्योपार के लिये और फ़िलेडेलफ़िया मकानों के लिये मशहूर है। केम्बर्ग कोयला लोहा आदि की मशहूर मण्डी है। सिनसीनेटी में सुअर का बाज़ार होता है। शिकागो, मिशिगान झील के किनारे अन्न की बड़ी मण्डी है। बालटीमोर, में तमाकू का व्योपार होता है। चार्लसटन, बन्दर है। न्यूआरलीन्स में रुई आदि का व्योपार होता है। बोस्टन बड़े व्योपार की जगह है। रिचमाण्ड, सेवाना, मोबाइल, मेमफ़िस और सेन्टलूई मशहूर शहर हैं॥

(४) मध्य अमेरिका

ग्वाटिमाला, सेनसालवेडोर और ब्रिटिश हाण्डूराज़ जिसकी बेलीज़ राजधानी है इसके मुख्य भाग हैं। निकारागुआ और ग्रेनेडा मशहूर शहर हैं॥

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

१५—व्यौपारिक चीज़ें

ब्रिटिश अमेरिका में—लकड़ी, अन्न, मछली, समूर, चुम्बक। संयुक्त देशों में—रुई, नील, चांवल, शक्कर, तमाकू, सन, पटसन। मध्य अमेरिका में—नील, शक्कर, रुई, कोको, सागून। मेक्सिको में सोना, चांदी, पारा, रांगा॥

पश्चिमी हिन्द के द्वीपों में—शक्कर, क़हवा, सोंठ, चुरट और सागून॥

१—दक्षिणी अमेरिका का बयान

इसका क्षेत्रफल अनुमान से सत्तर लाख वर्गात्मक मील है और आबादी दो करोड़ नब्बे लाख है॥

२—सीमा

उत्तर में केरिबियन की खाड़ी पूर्व में अटलान्टिक महासागर दक्षिण में दक्षिणी महासागर और पश्चिम में पैसिफ़िक है॥

३—आबोहवा

उत्तरी अमेरिका से गर्म है॥

४—देशों के नाम

नाम देश	राजधानी	नाम देश	राजधानी
कोलम्बिया	बुगोटा	पेरू	लाइमा
ईक्वेडोर	कीटो	बोलीविया	चुकीसाका या
वेनेजुएला	कैरेकास		सूकर
गिआना—फ्रांसिसी	केनी	पाराग्वे	एस्सेनशन
		लाप्लाटा	बोनसएरीज़
गिआना—ब्रिटिश	जार्जटौन	यूरूग्वे	मानटीविडयो
		चीली	सैनशियागो
गिआना-डची	पारामरीबो	पेटेगोनिया	पन्टाएरीनास
ब्रेज़ील	रायोजनाइरो		

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

५—समुद्र व खाड़ी

उत्तर की ओर

माराकेबो—वेनेजुएला के वायव्य में। डारिअन-आखात वेनेजुएला के उत्तर में। एमेज़ोन नदी का दहाना ब्रेज़िल के उत्तर में है॥

पूर्व की ओर

लाप्लाटा नदी का दहाना लाप्लाटा के पूर्व में। सेन्ट जार्ज की खाड़ी, पेटेगोनियां के पूर्व में॥

पश्चिम की ओर

गयाकिल की खाड़ी-पेरू और ईक्वेडोर के बीच में है॥ पनामा आखात—पनामा डमरूमध्य के दक्षिण में है॥

६—मुहाना

मजल्लान व लनमेरी—टाइराडेलफ़्यूगो के उत्तर और दक्षिण में॥

७—झील

माराकेबो—वेनेजुएला में। पेटास—ब्रेज़िल के दक्षिण में। टिटीकाका—बोलीविया और पेरू के बीच में॥

॥ ८—नदी ॥

पता	नाम नदी	उद्गम	मुहाना	लंबाई	प्रसिद्ध नगर
कोलंबिया के उत्तर	मेगडलीना	एन्डीज़ पहाड़ से	केरिबियन सागर	७००	बुगोटा-एन्टोक्वीबा टुंजा॥
वेनेजुएला में	ओरेनोको	तथा	तथा	१०००	सेंगोसटूरा-वेरेनास.

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

पता	नाम नदी	उद्गम	मुहाना	लंबाई	प्रसिद्ध नगर
ब्रिटिश गयाना में	एसी क्वीबो	पेरीम पहाड़	अटलान्टिक महासागर	४००	जार्जटौन ॥
ब्रेज़िल में	एमेज़ान	एन्डीज़ पहाड़	तथा	४०००	बारा–सेन्टाक्रूज़–कोचाबम्बा ॥
	मेडेरा ..	..	यह तीनों एमेज़ान नदी की सहायक हैं		
	टेपेजाज़ ..	..	..		
	नीग्रो ..	..	..		
लाप्लाटा	लाप्लाटा	ब्रेज़िल के पहाड़	अटलान्टिक	३३५०	बोनासेरोज़—प्राना—कोरीअन्टीज़ एस्सनशन ॥
	पराना ..	..	यह तीनों मिलकर लाप्लाटा नदी बनी है	१६००	
	यूरोग्वे ..	..	..	,,	
	पाराग्वे ..	..	..	६५०	

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri
Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

९—पहाड़

एण्डीज़ पहाड़—पश्चिम के ओर पनामा डमरू मध्य से होर्न अन्तरीप तक चला गया है, इसमें-कोटोपाक्सी ज्वालामुखी पहाड़ है।

पेरीम एमेज़ोन और ओरीनोको नदियों के बीच में।

ब्रेज़िल का पहाड़—ब्रेज़िल देश में है॥

१०—द्वीप

फ़ाकलैण्ड, टाइरांडेलफ़्यूगो और स्टेटन, अटलान्टिक महासागर में। वेलिंगटन, व चिलोआ—पेटेगोनिया के पश्चिम में।

जुआन फ़रनेनडेज़—चिली के पश्चिम में। चिनका, पेरू के पश्चिम में।

गेलेपेगोस द्वीप इक्वेडोर के पश्चिम में॥

११—अन्तरीप

सेन्टरोक और ब्रांको ब्रेज़िल में। होर्न अन्तरीप, टाइरांडेलफ़्यूगो में।

फ्रेसमान्टोज़, पेटेगोनिया के पश्चिम में।

पारिना अन्तरीप, पेरू में॥

१२—मशहूर शहरों का बयान

माराकेबो, बारसीलाना, और कुमाना, वेनेजुएला में बन्दर है। बहिया, परनामब्यको, मारनहाम और पारा ब्रेज़िल में बन्दर हैं और वालपरेज़ो—का बन्दर चिली में है॥

पोटोसी—जो बोलीविया में चांदी की खान के पास है और कोचाबम्बा में रुई और शीशे का व्योपार होता है। लापाज़ बड़ा शहर और कोबिजा जहाज़ी जगह है॥

पेरू में—कुज़को—इसकाज़ की राजधानी थी और केलाओ बन्दर है॥

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

पनामा और एसपिनवाल, कोलम्बिया के बन्दर हैं ॥

१३—व्योपारिक चीज़ें

कोलम्बिया—में-क़हवा, नील, रुई, तमाकू, सेगून और चरसा ॥

पेरू में—शक्कर, शोरा, रुई, चरसा, चांदी, सोना, तांबा ।

बोलीविया में—फ़ुलज़ात (खानिक पदार्थ) फ़ीता, ऊन ॥

चिली में—सोना, चांदी, तांबा, गेहूं, और सन ।

ब्रेज़िल में—रुई, शक्कर, क़हवा, तमाकू, सोना, हीरा और गेहूं ।

गिश्राना में—शक्कर, क़हवा, शराब, रुई, और अरारोट ॥

१ ओशीनिया का बयान

इस महाद्वीप में सब द्वीप स्थिर महासागर और बहुत से हिन्द महासागर के द्वीप मिले हुए हैं और यह सब द्वीप तीन भागों में बटे हैं-पहले को, मेलेशिया, दूसरे को आ-स्ट्रेलेशिया और तीसरे को पालिनेशिया कहते हैं ॥

(१) मलेशिया सम्बन्धी द्वीप

नाम द्वीप	मुख्य नगर	नाम द्वीप	मुख्य नगर
सुमात्रा	आचीन	फ़िलिप्पाइन	मनिल्ला
बोरनियो	बोरनियो	सिलेबीज़	मकासर
जावा	बटेविया		

(२) आस्ट्रेलेशिया सम्बन्धी द्वीप

आस्ट्रेलिया इसके ६ भाग हैं इसमें मरे, प्रसिद्ध नदी और कारपेन्टेरिया प्रसिद्ध खाड़ी है । आबादी व क्षेत्रफल अनुमान से तीस लाख है ॥

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

नाम द्वीप	मुख्य नगर	नाम द्वीप	मुख्य नगर
(१) वेल्स दक्षिणी	सिडनी	न्यूगिनी या पापुआ	
(२) विक्टोरिया	मेलबोर्न	सुलेमान द्वीप	
(३) आस्ट्रेलिया द:	एडिलेड	न्यू हेब्रीडीज़	
(४) क्वीन्स लैण्ड	ब्रिसबेन	न्यूकैलेडोनिया	
(५) पश्चिमी आस्ट्रेलिया,	पर्थ	टासमानिया—	होबर्टटौन
(६) उत्तरी आस्ट्रेलिया,	पोर्ट-डार्विंगटन	न्यूज़ीलैण्ड—	आकलैण्ड

(३) पालिनेशिया सम्बन्धी द्वीप

नाम द्वीप	मुख्य नगर	नाम द्वीप	मुख्य नगर
सैण्डविच	होनोलूलू	केरोलाइन	
फ़ीजी	लेवूका	बोनन	
सोसाइटी		आदि	

१—अनटार्कटिका

बहुत सी जगह दक्षिणी सागर में जो अंगरेज़ों, फ़ांसीसियों और अमेरिका वालों की कोशिश से जानी गई हैं उनके नाम नीचे लिखे जाते हैं ॥

नाम जगह	कैफ़ियत
(१) विक्टोरियालैण्ड	यह सन् १८४० ई० में जाना गया था इसके किनारे पर ऊंचे पहाड़ हैं जो सदा बर्फ़ से ढके रहते हैं—यह आस्ट्रेलिया के दक्षिण में है इस में एरेबस ज्वालामुखी पहाड़ है ॥

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

(२) एडेलिया व सबधीना ॥

(३) कम्प और यन्डरबीलैण्ड । मेडेगासकर के पश्चिम में ॥

(४) ग्रेहम लैण्ड टाइरोडेलफ़्यूगो से छः सौ मील पर है ।

(५) शाहज़ादा एडवर्ड द्वीप समूह ।

(६) आम्सटरडाम और सेन्टपाल ॥

१—सूचना

जो जहाज़ जापान से चले तो नीचे लिखे जगहों में होकर एशिया के किनारे घूमेगा ॥

युकोहामा, निंगपू, फ़ूचू, एमोय, कैन्टन, हेननद्वीप, ह्यू, बेन्काक, सिंघापुर, मलाका मुहाना, सूबे वेलज़ली, मोलमीन, रंगून, बंगाले की खाड़ी, कलकत्ता, मदरास, पाक मुहाना, मनार की खाड़ी, कोलंबो, अन्तरीप कुमारी, बम्बई, बूशहर, अरमुज़, मसक़त, अदन, बाबुलमन्दब, जद्दा, नहरस्वेज़, स्मरना, मरमर सागर, बासफ़ोरस मुहाना, कास्पियन सागर, बन्दर सेनाब और तरबज़न्द ॥

२—सूचना

जो जहाज़ योरप के चारों ओर घूमने की इच्छा से एनिकाला मुहाने से रवाना हो तो नीचे लिखे हुए मुहाने और समुद्रों में होकर स्वेत सागर में पहुंचेगा ॥

एनिकालामुहाना—सिबास्टापोल—ओडेसा—कुस्तुनतुनियां—मरमर सागर—हेलिसपान्ट मुहाना—सेलोनिका—नाप्लिया

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

और कारिन्थ आखात—रगूसा—ट्रेस्ट—वेनिस—ब्रिएडज़ी—मसीना मुहाना—नेपिल्स—रोन—जनेआ नाइस—टोलोन—मारसेल्स—लाइन्स को खाड़ी—बारसिलोना—वेलनशिया कारटे जीना—जिबराल्टर—केडिज—लिसबन—ओपोरटो कोरन्ना—सेन्टान्डर—बोरडो—बिस्के की खाड़ी—ब्रेस्ट—इङ्गलिस्तान का नाला—डोवर का मुहाना—केले—ओसटैएड केटेगाट—कोपिनहेगिन—डेनज़िग—मोमल और रिगा—फ़िनलैएड और बाथिनिया की खाड़ी—स्टाकहोम—कार्लसक्रोना अन्तरोप नेज़—बरजिन—ड्रानथियम—नार्डकिन अंतरीप—स्वेन सागर ॥

३—सूचना

जो जहाज़ अफ़्रीका के किनारे चारों ओर चक्कर देने की इच्छा से स्कंदरिया से रवाने हो तो बारबरी किनारे और तुराबलिस और ट्यूनिस बन्दर—अलजीरिया, बाबुलतारक़—टेर्नाजअर—सेनिगाम्बिया—केपकोस्टकैसिल—सेन्टपालडी लोआन्डो बन्दर—उत्तमाशा अन्तरीप—नहर मुज़ंबीक़ और ज़ंगबार होता हुआ लालसागर में बाबुलमन्दब की राह पहुंचेगा और स्वेज़ नहर उतर कर स्कन्दरिया में पहुंचेगा ॥

४—सूचना

उत्तरी और दक्षिणी अमेरिका के किनारे की जगह जिनमें होकर जहाज़ चारों ओर हो आवेगा नीचे लिखे जाते हैं ॥

उत्तरी अमेरिका

हालीफ़ाक्स—सेन्टजान—बोस्टन—न्यूयार्क—फ़िलेडेलफ़िया बालटीमोर—वेलिंगटन—चार्लस्टन—सेवाना—मोबायल—न्यूआरलीन्स—वेराक्रूज़—बेलीज़—ऐसपिनवाल—(इस जगह से मुसाफ़िर थोड़ी दूर तक रेल पर जाते हैं)

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

केलीफ़ोरनिया खाड़ी—सैनफ्रांनसिसको, विक्टोरिया और प्राय द्वीप एलास्का होते हुए उत्तर समुद्र में पहुंचकर बैफ़िन आखात—अपर नावक और सेन्टजान्स में होकर हालीफ़ाक्स में पहुंचता है ॥

दक्षिणी अमेरिका

ऐसपिनवाल, कारटेजीना, जार्जटौन, पारामरीबो, केन, पारा, सेन्टराक परनामब्यूको, बहाआ, रायोजनाइरो, मान्‌-टीविडयो, बोनसएरीज़, फ़ाकलैण्ड द्वीप, हारन अन्तरीप, वालपरेज़ो, केलाओ और पनामा, जो ऐसप्रिनवाल से रेल से मिला है ॥

५—सूचना

इंगलिस्तान को आने और जानेवाली चीज़ें नीचे लिखे अनुसार हैं ॥

॥ आनेवाली चीज़ें ॥

नाम चीज़	नाम देश जहां से आती हैं
रूई	संयुक्त अमेरिका व हिन्दुस्तान ॥
शक्कर	पूर्वी व पश्चिमी हिन्द के द्वीपों से ॥
चाय	हिन्द व चीन ॥
क़हवा	लंका, अरब और दक्षिणी अमेरिका ॥
सन	रूस व हालैण्ड ॥
पटसन	रूस ॥
अन्न	संयुक्त अमेरिका व रूस ॥
ऊन	आस्ट्रेलिया व केपकालोनी ॥
चरसा	हिन्द व दक्षिणी अमेरिका ॥
खरियामट्टी	दक्षिणी अमेरिका व रूस ॥
रेशम	चीन, मिस्र व फ्रान्स ॥

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

सोना .. आस्ट्रेलिया व केलीफ़ोरनिया ॥
चांदी .. मेग्सिको व पेरू ॥
मदिरा .. स्पेन पुरतगाल व फ़्रान्स ॥

॥ बाहर जानेवाली चीज़ें ॥

सूती चीज़ें .. हर जगह को ॥
लोहे का असबाव फ़्रान्स, हालैण्ड, अमेरिका, हिन्दुस्तान और आस्ट्रेलिया ॥
ऊनी असबाब .. संयुक्त अमेरिका, आस्ट्रेलिया व चीन ॥
कोयला .. फ़्रान्स, जरमनी व हालैण्ड ॥
मिट्टी के बरतन .. संयुक्त अमेरिका, आस्ट्रेलिया व ब्रेज़िल ॥
कल .. पश्चिमी हिन्द के द्वीप, हिन्दुस्तान व तमाम यूरप में ॥
रेशमी असबाब .. जरमन, हिन्दुस्तान व रूम ॥
चमड़े का असबाव आस्ट्रेलिया को ॥

६—सूचना

वृक्ष ब्रेडफ़ूट या रोटी का पेड़— .. पालोनेशिया और पूर्वी हिन्द के द्वीपों में पैदा होता है ॥
कोको .. दक्षिणी अमेरिका और पश्चिमी हिन्द के द्वीपों में ॥
दारचीनी .. सरन द्वीप और अनाम में ॥
क़हवा .. अरब, जावा, पश्चिमी हिन्द के द्वीप, ब्रेज़िल, स्पेन और सरन द्वीप में ॥
साबून .. हिन्द व पश्चिमी हिन्द के द्वीप और मध्य अमेरिका में ॥

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

मक्का	..	यूरप के दक्षिणी भाग, मध्य अफ़्रीक़ा आस्ट्रेलिया, कनाडा, लापलाटा और हिन्दुस्तान में ॥
चांवल	..	हिन्द, चीन, जापान, पश्चिमी हिन्द के द्वीप संयुक्त अमेरिका और इटली में ॥
शक्कर	..	पूर्वी और पश्चिमी हिन्द के द्वीप, सिसली, पालिनेशिया, अफ़्रीक़ा, ब्रेज़िल और हिंद में॥
चाय	..	हिन्द, चीन और जापान में ॥
तमाकू	..	संयुक्त अमेरिका, रूम, अरब और हिन्द में ॥
गेहूं	..	साधारण कटिबन्ध के लगभग सब मुल्कों में॥
अंगूर	..	पुर्तगाल, स्पेन, फ़्रान्स, मेडेरा, आस्ट्रिया और फ़ारिस में ॥
रंग कोचनील	..	मेग्सिको, और पश्चिमी हिन्द के द्वीपों में ॥
समूर	..	ब्रिटिश अमेरिका, रूस और सैबीरिया में ॥
नील	..	हिन्द, पूर्वी और पश्चिमी हिन्द के द्वीपों में।
स्पञ्ज	..	लालसागर और रूम सागर के जंगलों में ॥
सोना	..	आस्ट्रेलिया, केलीफ़ोरनिया, मेग्सिको, पेरू, लापलाटा, यूरालपहाड़, उत्तरी गिनी, हंगरी और सेक्सनी में ॥
लोहा	..	ब्रिटिन के द्वीप, नारवे और स्वीडन में ॥
चांदी	..	मेग्सिको, पेरू, हंगरी, सेक्सनी और सैबीरिया में ॥

नोट ७

अक्षांस और देशांतरांश जानने से ठीक पता किसी जगह का मालूम हो जाता है। अक्षांश या देशांतरांश बहुत सी जगह का एकही हो सकता है परंतु अक्षांश और देशांत-

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

रांश किसी दो जगह के एकसे नहीं हो सकते क़ायदा अ० क्षांश और देशांतरांश मालूम करने का और अक्षांश और देशांतरांश मालूम हो तो उस ख़ास जगह के मालूम करने का नीचे लिखा जाता है ॥

(अ) अक्षांश का मालूम करना—जिस जगह का अक्षांश जानना हो उसे कृत्रिमगोले के पीतल के मध्यान्ह रेखा पर जो भूमध्य रेखा से ध्रुव तक गिने गये हैं ले आओ जो दरजा उस जगह पर लिखा है वही उसका अक्षांश है ॥

(ब) देशांतरांश का मालूम करना—जिस जगह का दे० शांतरांश जानना हो उसे कृत्रिम गोले के पीतल के मध्यान्ह रेखा पर ले आओ जितने दरजे भूमध्य रेखा पर जगह गिन्ती मध्यान्ह रेखा से कल्पित पीतल के मध्यान्ह रेखा तक हों वही उस जगह का देशांतर है अगर वुह जगह क० ल्पित मध्यान्ह रेखा के दाहने तरफ़ हो तो पूर्बी देशांतर और अगर बायें ओर है तो पश्चिमी देशांतर है ॥

(ज) किसी जगह का अक्षांश और देशांतरांश मालूम कर-ना—उस जगह को पीतल के मध्यान्ह रेखा के उस जगह पर लाओ जो भूमध्य रेखा से ध्रुव की ओर गिनी गई है जितने दरजे उस जगह के ऊपर हों वह उसका अक्षांश है और जितने दरजे पीतल के मध्यान रेखा से कटे हुए भू-मध्य रेखा पर हों वुह उसका देशांतरांश है (यह क़ायदा ऊपर के दो क़ायदे को एक करता है)

(द) अक्षांश व देशांतरांश मालूम हो तो जगह का दर-याफ़्त करना—पहले उस दिये हुये देशांतरांश को भूमध्य रेखा पर मालूम करो और उसे पीतल के मध्यान्ह रेखा के उस जगह पर लाओ जो भूमध्य रेखा से ध्रुव की ओर गिनी

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

गई है इस दिये हुए अक्षांश के नीचे उस मुक़ाम की जगह है जिसको दरयाफ़्त करना चाहते हो ॥

(ध) दो स्थानों के अक्षांशों का अन्तर इस रीति से जाना जाता है कि जो दोनों जगह भूमध्य रेखा के एकही ओर हों तो आपस में घटाओ और जो दोनों ओर हों तो जोड़ो इसी तरह जिन जगहों के देशांतरांशों का अन्तर निकालना होवे जो प्रथम मध्य दिवस के एक ओर हों तो घटा दो और जो दोनों ओर हों तो जोड़ दो पर योग १८० से अधिक नहो यदि हो तो उसको ३६० में से घटा दो शेष अभीष्ट अंतर होगा जिन जगहों का एक ही अक्षांश है वहां ऋतु आदि रात्रि दिन की संख्या एकसी होगी परंतु नदी पर्वतादि के कारण अंतर पड़ जाता है जो जगह एक ही देशांतर पर हैं उनमें प्रातःकाल दो पहर और संध्या एक साथ होती है क्योंकि पृथ्वी के पश्चिम से पूर्व को घूमने में उसका हर एक भाग जो एकही मध्यान्ह रेखा में है एक साथही सूर्य्य के सामने आता और उस से अलग होता है और क्योंकि पृथ्वी का गोला २४ घंटे में एक बार घूम जाता है इस लिये हरएक घंटे में १५ अंश गोले के घूमते हैं अर्थात् ४ मिनिट में एक अंश अर्थात् जिन स्थानों के देशांतरों में एक अंश का अंतर होगा उनके समय में भी ४ मिनिट का अंतर पड़ेगा अर्थात् प्रातकालादि पूर्व वालों में पश्चिम वालों की अपेक्षा प्रति एक अंश में ४ मिनट के सम्बन्ध से पहले होंगे ॥

८—सूचना

जो मुल्क और द्वीप सरकार अंगरेज़ बहादुर के आधीन हैं उनके नाम नीचे लिखे जाते हैं ॥

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

यूरप में—ग्रेटब्रिटिन, आयरलैण्ड, द्वीपमेन, द्वीपचैनल, हैलिगोलैण्ड, मालटा और गोज़ो हैं ॥

एशिया में—हिन्दुस्तान, ब्रिटिश बरमा, अदन, लंका, स्ट्रेट सेटिलमेंट, लेबूआन और द्वीप हांगकांग हैं ॥

अफ़्रीक़ा में—सेरालयून, गोल्डकोस्ट, एस्सनशन, सेन्टहलीना, केप कालोनी, नेटाल, मोरेशस, असेरेन्टो, माही और सैप्रस हैं ॥

उत्तरी अमेरिका में—कनाडा, न्यूब्रन्सविक, नोवास्कोशिया, केपब्रिटिन, प्रिन्स एडवर्ड, न्यूफ़ौण्डलैण्ड, ब्रिटिशकोलम्बिया, बेनकूवर, ब्रिटिशहान्डूराज़ और बरम्यूडाज़ हैं ॥

दक्षिणी अमेरिका में—ब्रिटिश ग्याना और फ़ाकलैण्ड हैं। द्वीप हिन्द पश्चिमी में, बाहामाज़, जमेका ट्रेनीडाड और छोटे २ द्वीप हैं ॥

ओशीनिया में—आस्ट्रेलिया, टासमेनियां, न्युज़ीलैण्ड, आकलैण्ड, नारफ़ाक और फ़ीजी हैं ॥

सूचना (९) पृथ्वी के प्रसिद्ध मरुस्थलों ॥

एशिया—थर—हिन्दुस्तान में, गोबी या शेमू—मंगोलिया में, मकरान व सीसतान—अफ़ग़ानिस्तान में, दस्त ख़ावर—फ़ारिस में और अरब के मरुस्थली—अरब में ॥

यूरप—लैण्डीज़—फ़्रान्स में ॥

अफ़्रीक़ा—सहरा—एटलान्टिक महासागर से नील नदी तक, कलाहारी ओरञ्ज नदी के उत्तर और केरोज़—केपकालोनी के दक्षिण ॥

सूचना (१०) पृथ्वी के प्रसिद्ध ज्वालामुखी पर्बत

एशिया—शेबीलूच—कमसकटका में, लोआ—हवाई द्वीप में, मटोआ—क्युराइल द्वीप में ॥

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

यूरप—हेकला–आईसलैण्ड में, एटना—सिसली में, विसूवियस–नेपिल्स के पास और स्ट्राम्बोली—लिपारी द्वीप में ॥ अफ़्रीक़ा–फ़ूगू–वर्डे द्वीप में, किलीमाञ्जारो–पूर्वी किनारे पर, अम्बो तसमोन—मेडेगास्कर द्वीप में और टेनारिफ़्–केनेरी द्वीप में ॥

अमेरिका—ओरेज़ाबा व पेपोकेटापिटल उत्तरी अमेरिका में, कोटोपैक्सी व अकंकेगुआ दक्षिणी अमेरिका में और सारमेन्टो—टेराडेलफ़्यूगो में ॥

सूचना (११) पृथ्वी के प्रसिद्ध झरने ॥

एशिया–स्रावती–कावेरी—पेकारा—गोकक और टोंस हिंदुस्तान में ॥

यूरप—हेनडिक्र और स्टोबबक—स्विटज़रलैण्ड में, सारब फ़ौस—ओसटेडफ़ोस, रियूकनफ़ोस और वोरंगफ़ोस नारवे में, सेरासूलो और एविनसन—एलप्स में और आरो—सेवाय में॥

अफ़्रीक़ा—ज़िम्बिज़ी का झरना या विकटोरिया झील गामी के पास है इपसन, क्रोमा और मरचीसन—नील नदी के झरने हैं ॥

अमेरिका—प्रसिद्ध झरना न्यागरा का और काकाबोका उत्तरी अमेरिका में ।

सूचना (१२) पृथ्वी के प्रसिद्ध मैदान ॥

एशिया—मैदान सैबीरिया, तुरकिस्तान, चीन, टानकिन, स्याम, पीगू, हिन्दुस्तान बेबिलन और मेसोपोटेमिया (एशियाई रूम में) ॥

यूरप—रूस का बड़ा मैदान, मैदान हंगरी, बलगेरिया, लंबारडी ॥

बोहेमिया, और अंडालूशिया (स्पेन में) ॥

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

सूचना (१३)

रंग व रूप व डील व डौल के भेद से मनुष्य ६ प्रकार के हैं ॥

(१) काकासियन—जो तमाम यूरप में सेवाय लैपलैण्ड, फ़िनलैण्ड और हंगरी के अफ़्रीक़ा के उत्तरी भागों में—अरब एशिया माइनर—फ़ारिस और हिंदुस्तान में बसते हैं ॥

(२) मंगोलियन—यह तमाम एशिया में हिमालय पर्वत के उत्तर बसे हुए हैं। चीनी, तुर्कमान, मंगोल, और तातार के रहने वाले और स्कैमाज़, फ़िनलैण्ड लैपलैण्ड और हंगरी के रहनेवाले इसमें मिले हैं ॥

(३) मलायन—जो प्रायद्वीप मलाया—आस्ट्रेलेशिया, पा॰ लिनेशिया, जापान और मेडेगासक्कर द्वीप के निवासी हैं ॥

(४) पापूअन्स—यह न्युगिनी द्वीप, पूर्बी हिन्दुस्तान के द्वीप और आस्ट्रेलिया में रहते हैं ॥

(५) एथ्योपियन्स—यह वुह हबशी हैं जो मध्य और द॰ चिणी अफ़्रिक़ा में रहते हैं ॥

(६) अमेरिकन—यह अमेरिका के असली निवाशी हैं जो अब बहुत कम रह गये हैं ॥

सूचना (१४) पृथ्वी पर के प्रसिद्ध पहाड़ों की ऊंचाई

॥ यूरप ॥

पता	पहाड़	ऊंचाई
आल्पस	ब्लैंक	१५७८४
आल्पस	रोज़ा	१५२१०
स्पेन	मूलीहसन	११६६४
सिसली	एटना	१०८७४
एपीनाइन्स	कोरमो	१०२०६
वेल्स	स्नोडन	३५६०

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

पता	पहाड़	ऊंचाई
इंगलिस्तान	हेल्वेलियन	३३१३
स्काटलैण्ड	बिन्नेविस	४४०६
	॥ एशिया ॥	
हिमालय	एवेरिस्ट	२६००२
फ़ारस	दमावन्द	२१०००
काकेसस	अलब्रुर्ज़	१८५२६
हिंदूकुश	कोहबाबा	१७६०५
जापान	फ़्यूज़ियामा	१४१७७
अलटाई	वेलूका	११०६२
नीलगिरी	दादाबेटा	८६४०
अरब	सेना	७४१३
पश्चिमी घाट	महाबलेश्वर	४३६६
	॥ अफ़्रीक़ा ॥	
पूर्वी किनारा	किलिमान्ज़ारो	२००३५
	॥ अमेरिका ॥	
ऐन्डीज़	इनकोह्युमा	२४४८६
ऐन्डीज़	ऐकिनकेगुआ	२३६१०
ऐन्डीज़	चमबोरेज़ो	२१४२४
राकीपर्बत	सेन्टअलयास	१८८५०
मेक्सिको	पोपोकेटेपिटल	१७७१७

॥ इति ॥

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

॥ ग़लत सही नामा ॥

सफ़ा	सतर	ग़लत	सही जो पढ़ना चाहिये	सफ़ा	सतर	ग़लत	सही जो पढ़ना चाहिये
१	८	योतिश	ज्योतिष	१४	९	जस्त ा	जस्ता
,,	१०	कि जिस्से	जिनसे	,,	१७	लोन	नमक
,,	१३	होता है	होते हैं		१५	भांत भांत	भांति २
२	६	जो देनो	जो दोनों		२०	भांत	भांति
,,	११	सिरे उत्त-	सिरे को उ-		व		
		रीय	त्तरीय		२२		
	१२	सिरे	सिरे को	१५	२	अपने रस्म	अपने पुरा-
	२४	उर्द्ध	ऊर्द्ध				नी रस्मों
३	२३	सब सितारे	सब ग्रह	१६	२०	अरमुज़ॅ	अरमुज़
,,	,,	एक उपग्रह	एक ग्रह	,,	२४	लाल सागर	पीला सागर
४	२	अश	अंश	१७	४	काना	काला
८	२	मैदनों	मैदानों	१७	१२	२६००	२९००
,,	४	(चारगाह)	(चरागाह)	,,	१८	सथेलियन	सघेलियन
९	३	शादुलस्थल	शाड्वलस्थल	१९	१२	६००	९००
११	१२	बिभाजिक	बिभाजक	२०	६	४६०	४९०
१२	११	नेवासियों	निवासियों	,,	७	खाना ३ ख़ाली	हिमालय
१४	४	तरह के अ-	तरहके धा-	,,	११	२६६०	२९०
		नाज यहां	तु यहां पा-	२६	१९	भाग बुख़ारा	भाग-रूसी
		पैदा होते हैं	ए जाते हैं				तुरकिस्ता-
			और बहुत				न, बुख़ारा
			तरह के अ-	३२	१२	पश्चिमी व	पश्चिमोत्तर
			नाज भी पै-			उत्तरी	देश व
			दा होते हैं।	,,	१५	बंगाल, ब-	बंगाल, बि-
,,	५	भांत	भांति			नारस	हार, और
							बनारस

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

॥ ग़लत सही नामा ॥

सफ़ा	सतर	ग़लत	सही
३३	६	पत्थर का लोन	सेंधा नमक
५६	२३	और और	और उरई
५७	१०	वाजी रावो	बाजी राव
६०	६	औतार	अवतार
६१	१५	अदौली	रदौली
६८	११	हाके	हौंके
७५	१० व ११	वगडोर	व कडोर
,,	२१	कच्छ	कछार
,,	२५	छोटी २ रियासतें	छोटी २ देशी रियास्तें
७७	१२	कलोसा	कलसिया
७७	१५	वलसना	बलसान
७८	११	विगूरला	डंगोरला
८२	१२	टारन्टोको	टारनटो की
८३	२	ओट्रेन्टो	ओट्रेन्टो
,,	५	बस्फ़ोरस	बासफ़ोरस
,,	१२	कोमो	कोमों
,,	२०	डेलगडा	वेलगडा
८४	२	बोहोमिया	बोहेमिया
,,	१३	परेनोज़	पेरेनोज़
८५	७	डोरो	डोरो
,,	४	रोन	रोन

सफ़ा	सतर	ग़लत	सही
८५	६ खाना ६	,,	फ़रारा, कोमोना
,,	१३	नोपर	नीपर
,,	१५	२००	२२००
	५ खाना		
८६	५	कारपेथियन के पहले यह पढ़ना चाहिये	पिंडस व बालकन प हाड़ यूना व रूम में। कारपेथियन
८८	१०	रायल इक्स चेञ्ज	रायल इक्स-चेञ्ज
९१	२	बेन फ़ास्ट	बेलफ़ास्ट
,,	१८	विभागित	बिभाजित
,,	२४	सेन्ट इटली	सेंट इटली
९३	८	बिभागित	बिभाजित
,,	६	बर्न, स्विसडाइट	बर्न, राजधानी और स्विसडाइट
९६	२	विभागित	विभाजित
१०२	५	यूरंगो	टैनगैनीका

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

॥ ग़लत सही नामा ॥

सफ़ा	सतर	ग़लत	सही	सफ़ा	सतर	ग़लत	सही
१०२	३	टिम्बकटू	टिम्बकटू व बोमा	१०७	१०व ११	जोतिषी	ज्योतिषी
१०४	८	दक्षिण की ओर	,,	११४	११	मजल्लान	मजिल्लान
				१२३	१०	कटिवन्ध	कटिबन्ध
,,	४व ५	इन दोनो सतरों के बीच में	दक्षिण की ओर	१२६	२२	कलहारो	कलहारी
				१२७	२	किलीमाञ्जुरो	किलीमाञ्जारो
				१२८	८	क्लैमाज़	क्लैमोज़
,,	२३	पाई थी। डेमेट्टा	पाई थी। मेमफ़िस और थीब्स पुरानी प्रसिद्ध जगह हैं। डेमेट्टा,	,,	२४	एटनो	इटना

ऊपर लिखो हुई ग़लतियों के सेवाय इस किताब में प्रेस के कम्पोज़िटरों और टाइप के ख़राबी से बहुत जगह ो का ा और ा का ो पढ़ा जाता है इस ग़लती को पढ़ने वाले कृपा करके ठीक २ पढ़लें ॥

IGNCA
Acc. No. 92-31130

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh